नेशनल प्रेस टाइम्स

नई दिल्ली, बुधवार
26 फरवरी 2025

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 10, अंक : 340 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

आतिशी का दावा, कैग रिपोर्ट में आप की शराब नीति की तारीफ, वापस लेने से हुआ 2000 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। आतिशी ने कहा कि इस रिपोर्ट ने हमारी बात पर मुहर लगा दी है। शराब कितनी बिक रही थी, इसमें भ्रष्टाचार था। यह रिपोर्ट बताती है कि 28 फीसदी से ज्यादा भ्रष्टाचार ठेकेदार कर रहे थे और पैसा दलालों की जेब में जा रहा था।

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी नेता आतिशी ने मंगलवार को कैग की रिपोर्ट में राष्ट्रीय राजधानी के खजाने को 2002 करोड़ से अधिक के नुकसान का दावा करने के बाद रद्द की गई नई शराब नीति का बचाव करते हुए कहा कि ऑडिट दस्तावेज ने पुरानी शराब नीति के तहत भ्रष्टाचार को उजागर किया है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के लोगों को नुकसान हुआ क्योंकि पड़ोसी राज्यों से अवैध रूप से शराब लाई जा रही थी। सीएम रेखा गुप्ता द्वारा आज दिल्ली विधानसभा में पेश की गई सीएजी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछली सरकार के फैसलों और शराब नीति के कारण राष्ट्रीय राजधानी के खजाने को 2002 करोड़ रुपये से अधिक का संचयी नुकसान हुआ।

आतिशी ने कहा कि इस रिपोर्ट ने हमारी बात पर मुहर लगा दी है। शराब कितनी बिक रही थी, इसमें भ्रष्टाचार था। यह रिपोर्ट बताती है कि 28 फीसदी से ज्यादा भ्रष्टाचार ठेकेदार कर रहे थे और पैसा दलालों की जेब में जा रहा था। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि शराब की कालाबाजारी हो रही थी और सबको पता था कि शराब के ठेके किस पार्टी के लोगों के पास हैं। शराब ठेकेदारों ने गलत तरीके से लागत मूल्य की गणना कर मुनाफा कमाया। उन्होंने कहा कि आठवें अध्याय में यह रिपोर्ट कहती है कि नई नीति पारदर्शी थी, कालाबाजारी रोकने के उपाय थे और इससे राजस्व बढ़ना चाहिए था। जब यही नीति पंजाब में लागू की गई तो वहां भी उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी हुई। **शेष पेज 2 पर**

सीएम योगी बोले: वामपंथी और सपाई महाकुंभ को कर रहे हैं बदनाम

प्रदेश में नहीं चलेगी कठमुल्लापन की संस्कृति

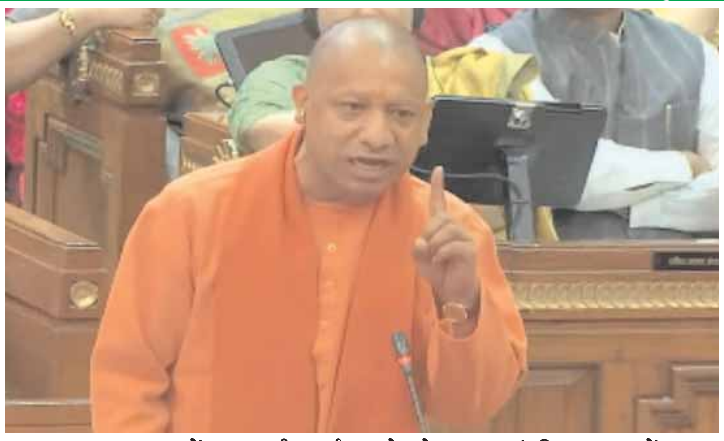

लखनऊ। सदन में बजट की चर्चा के दौरान सीएम योगी विपक्ष खासकर सपा पर विशेष रूप से हमलावर रहे है। इस दौरान उन्होंने महाकुंभ का विशेष रूप से जिक्र किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कहा कि सपा की मानसिकता संकीर्ण है। भाजपा सरकार अल्पसंख्यक बच्चों को केवल पारंपरिक मदरसों तक सीमित नहीं रखना चाहती। उन्हें मुल्ला और मौलवी बनाने के बजाय डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और साहित्यकार बनाने का अवसर भी प्रदान करना चाहती है। अब कठमुल्लापन की संस्कृति नहीं चलेगी। प्रयागराज महाकुंभ ने प्रदेश में नए पंच तीर्थ को जोड़ा है, जिसके माध्यम से श्रद्धालु अयोध्या, काशी, गोरखपुर और मथुरा दर्शन करने लिए पहुंच रहे हैं। साथ ही कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान संयुक्त सदन में सपा सदस्यों का व्यवहार संविधान सम्मत नहीं था।

सीएम योगी ने फिर दोहराया कि महाकुंभ में सभी को अपनी दृष्टि के अनुरूप चीजें देखने को मिलीं। महाकुंभ दुनिया में अब तक हुए सभी आयोजनों के रिकॉर्ड को तोड़ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र में यह आवश्यक नहीं है कि सभी लोग एक-दूसरे से सहमत हों, लेकिन राज्यपाल जैसे संवैधानिक पद के प्रति जिस प्रकार की अशोभनीय भाषा और नारेबाजी का प्रयोग किया गया, वह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। **शेष पेज 2 पर**

यूपी विधान परिषद की कार्यवाही 28 फरवरी तक के लिए स्थगित, सीएम योगी ने दिए सवालों के जवाब

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यूपी विधान परिषद में सदन को संबोधित किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही 28 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई। यूपी विधान मंडल का बजट सत्र जारी है। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद में विपक्ष के सवालों के जवाब दिए और राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा सदस्यों के व्यवहार पर विपक्ष को जमकर खरी - खोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि एक परंपरा चल पड़ी है कि राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान हंगामा करो। सपा के लोगों का आचरण किसी तरह से लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने विपक्ष पर महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर वहां इतनी अव्यवस्था होती तो क्या 60 करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में स्नान करने के लिए आते। **शेष पेज 2 पर**

हर-हर महादेव, हर-हर गंगे... कड़ी सुरक्षा के बीच नूपुर शर्मा ने महाकुंभ में लगाई आस्था की डुबकी

नई दिल्ली। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था। उनकी विवादास्पद टिप्पणियों पर संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और ईरान सहित कई इस्लामी देशों के विरोध के बाद, भाजपा ने नूपुर शर्मा को पार्टी से निलंबित कर दिया।

भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा, जिनकी 2022 में पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ टिप्पणी ने भारतीय मुसलमानों को नाराज कर दिया और इस्लामी देशों को नाराज कर दिया, को कड़ी सुरक्षा के बीच त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाते हुए प्रयागराज के महाकुंभ मेले में देखा गया। 2022 में मई के अंत में एक टीवी बहस में की गई शर्मा की टिप्पणी पर बड़े पैमाने पर नाराजगी हुई थी। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था। उनकी विवादास्पद टिप्पणियों पर संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और ईरान सहित कई इस्लामी देशों के विरोध के बाद, भाजपा ने नूपुर शर्मा को पार्टी से निलंबित कर दिया।

शेष पेज 2 पर

महाराष्ट्र सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 12 प्रतिशत बढ़ाया

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार के वित्त विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि डीए बढ़ोतरी से लगभग 17 लाख कर्मचारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। रकारी आदेश में कहा गया है कि महंगाई भत्ते के वितरण के संबंध में मौजूदा प्रक्रियाएं और प्रावधान भविष्य में भी लागू रहेंगे। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर अपने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में पांचवें वेतन आयोग के अपरिवर्तित वेतनमान के तहत 12 प्रतिशत की वृद्धि की, जो एक जुलाई 2024 से प्रभावी होगी।

सरकारी प्रस्ताव (जीआर) के अनुसार, 443 प्रतिशत से संशोधित 455 प्रतिशत महंगाई भत्ते का भुगतान फरवरी 2025 के वेतन के साथ नकद किया जाएगा, जिसमें 1 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025 तक का बकाया भी शामिल है।

राज्य वित्त विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि डीए बढ़ोतरी से लगभग 17 लाख कर्मचारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि महंगाई भत्ते के वितरण के संबंध में मौजूदा प्रक्रियाएं और प्रावधान भविष्य में भी लागू रहेंगे।

आदेश में कहा गया है कि संशोधित महंगाई भत्ते पर व्यय सरकारी कर्मचारियों के लिए संबंधित वेतन और भत्ते के मद में आवंटित बजटीय प्रावधानों से पूरा किया जाएगा। अनुदान प्राप्त संस्थाओं और जिला परिषद कर्मचारियों के लिए व्यय को उनकी वित्तीय सहायता के लिए निर्दिष्ट उप-शीर्षों के अंतर्गत दर्ज किया जाएगा।

लोकसभा में कम हो सकती है तमिलनाडु की सीटें, बेचैन सीएम स्टालिन ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

तमिलनाडु। कैबिनेट बैठक के बाद बोलते हुए, स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि तमिलनाडु की परिवार नियोजन नीतियों के सफल कार्यान्वयन ने अब राज्य को नुकसान में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि यदि जनसंख्या जनगणना के आधार पर परिसीमन लागू किया जाता है, तो तमिलनाडु आठ सांसदों को खो देगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने परिसीमन के विवादास्पद मुद्दे पर चर्चा के लिए 5 मार्च को सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें चेतावनी दी गई कि राज्य एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है जहां उसे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए विरोध करना होगा। उन्होंने घोषणा की कि चुनाव आयोग के साथ पंजीकृत 40 राजनीतिक दलों को निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन के निहितार्थ पर विचार-विमर्श करने के लिए बैठक में आमंत्रित किया गया था, जिसे उन्होंने तमिलनाडु पर लटकती तलवार" बताया। **शेष पेज 2 पर**

आप विधायक अमानतुल्लाह खान को बड़ी राहत, पुलिस पर हमला मामले में कोर्ट से मिली अग्रिम जमानत

दिल्ली । अमानतुल्लाहखान, जो आधिकारिक कर्तव्यों में बाधा डालने के आरोपों पर कानूनी परेशानी का सामना कर रहे थे, को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा मिली, जिससे उन्हें तत्काल हिरासत से राहत मिली।

दिल्ली की एक अदालत ने लोक सेवकों के काम में बाधा डालने से जुड़े एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान को मंगलवार को अग्रिम जमानत दे दी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस शर्त पर उनकी जमानत मंजूर की कि वह 25,000 रुपये के बांड और इतनी ही राशि की जमानत राशि जमा करेंगे। दिल्ली पुलिस ने 10 फरवरी को जामिया नगर इलाके में हुई एक घटना को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था।

उन पर हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी के जामिया नगर में दिल्ली पुलिस टीम पर हुए हमले को लेकर मामला दर्ज किया गया था,खान, जो आधिकारिक कर्तव्यों में बाधा डालने के आरोपों पर कानूनी परेशानी का सामना कर रहे थे, को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा मिली, **शेष पेज 2 पर**

इंडिया ब्लॉक में दरार! सीपीएम ने मोदी सरकार को फासीवादी मानने से किया इनकार, CPI-Congress नाराज

नई दिल्ली। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य रमेश चेन्निथला ने आरोप लगाया है कि सीपीएम का मसौदा प्रस्ताव जिसमें कहा गया है कि मोदी सरकार फासीवादी नहीं है, आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा के वोट सुरक्षित करने के लिए एक रणनीतिक कदम है।

केंद्र में मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की 'फासीवादी प्रवृत्ति' को लेकर सीपीएम एक अजीब राजनीतिक दुविधा में फंस गई है। सीपीएम की ओर से अपनी राज्य इकाइयों को भेजे गए एक विस्तृत नोट में बताया गया है कि 24वीं पार्टी कांग्रेस के लिए उसके राजनीतिक प्रस्ताव के मसौदे में यह क्यों नहीं कहा गया है कि "मोदी सरकार फासीवादी या नव-फासीवादी है" या "भारतीय राज्य को नव-फासीवादी राज्य के रूप में चिह्नित करें ने वाम मोर्चा में मतभेदों को बढ़ा दिया है। सीपीआई ने मांग की है कि उसका सहयोगी अपना रुख सही करे।

नोट में कहा गया है, "हम जो इंगित कर रहे हैं वह यह है कि बीजेपी, जो कि आरएसएस की राजनीतिक शाखा है, के 10 साल के निरंतर शासन के बाद, बीजेपी-आरएसएस के हाथों में राजनीतिक शक्ति का एकीकरण हुआ है, और इसके परिणामस्वरूप नव-फासीवादी विशेषताएं सामने आ रही हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि हिंदुत्व-कॉर्पोरेट सत्तावादी शासन है जो नव-फासीवादी विशेषताओं को प्रदर्शित करता है। **शेष पेज 2 पर**

कांग्रेस-थरूर ■ क्या कांग्रेस-थरूर के बीच सब ठीकः

क्यों सबसे लोकप्रिय नेता के पार्टी छोड़ने की लगीं अटकलें

नई दिल्ली। हालिया समय में थरूर की कांग्रेस से नाराजगी की वजह क्या है? पूर्व केंद्रीय मंत्री के किन वक्तव्यों पर विवाद छिड़ा है? थरूर ने इन मतभेदों को लेकर क्या कहा है? इसके अलावा भाजपा ने कांग्रेस और थरूर के बीच उठे विवाद को लेकर क्या कहा है? आइये जानते हैं...

केरल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। हालांकि, राज्य में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस में अभी से बगावत के सुर उठने लगे हैं। इस बार यह बागी तेवर पार्टी के किसी धड़े या किसी छोटे नेता की तरफ से नहीं, बल्कि केरल में लोकप्रिय चेहरे और तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से लगातार चार बार के सांसद शशि थरूर की तरफ से दिखाए गए हैं। दरअसल, बीते कुछ दिनों में केरल कांग्रेस और थरूर के बीच तनाव खुलकर सामने आ गया है।

खासकर जबसे पूर्व केंद्रीय मंत्री ने राज्य की एलडीएफ और केंद्र की एनडीए सरकार को लेकर सकारात्मक बयान दिए हैं।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर हालिया समय में थरूर की कांग्रेस से नाराजगी की वजह क्या है? पूर्व केंद्रीय मंत्री के किन वक्तव्यों पर विवाद छिड़ा है? थरूर ने इन मतभेदों को लेकर क्या कहा है? इसके अलावा भाजपा ने कांग्रेस और थरूर के बीच उठे विवाद को लेकर क्या कहा है? आइये जानते हैं...

क्या है कांग्रेस और शशि थरूर के बीच हालिया मतभेदों की वजह?

केस-1: जब एलडीएफ सरकार की आर्थिक नीति की तारीफ की

कांग्रेस की केरल इकाई और उसके सांसद शशि थरूर के बीच विवाद की शुरूआत इसी महीने की शुरूआत में हुई। दरअसल, कांग्रेस सांसद ने एक अंग्रेजी अखबार में लेख में मुख्यमंत्री पिनरई विजयन की लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) सरकार की आर्थिक नीतियों की तारीफ की थी। इस पर केरल कांग्रेस के कई नेताओं ने थरूर को आड़े हाथों लेते हुए कहा था कि विजयन की योजनाएं केरल में कांग्रेस के मुख्यमंत्री रहे ओमान चांडी की तरफ से की गई पहलों का ही आगे का स्वरूप है। थरूर ने इस मुद्दे पर सफाई देते हुए कहा था कि उन्होंने एलडीएफ सरकार की योजनाओं की नहीं, बल्कि सिर्फ राज्य के औद्योगिक माहौल और स्टार्टअप ईकोसिस्टम में बदलाव की बात की थी, जिसे खुद ओमान चांडी ने शुरू किया था। थरूर ने यह भी कहा था कि उनके लेख में केरल की पूरी अर्थव्यवस्था की बात नहीं कही गई थी, जो कि असल में बुरी स्थिति में है। केरल में लगातार बेरोजगारी बढ़ी है और साक्षर युवाओं की संख्या भी घटी है।

शेष पेज 2 पर

असम में उपस्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नरेंद्र मोदी ने किया एडवांटेज असम 2.0 का उद्घाटन किया

असम : देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे । कल शाम को असम पधारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भव्य स्वागत करते हुए गुवाहाटी के सरूसजाई स्टेडियम में आयोजित झुमुर बिनंदिनी कार्यक्रम में ले जाया गया जहां प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री के उपस्थिति में कल चाय समुदाय के प्रमुख नृत्य झुमूर ने असम में आयोजित झुमूर बिनंदिनी कार्यक्रम के जरिए करीब नो हजार नृत्यांगना को एक साथ नचाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया। कल के कार्यक्रम के बाद आज मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के खानापारा में आयोजित एडवांटेज असम 2.0 इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट समिट 2025 का उद्घाटन किया। जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मोदी को सेमीकंडक्टर चिप्स से निर्मित एक सींग वाले गैंडे का स्मृति चिन्ह भेंट किया, जो राज्य की परंपरा से प्रौद्योगिकी तक की यात्रा का एक अद्भुत रूपक है, तथा एक प्रतीकात्मक क्षण को चिह्नित करता है। आज इस अवसर पर भारत के

उद्योगपति गौतम अडानी, मुकेश अंबानी, अनिल अग्रवाल और एन चंद्रशेखरन जैसे उद्योग जगत के हस्तियों ने मंच संभाला और राज्य के लिए अपनी महत्वाकांक्षी निवेश योजनाओं को साझा किया। गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 के उद्घाटन सत्र के दौरान अपने संबोधन में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य के परिवर्तन के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में, असम भारत के सबसे शांतिपूर्ण राज्य के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आवश्यक बुनियादी ढांचे और औद्योगिक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का श्रेय पीएम मोदी को दिया। अपने भाषण में, पीएम मोदी ने स्टार्टअप हब के रूप में असम के विकास पर प्रकाश डाला और पूर्वोत्तर भारत में विनिर्माण में राज्य के भविष्य के प्रभुत्व की भविष्यवाणी की। उन्होंने कहा कि जब 2018 में एडवांटेज असम पहली बार शुरू हुआ था, तब असम की अर्थव्यवस्था 2.45 लाख करोड़ रुपये की थी। आज, भाजपा शासन में, राज्य की अर्थव्यवस्था दोगुनी होकर 6 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो ह्यडबल इंजन सरकार के प्रभाव को दशार्ता है। एडवांटेज असम 2.0 के शुभारंभ के दौरान आगे बोलते हुए, प्रधान मंत्री ने 2030 तक असम की अर्थव्यवस्था को 147 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने के लिए अपनी सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित किया, इसे पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण पूर्व एशिया दोनों के लिए प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित किया। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं को एनई ट्रांसफॉर्मेटिव इंडस्ट्रियलाइजेशन स्कीम (उन्नति) का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। रेलवे निवेश, पूर्वोत्तर में पहली सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन, बेहतर हवाई संपर्क और मजबूत कानून व्यवस्था जैसी प्रमुख पहलों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ह्लबुनियादी ढांचा, कनेक्टिविटी और व्यापार करने में आसानी हमारी प्राथमिकताएं हैं। बता दे कि आज के इस अवसर पर भारत के सबसे बड़े उद्योगपति में से दो उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडानी दोनों ने असम में पचास पचास हजार करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की।

असम के दरंग जिले में एडवांटेज असम 2.0 की पहल पर जिला स्तरीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

असम। असम सरकार की पहल पर गुवाहाटी के खानापारा में आज से आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में देश के बड़े उद्योगपतियों द्वारा भारी निवेश किए जाने के अलावा आज असम के दरंग जिले में एडवांटेज असम 2.0 की पहल के तहत जिला स्तरीय एमओयू साइनिंग (एमओयू) समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दरंग जिले के जिला आयुक्त पराग कुमार काकती और जिला स्तर के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एडवांटेज असम 2.0 के उद्घाटन भाषण, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और प्रमुख निवेशकों के भाषणों का इस अवसर पर सीधा प्रसारण किया गया और सभी उपस्थित

लोग वर्चुअल तरीके से इस ऐतिहासिक क्षण में शामिल हो गए। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला आयुक्त ने एमओयू के महत्व और जिले के औद्योगिक विकास और आर्थिक विकास पर पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डाला। इस आयोजन में लगभग एक सौ प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। आयोजन के पहले दिन, 33 निवेशकों ने जिले में लगभग 145 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं और एमओयू हस्ताक्षर समारोह कल भी जारी रहेगा। इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर एडवांटेज असम 2.0 के कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और यह जिले में औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे के विकास और रोजगार सृजन के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।

पेज एक का शेष...

सीएम योगी बोलेः वामपंथी और सपाई महाकुंभ को कर रहे हैं बदनाम

उन्होंने कहा कि संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने हमें जो लोकतांत्रिक व्यवस्था दी है, उसका सम्मान करना सभी दलों का कर्तव्य है।

उपहार, विरोध और स्वीकृति के दौर से गुजरते हैं महान कार्य

योगी ने कहा कि महाकुंभ ने देश की प्रतिष्ठा को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। अब तक 64 करोड़ श्रद्धालु इस दिव्य आयोजन में शामिल हो चुके हैं, जो कि विश्व के किसी भी धार्मिक आयोजन में शामिल होने वाले लोगों की संख्या से कहीं अधिक है। सीएम ने कहा कि महान कार्यों के प्रति समाज का रवैया तीन चरणों से गुजरता है झ उपहास, विरोध और स्वीकृति। यही हाल राम मंदिर निर्माण और महाकुंभ आयोजन के दौरान भी देखने को मिला।

पहले विपक्ष ने तंज कसे, फिर विरोध किया, लेकिन अंततः वे भी इसी आस्था में समर्पित हो गए। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव स्वयं संगम में स्नान कर आए और नेता प्रतिपक्ष ने खुद को पहले सनातनी बताया, बाद में समाजवादी। यह उनकी स्वीकृति का प्रमाण है।

मक्का और वेटिकन सिटी से कहीं ज्यादा श्रद्धालु अयोध्या में–सीएम योगी ने कहा कि मक्का में हज के दौरान 1.4 करोड़, वेटिकन सिटी में सालभर में 80 लाख, जबकि अयोध्या धाम में मात्र 52 दिनों में 16 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। कुछ लोग हर बार महाकुंभ को बदनाम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन इस आयोजन ने हर नकारात्मक प्रचार को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि वामपंथी और समाजवादी महाकुंभ को बदनाम करने में जुटे रहे, लेकिन करोड़ों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर उनकी नकारात्मकता को नकार दिया।

गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को दिया जवाब–मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में वैज्ञानिक डॉ. अजय शुक्ला की लैब और उत्तर प्रदेश व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, गंगाजल सिर्फ स्नान योग्य ही नहीं, बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध भी है। वैज्ञानिक परीक्षणों से यह साबित हुआ है कि गंगाजल में स्वयं को शुद्ध बनाए रखने की प्राकृतिक क्षमता है, जो इसे अन्य नदियों से अलग बनाती है। 17 जनवरी को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट में संगम क्षेत्र में क्लोरोफॉर्म की मात्रा निर्धारित मानकों के भीतर पाई गई। संगम तट पर इसकी मात्रा 780 एमपीएन प्रति 100 मिलीलीटर थी, जबकि वाराणसी की ओर जाने वाले घाटों पर यह 280 तक थी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, जल की शुद्धता के तीन प्रमुख मानक बीओडी (बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड), सीओडी (केमिकल ऑक्सीजन डिमांड) और फीकल कॉलीफॉर्म संगम क्षेत्र में पूरी तरह संतुलित पाए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने प्रयागराज महाकुंभ को बदनाम करने के लिए झूठा प्रचार किया, लेकिन करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद गंगा की पवित्रता और शुद्धता सिद्ध हो चुकी है।

भाजपा का विरोध करते–करते भारत का विरोध करने लगता है विपक्ष–सीएम योगी ने कहा कि सोशल मीडिया पर झूठा प्रचार किया गया कि गोरखपुर–बस्ती मंडल के 35 लोग लापता हैं, लेकिन वे सभी सुरक्षित अपने घर लौट आए। प्रयागराज का मेडिकल कॉलेज पूरे जिले का है और वहां होने वाली किसी भी दुर्घटना या स्वाभाविक मृत्यु की जानकारी मेडिकल कॉलेज में दर्ज होती है। कुछ लोगों ने इस तथ्य को तोड़–मरोड़ कर हजारों मौतों की अफवाह फैलाई। जबकि डिजिटल कुंभ प्रणाली ने 28,000 बिछड़े लोगों को उनके परिजनों से मिलाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष भाजपा से विरोध करते–करते भारत विरोधी मानसिकता अपना लेता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में कई कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। इसमें एक कॉरिडोर प्रयागराज से मां विंध्यवासिनी धाम होते हुए काशी तक के लिए जाता है। वहीं, दूसरा कॉरिडोर गोरखपुर के आसपास के क्षेत्र में तैयार हुआ है। तीसरा, अयोध्या के आसपास के क्षेत्र में तैयार हुआ है। चौथा लखनऊ और नैमिषारण्य और पांचवां मथुरा–वृंदावन के आसपास के क्षेत्र में भी तैयार हुआ है।

एक साल में एक लाख युवा उद्यमी होंगे तैयार–सीएम ने कहा कि एक वर्ष में एक लाख युवा उद्यमी तैयार करने हैं, जबकि पहले ही चरण में एक महीने में 96 लाख से अधिक आवेदन आ चुके हैं। 6000 से अधिक को लोन भी प्राप्त हो गया है।

यूपी की कानून व्यवस्था देश में नजीर बनी–सीएम ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले हर दूसरे और तीसरे दिन दंगा होता था। आज उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था देश में एक नजीर बनी हुई है। एनसीआरबी के आंकड़े पेश करते हुए कहा कि अपराधों में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2018 में प्रदेश में 14.02 प्रतिशत महिला कर्मी (वर्क फोर्स) थीं, जो बढ़ करके 35.01 प्रतिशत हुई है। डबल इंजन की सरकार ने सभी जनजातियों को मुख्यधारा में लाने का काम किया है।

सपा का पीडीए सिर्फ एक ढोंग–सीएम योगी ने कहा कि पिछले साढ़े सात वर्ष में प्रदेश में 6 करोड़ व देश के अंदर 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर सामान्य जीवन जीवन यापन कर रहे हैं। अगले तीन वर्षों में 13.5 लाख परिवारों की वार्षिक आय को न्यूनतम 1.25 लाख रुपये सालाना तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी की पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) बात केवल एक ढोंग है।

यूपी विधान परिषद की कार्यवाही 28 फरवरी तक के लिए स्थगित, सीएम योगी ने दिए सवालों के जवाब

दुनिया भर के लोग सनातन के आयोजन में हिस्सा लेने आ रहे हैं और सपा को लोग इसे लेकर भ्रम फैला रहे हैं।

मुख्यमंत्री के संबोधन के बाद विधान परिषद की कार्यवाही 28 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस बीच कार्य मंत्रण समिति की बैठक होगी।

इससे पहले नियम 105 के तहत विधान परिषद सदस्य ध्रुव त्रिपाठी ने शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने पर विचार करने का मुद्दा उठाया। काफी बहस के बाद भी 1 अप्रैल 2005 के बाद नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने पर निर्णय नहीं हो सका। उन्होंने नियमित अंशदान न काटने की भी बात कही।

क्यों सबसे लोकप्रिय नेता के पार्टी छोड़ने की लगीं अटकलें

हालांकि, थरूर की इस सफाई का केरल कांग्रेस पर कुछ खास असर नहीं दिखा, जिसके कई नेताओं ने थरूर पर हमले जारी रखे।

केस–2ः पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे को सकारात्मक बताया

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इसके बाद पीएम मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात और उनके अमेरिका से बातचीत के तरीके की तारीफ की थी। हालांकि, बाद में इस मुद्दे पर भी कांग्रेस और थरूर के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो गई। विवाद बढ़ता देख थरूर ने कहा कि उन्होंने देश हित में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात की तारीफ की थी, क्योंकि इससे कुछ सकारात्मक परिणाम निकले थे।

थरूर ने कहा था कि मेरी राय में कुछ अच्छा हुआ है और मैं एक भारतीय के रूप में इसकी सराहना करता हूं। हमें हमेशा केवल पार्टी हित को देखते हुए ही नहीं बोलना चाहिए। मैं किसी पार्टी का प्रवक्ता नहीं हूं। उन्होंने कहा, अगर मैं हमेशा (सरकार की) तारीफ करता हूं तो कोई मुझे गंभीरता से नहीं लेगा और अगर मैं हमेशा आलोचना करता हूं, तो भी कोई मुझे गंभीरता से नहीं लेगा। उन्होंने सियासी दलों की एक–दूसरे की आलोचना करने की प्रवृत्ति की आलोचना की। उन्होंने कहा, असली समस्या तब पैदा होती है, जब विपक्ष यह मानता है कि सरकार जो भी करती है, वह गलत है और जब सरकार यह मानती है कि विपक्ष जो कुछ भी कहता है, वह गलत है।

हालांकि, उनके इन बयानों पर कांग्रेस के भीतर ही विवाद की स्थिति रही। केरल कांग्रेस ने अपने मुखपत्र वीक्षणम डेली के जरिए थरूर को घेरा और उनके एलडीएफ की आर्थिक नीतियों और पीएम मोदी के अमेरिका दौरे की तारीफ के लिए उन्हें खरी–खरी सुनाई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने इसे थरूर का व्यक्तिगत बयान करार दिया और कहा...

केस–3ः केरल कांग्रेस में बदलाव की मांग, कद्दावर नेता की कमी का मुद्दा उठाया

थरूर यहीं नहीं रुके। 18 फरवरी को राहुल गांधी से मुलाकात के बाद उन्होंने कांग्रेस से केरल में अपने आधार का विस्तार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नए मतदाताओं को पार्टी की ओर आकर्षित करने के लिए काम करने को कहा। उन्होंने पार्टी की राज्य इकाई से नेताओं की अनुपस्थिति का भी जिक्र किया। 67 साल के कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अन्य कांग्रेस नेताओं ने उनके इस विचार का समर्थन किया कि पार्टी की केरल इकाई में किसी कद्दावर और प्रभावी नेता की कमी है।

थरूर ने स्वतंत्र संगठनों की ओर से किए गए सर्वे का हवाला दिया, जिसमें दिखाया गया कि राज्य में नेतृत्व की स्थिति में वे दूसरों से आगे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस ने अपने आधार का विस्तार नहीं किया तो वह केरल में लगातार तीसरी बार विपक्ष में बैठेगी।

बताया जाता है कि कांग्रेस के कई नेताओं ने थरूर के इन बयानों को लेकर नाराजगी जाहिर की। हालांकि, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने कहा कि वह थरूर की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहते। उन्होंने कहा, 'मैं समझता हूं कि उन्होंने राहुल गांधी से मिलने से पहले इंटरव्यू दिया था। मैं इस पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। हम इसे लेकर कोई विवाद नहीं खड़ा करना चाहते।

केस–4ः थरूर ने इशारों–इशारों में की पार्टी में किनारे किए जाने की बात?

थरूर ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में कांग्रेस की तरफ से अपने ऊपर किए गए वार को लेकर नाराजगी जताते हुए पलटवार किया। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह कांग्रेस पार्टी के लिए उपलब्ध हैं लेकिन अगर पार्टी को उनकी सेवाओं की जरूरत नहीं है तो उनके पास विकल्प मौजूद हैं। हालांकि, उन्होंने पार्टी बदलने की अफवाहों का खंडन किया।

इससे पहले शनिवार (22 फरवरी) को शशि थरूर ने इंग्लिश कवि थॉमस ग्रे की कविता 'ओड ऑन ए डिस्टेंट प्रॉस्पेक्ट ऑफ ईटन कॉलेज' का एक उद्धरण एक्स पर साझा किया था। इसमें लिखा था, 'जहां अज्ञानता आनंद है, वहां बुद्धिमान होना मूर्खता है।' उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया था, 'आज का विचार।'

केस–5ः केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ सेल्फी पोस्ट की

शशि थरूर ने मंगलवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन के व्यापार एवं व्यापार राज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ एक सेल्फी पोस्ट की और कहा कि लंबे समय से रुकी हुई भारत–ब्रिटेन एफटीए वार्ता का पुनरुद्धार स्वागत योग्य है। शशि थरूर की पोस्ट ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। दरअसल, थरूर और कांग्रेस के बीच तनाव को देखते हुए भाजपा के नेताओं ने भी कुछ पोस्ट किए हैं। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा है कि गांधी परिवार की ओर से नामित मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के बाद शशि थरूर का कांग्रेस में 'हाशिए पर जाना' अपरिहार्य था।

कांग्रेस के ढांचे में सुधार की मांग करने वाले जी–23 समूह का भी रहे थे हिस्सा

शशि थरूर कांग्रेस के उन वरिष्ठ नेताओं में भी शामिल रहे थे, जिन्होंने अगस्त 2020 कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखकर पार्टी में ढाचांगत बदलाव की मांग की थी। 23 सदस्यों वाले इस समूह को तब जी–23 नाम दिया गया था। इसने कांग्रेस में आंतरिक चुनाव, साझा नेतृत्व और संगठन में ज्यादा पारदर्शिता की मांग की थी।

आतिशी का दावा, कैग रिपोर्ट में आप की शराब नीति की तारीफ, वापस लेने से हुआ 2000 करोड़ का नुकसान

आतिशी ने कहा कि इस नीति के कारण 2021 से 2025 तक राजस्व में 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर नई नीति को ठीक से लागू किया जाता, तो सिर्फ एक साल में राजस्व 4,108 करोड़ से बढ़कर 8,911 करोड़ हो जाता। यह नई नीति लागू नहीं की गई, इसलिए 2,000 करोड़ रुपये कम राजस्व एकत्र हुआ। इसकी जांच होनी चाहिए कि इसे किसने लागू नहीं होने दिया। इसके लिए तीन लोग जिम्मेदार हैंः दिल्ली एलजी, सीबीआई और ईडी। यह नीति स्पष्ट करती है कि आप सरकार ने पुरानी नीति को हटाकर सही निर्णय लिया है। हमारी मांग है कि इस सीएजी रिपोर्ट के आधार पर दिल्ली के उपराज्यपाल, सीबीआई और ईडी से जांच कराई जाए, एफआईआर दर्ज की जाए और कार्रवाई की जाए।

इंडिया ब्लॉक में दरार! सीपीएम ने मोदी सरकार को फासीवादी मानने से किया इनकार

हम यह नहीं कह रहे हैं कि मोदी सरकार फासीवादी या नव–फासीवादी सरकार है। न ही हम भारतीय राज्य को नव–फासीवादी राज्य के रूप में चित्रित कर रहे हैं।

राजनीतिक प्रस्ताव के मसौदे का बचाव करते हुए सीपीएम के वरिष्ठ नेता एके बालन ने आलोचकों को यह साबित करने की चुनौती दी कि मोदी सरकार स्वभाव से फासीवादी है। बालन ने स्पष्ट किया कि हमारे आकलन में, पार्टी ने कभी भी भाजपा सरकार को फासीवादी शासन नहीं कहा है। हमने कभी नहीं कहा कि फासीवाद आ गया है। एक बार फासीवाद हमारे देश में पहुँच जायेगा तो राजनीतिक ढाँचा बदल जायेगा। सीपीआई और सीपीआई (एमएल) का मानना ??है कि फासीवाद आ गया है।

हालाँकि, फासीवाद विवाद विपक्षी कांग्रेस के लिए काम आया है, जो शशि थरूर विवाद से जूझ रही है। विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने आरोप लगाया कि सीपीएम की नई स्थिति संघ परिवार के निदेशों का पालन करने के उसके फैसले का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी केवल अपने अस्तित्व के लिए नई खोज लेकर आई है। राज्य के पोलित ब्यूरो सदस्यों ने इस तरह का दस्तावेज लाने के पार्टी के फैसले का नेतृत्व किया। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य रमेश चेन्निथला ने आरोप लगाया है कि सीपीएम का मसौदा प्रस्ताव जिसमें कहा गया है कि मोदी सरकार फासीवादी नहीं है, आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा के वोट सुरक्षित करने के लिए एक रणनीतिक कदम है।

सीपीआई ने कहा कि वह मोदी सरकार की फासीवादी लेबलिंग को कम करने की "जल्दबाजी" को नहीं समझ सकती। सीपीआई के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने कहा, "फासीवादी विचारधारा सिखाती है कि राजनीतिक लाभ के लिए धर्म और आस्था का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है और भाजपा सरकार इसे व्यवहार में ला रही है।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान को बड़ी राहत, पुलिस पर हमला मामले में कोर्ट से मिली अग्रिम जमानत

जिससे उन्हें तत्काल हिरासत से राहत मिली। हालांकि, राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया और कानूनी कार्यवाही के तहत उन्हें जांच में शामिल होने के लिए कहा गया है। दिल्ली पुलिस ने खान से पूछताछ करने और यह पता लगाने के लिए उनकी हिरासत मांगी थी कि क्या वह भी कथित हमले के समय घटनास्थल पर मौजूद थे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और गवाहों के बयान भी अदालत के रिकॉर्ड पर रखे।

दिल्ली पुलिस ने 10 फरवरी को हुई घटना के संबंध में ओखला से विधायक खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी और आरोप लगाया था कि उन्होंने भीड़ का नेतृत्व किया और हत्या के प्रयास के एक मामले में आरोपी एवं भगोड़े अपराधी की हिरासत से भागने में मदद की। पुलिस ने कहा कि घटना उस समय हुई जब दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने शबाज खान नामक व्यक्ति को गिरफ्तार करने का प्रयास किया।

हर-हर महादेव, हर-हर गंगे... कड़ी सुरक्षा के बीच नूपुर शर्मा ने महाकुंभ में लगाई आस्था की डुबकी

एक बयान में, भाजपा ने कहा था कि वह "किसी भी विचारधारा के खिलाफ है जो किसी भी संप्रदाय या धर्म का अपमान या अपमान करती है" और कहा कि वह "ऐसे लोगों या दर्शन को बढ़ावा नहीं देती"। इस बीच, बुधवार को महाशिवरात्रि उत्सव से पहले, चल रहे महाकुंभ में भाग लेने के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर पहुंच रहे हैं। ऐतिहासिक भीड़ का गवाह बना यह मेला 26 फरवरी तक चलेगा। त्रिवेणी संगम के ड्रोन दृश्यों में श्रद्धालुओं को पवित्र डुबकी लगाते हुए दिखाया गया, जो इस आयोजन के आध्यात्मिक महत्व को दशार्ता है।

अब तक 62 करोड़ से अधिक श्रद्धालु इसमें शामिल हो चुके हैं, अकेले सोमवार को 1.30 करोड़ से अधिक ने डुबकी लगाई। महाकुंभ के आखिरी दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए बड़े पैमाने पर स्वच्छता और स्वच्छता के प्रयास लागू किए गए हैं। इसने कई स्थानों पर स्वच्छता अभियान में भाग लेने वाले 15,000 स्वच्छता कर्मचारियों के साथ एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। हालाँकि, इस रिकॉर्ड प्रयास के अंतिम परिणाम 27 फरवरी को घोषित होने की उम्मीद है।

लोकसभा में कम हो सकती है तमिलनाडु की सीटें, बेचैन सीएम स्टालिन ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

कैबिनेट बैठक के बाद बोलते हुए, स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि तमिलनाडु की परिवार नियोजन नीतियों के सफल कार्यान्वयन ने अब राज्य को नुकसान में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि यदि जनसंख्या जनगणना के आधार पर परिसीमन लागू किया जाता है, तो तमिलनाडु आठ सांसदों को खो देगा। इससे तमिलनाडु को संसद में प्रतिनिधित्व खोना पड़ेगा। परिसीमन से परे, बैठक तीन–भाषा मुद्दे और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) पर भी चर्चा करेगी। स्टालिन ने केंद्र सरकार पर उन गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया जो एक और भाषा युद्ध को फिर से भड़का सकती हैं, उन्होंने जोर देकर कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) इस तरह के कदमों का विरोध करने के लिए तैयार है।

स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में सवाल उठाया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में, मैं सभी का ध्यान आकर्षित करता हूं कि 2026 की जनगणना के आधार पर लोकसभा परिसीमन प्रक्रिया बेहद खतरनाक है। तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में बहुत अच्छा काम किया है। लेकिन अगर इस कारण संसद में हमारी ताकत कम हो जाएगी, अगर यह हमारी आवाज को दबा सकता है, तो इसे कैसे उचित ठहराया जा सकता है? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तमिलनाडु अपने संसदीय प्रतिनिधित्व पर कोई समझौता नहीं करेगा और एक निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया का आह्वान किया जो संघवादी सिद्धांतों को कायम रखे।

पीडीए पर चर्चा से देश के दलित पिछड़े अल्पसंख्यको का मनोवल बढ़ा है : नीरज मौर्य

एनपीटी ब्यूरो

बरेली ,समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के आह्वान पर पीडीए पंचायत का आयोजन पूरे प्रदेश भर में चलाया जा रहा है। पीडीए पंचायत में महापुरुषों के जीवन व समाजवादी पार्टी की जन नीतियों के बारे में चर्चा की जा रही है। मंगलवार को ग्राम राजपुर कलाँ बाजार(126 आँवला विधानसभा,क्षेत्र) में जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप ने कहा कि भारत में अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया तथा समाज में नई राह दिखाई और आज हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने पीडीए पर चर्चा के कार्यक्रम पूरे प्रदेश में चलवा कर दलित पिछड़े, अल्पसंख्यको का मनोवल बढ़ाने का कार्य किया

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद आँवला नीरज मौर्य ने पीडीए पंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों आदिवासी, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहें हैं।

कार्यक्रम के आयोजन अमित राज सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की जननीतियों से प्रभावित होकर लोकसभा चुनाव में सपा को 37 सीट जिताकर संसद में भेजने का कार्य किया। 2027 विधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार भारी बहुमत से बनाने का काम करेंगे। कार्यक्रम में आए हुए देवतुल्य जनता का अमित राज सिंह ने धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंडित आरके शर्मा पूर्व विधायक, शुभलेश यादव, रवींद्र सिंह, डॉ जीराज सिंह, विधान सभा अध्यक्ष डॉ इंद्रपाल सिंह, जि.प. राजवीर सिंह, चमन सिंह, इंद्रपाल सागर, यशपाल सिंह, बीडी वर्मा, परमाल सिंह एवं सैकड़ों की तादात में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन इंजी. सतेंद्र सिंह यादव ने किया।

महाशिवरात्रि आज, नाथ मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। महाशिवरात्रि पर्व बुधवार को मनाया जाएगा है। इसे लेकर बरेली के नाथ मंदिरों को भव्य रूप से सजाया जा रहा है। भक्त भी भगवान शिव की आराधना की तैयारियों में जुटे हैं। पंडित मुकेश मिश्रा के अनुसार, फाल्गुन कृष्ण पक्ष में चतुर्दशी व्यापिनी रात्रि में महाशिवरात्रि मनाई जाती है। इस बार चतुर्दशी तिथि का आरंभ बुधवार पूर्वाह्न 11:07 बजे से हो रहा है और यह बृहस्पतिवार को सुबह 8:54 बजे तक रहेगी।

महाशिवरात्रि की पूजा निशीथ काल में की जाती है। इस बार महाशिवरात्रि पर

बुधादित्य योग, मालव्य राजयोग व त्रिग्रही योग बन रहे हैं। धन के दाता शुक्र अपनी उच्च राशि मीन में रहेंगे। इन सुयोगों में शिवार्चन से भक्तों के सभी मनोरथ पूर्ण होंगे।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महाशिवरात्रि पर ही भगवान शिव और देवी पार्वती का विवाह हुआ था। शिव पुराण के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव सबसे पहले शिवलिंग स्वरूप में प्रकट हुए थे।

सद्दाम और लल्ला गद्दी पर बड़ी कार्रवाई, 5.29 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

एनपीटी ब्यूरो

बरेली । माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ के साले अब्दुल समद उर्फ सद्दाम और उसके सहयोगी मोहम्मद रजा उर्फ लल्ला गद्दी की संपत्ति मंगलवार को कुर्क कर दी गई। सोमवार को ही दोनों को कुर्की का नोटिस तामील करा दिया गया था। मंगलवार दोपहर पुलिस प्रशासन की टीम हरुनगला पहुंची। यहां दोनों आरोपियों की 5.29 करोड़ रुपये की संपत्ति पर कब्जा कर लिया गया।

जिला मजिस्ट्रेट रविंद्र कुमार ने बताया कि 15 दिन में संपत्ति कुर्क करने का आदेश एसडीएम सदर को दिया था। सद्दाम बदायूं जेल में बंद है। लल्ला गद्दी हाल में जमानत पर जेल से बाहर आया है। सदर तहसील की टीम ने बदायूं जेल में संपर्क कर नोटिस तामील कराया। जारी आदेश के अनुसार सद्दाम व लल्ला गद्दी की हरूनगला स्थित भूमि गाटा संख्या 530 व 531 रकबा 1.580 हेक्टेयर में से 1/10 भाग करीब तीन बीघा भूमि को गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 की धारा (14) 1 के तहत राज्य सरकार के पक्ष में कुर्क किया गया। इसकी अनुमानित कीमत 5,29,44,360 रुपये है। एसएसपी की रिपोर्ट पर डीएम ने कुर्की का आदेश दिया था।

टीकाकरण कराने में जिला पंचायत के सदस्य करेंगे सहयोग टीकाकरण से वंचित बच्चों को कराएं प्रतिरक्षित

बरेली ,स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान तथा सहयोगी संस्था एडरा इंडिया के सहयोग से मंगलवार को विकास भवन के सभागार में जिला पंचायत सदस्यों के लिए नियमित टीकाकरण विषय पर उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित हुयी । इस अवसर पर उपस्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि शून्य से पांच साल तक की आयु के बच्चों को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाने और प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने के लिए यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम चलाया जा रहा हैं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन ने कहा कि बच्चों के टीकाकरण के लिए शुरूआत के दो साल सबसे ज्यादा जरूरी होता है और जिन बच्चों में जन्म से लेकर दो साल तक की आयु के बच्चों में प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, जिसकी वजह से वह वायरस या बैक्टीरिया के सम्पर्क में जल्दी आते हैं और बीमार पड़ते हैं। बच्चों का टीकाकरण करवाना इसलिए जरूरी होता है।

हैलो किड्ज स्कूल ने मनाया अपना वार्षिकोत्सव

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली।द हैलो किड्ज स्कूल ने अपना वार्षिकोत्सव बड़ी ही धूमधाम और बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया। यह कार्यक्रम मुक्त धारा ऑडिटोरियम, कनॉट प्लेस में शाम 6 बजे से मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर आरम्भ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा गणेश वंदना से प्रस्तुत की गई। बच्चों ने मंच पर अखंड राष्ट्र की एकता की झलक प्रस्तुत की। जिसमें विभिन्न प्रांतों की भाषाओं, शैलियों के नृत्य प्रस्तुत किए गए। क्या उत्तर भारत के पंजाब का नृत्य और क्या दक्षिण भारतीय नृत्य पर बच्चो ने पारंगत और प्रवीणता से परिपूर्ण प्रस्तुति दी।

उपस्थित जन समूह ने मंत्र मुग्ध हो कर बच्चों की बाल सुलभ नटखट अदाओं से भरपूर प्रस्तुतियों पर जम कर तालियां बजाई। बच्चों के द्वारा गीत संगीत नृत्य के लाजवाब शानदार मनमोहक कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया। विजेता बच्चों को प्रोत्साहन हेतु पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर प्रिंसिपल रुबीना खान ने अपने स्टाफ एवं स्कूल की तरफ से कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का पेरेंट्स का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया।

रोटरी क्लब ऑफ बरेली ने सदस्यों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया

एलटीटी ब्यूरो

बरेली।रोटरी क्लब ऑफ बरेली ग्रेस में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3110 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो नीरव निमेष अग्रवाल जी द्वारा आधिकारिक भ्रमण किया तथा क्लब की गतिविधियों का जायजा लिया एवं उन्होने क्लब द्वारा किए गए कार्यों की सरहाना की। सभी सदस्यों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में चीफ डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी बरेली जोन सीए विनय कृष्ण, अध्यक्ष निधि अग्रवाल, सेक्रेटरी मेघा कृष्ण,ट्रैजरार अकांशा गोस्वामी,रिचा अग्रवाल रिचा मेहरोत्रा पल्लवी गोयल नितिका कपूर राखी मनोहर स्वाति गुप्ता नेहा रस्तोगी नीतू अग्रवाल सतरूपा सिंह आदि मौजूद रहीं।

नेताजी पर अमर्यादित टिप्पणी को लेकर सपा मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड ने राष्ट्रपति के नाम लिखा पत्र डीएम को सौंपा

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। जिलाधिकारी को ज्ञापन देते हुए बताया है कि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा श्रद्धेय नेताजी के बारे में अमर्यादित टिप्पणी करने पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड का कार्यकर्ता काफी आक्रोशित हैं ।

नेताजी के विचारों ने हमेशा देश की एकता अखंडता भाईचारे को मजबूत किया है। एजाज अहमद ने यह मांग की है कि जिस सदन में नेता जी पर गलत भाषा का

प्रयोग किया है उसी सदन माफी मांगना पड़ेगी।

एजाज अहमद से बात करने पर उन्हें बताया कि नेताजी हमारे दिलों में रहते हैं नेता जी हमारे लिए एक विचार धारा है हम नौजवान उनके सम्मान में खून का एक-एक खतरा बहाने को तैयार हैं। महासचिव संदीप मौर्य ने कहा कि नेताजी के सम्मान के लिए हम लोग किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

ज्ञापन देने वालों में से जिला अध्यक्ष एजाज अहमद संदीप मौर्य महासचिव,संजीव कश्यप,हिमांशु राज,रेहान खान, शरीक जावेद रजा संभावित प्रत्याशी जिलापंचायत,गौरव यादव, गोविंदा यादव, आकिब साहिल मोहित, सौरव यादव ,शाहिद मिर्जा,नाजिम खान,कैफ समेत सैकड़ो यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कश्मीर चिंता के तहत रेड ड्रॉप (रक्त दाताओं की इकाई) ने जीएमसी बारामूला के सहयोग से सफल रक्तदान शिविर का आयोजन किया

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लैंगेट। पंजीकृत एनजीओ कश्मीर कंसर्न के तहत रक्त दाताओं की एक इकाई रेड ड्रॉप ने आज उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) लंगेट में एक बेहद सफल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह कार्यक्रम सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) बारामूला के सहयोग से आयोजित किया गया था और इसमें कई गणमान्य व्यक्तियों, स्वयंसेवकों और दानदाताओं की भागीदारी देखी गई।

शिविर में तहसीलदार लंगेट, तहसीलदार कार्लकुंड, सीएमओ कुपवाड़ा, डीडीसी मारवाड़, एसडीपीओ लंगेट, डीओ लंगेट और अन्य सम्मानित अधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने इस नेक काम और सामुदायिक प्रभाव के लिए इस पहल की सराहना की।

RED DROP के अध्यक्ष डॉ. तौसीफ अहमद ने सभी प्रतिभागियों और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने रेड ड्रॉप की अध्यक्ष बिल्कीस आरा के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला और उन्हें कश्मीर में महिलाओं के रक्तदान का प्रतीक बताया। डॉ.

अहमद ने महिला दानदाताओं को प्रोत्साहित करने के उनके प्रयासों की सराहना की, जिनमें से कई ने शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कैसर कावा और अन्य समर्पित स्वयंसेवकों के साथ ₹जम्मू और कश्मीर के रक्त पुरुष₹ के रूप में प्रसिद्ध शब्बीर हुसैन खान ने शिविर के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अथक प्रयास और उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्धता ने इस आयोजन को शानदार सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिविर में जबरदस्त प्रतिक्रिया देखी गई, जिसमें 70 पिंट से अधिक रक्त दान किया गया। यह योगदान क्षेत्र में रक्त की गंभीर आवश्यकता को पूरा करने और अनगिनत जिंदगियों को बचाने में काफी मदद करेगा।

रेड ड्रॉप और कश्मीर कंसर्न जीएमसी बारामूला, एसडीएच लंगेट और सभी स्वयंसेवकों, दानदाताओं और अधिकारियों को हार्दिक धन्यवाद देते हैं जिन्होंने इस आयोजन को संभव बनाया। संगठन भविष्य में ऐसी जीवन-रक्षक पहल आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और समुदाय से इन नेक कार्यों का समर्थन जारी रखने का आग्रह करते हैं।

एमआईईटी कुमाऊं में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न,शोधार्थियों को किया सम्मानित

सफलता के लिए संघर्ष और त्याग आवश्यक: डॉ. यशपाल सिंह मलिक

हल्द्वानी। लामाचौड़ स्थित एमआईईटी कुमाऊं कॉलेज में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन किया गया। सम्मेलन में सतत विकास के लिए कृषि विज्ञान, स्टैम और स्वास्थ्य में उभरते रुझान विषय पर कुल 307 शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। दूसरे दिन रसायन विज्ञान,लाइफ साइंस,इनोवेशन, स्वास्थ्य देखभाल, नवाचार,स्वास्थ्य विज्ञान के शोधकताओं ने 124 शोध पत्रों पर चर्चा की। इस दौरान कॉलेज के प्रबंधन,कंप्यूटर एप्लीकेशन,नर्सिंग और पैरामेडिकल के स्नातक छात्रों ने शोध पोस्टर प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं एवं उनके समाधान पर पोस्टर प्रस्तुत किये।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान,नैनीताल के संयुक्त निदेशक डॉ यशपाल सिंह मलिक, उत्तराखंड सरकार के रेशम उत्पादन विकास विभाग के उप निदेशक कुमाऊं मंडल हेम चंद्र और प्रबंध निदेशक एमआईईटी कुमाऊं डॉ बी.एस बिष्ट ने शोधार्थियों को प्रमाण पत्र एवं सम्मान चिन्ह प्रदान किये।

इस दौरान विभिन्न शोध पत्रों में से सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्रदान किए गए। कृषि श्रेणी में उमा पंत, गणित में राधा जोशी और निर्मल नियोलियों, इंजीनियरिंग में डॉ. योगेश

बी और तरन्नुम, नवाचार में अनुप्रिया शर्मा, रसायन विज्ञान में सोनी जोशी और शिवा विश्वास, स्वास्थ्य देखभाल में डॉ लता आर्या और अभीत बघेल, जीव विज्ञान में दीपा बिष्ट, डॉ. दीप्ति नेगी, डॉ. सी. एस. बोरा, तथा भौतिकी में श्रद्धा भगत को यह सम्मान प्रदान किया गया।

रिसर्च पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मैनेजमेंट श्रेणी के दिव्यांश गुप्ता और ललित को प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत 2 हजार 600 रुपए का नगद पुरस्कार दिया गया। द्वितीय स्थान पर कंप्यूटर एप्लीकेशन श्रेणी के अभिषेक खत्री, कुणाल भट्ट और महेंद्र मेहता को सम्मानित किया गया, जिन्हें 1 हजार 500 रुपए का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। तृतीय स्थान पर पैरामेडिकल श्रेणी के असनिया, प्रियांशी और दिव्या को चुना गया, जिन्हें 1 हजार का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, सांत्वना पुरस्कार के रूप में नरसिंह से आंचल, स्तुति, अमीषा और अभीदेश, पैरामेडिकल से के. करन, बीसीए से रिया मेहरा, तथा बीबीए से हिमानी और दिव्यांशु को 500 रुपए के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. यशपाल सिंह मलिक ने छात्रों को वैज्ञानिक सम्मेलनों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मंचों से छात्रों को विभिन्न वैज्ञानिक दृष्टिकोणों को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को निरंतर परिश्रम करने और अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए संघर्ष और त्याग आवश्यक हैं, और विज्ञान को जीवन से जोड़ते हुए अधिक से अधिक अनुसंधान करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि हेमचंद्र ने छात्र-छात्राओं को फिटनेस एवं व्यक्तित्व विकास के प्रति जागरूक किया। उन्होंने रेशम विभाग द्वारा निर्मित पेंटिंग्स प्रदर्शित कीं और छात्रों को स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद करने का अवसर प्रदान किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि रेशम का विकास, महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक है। इससे न केवल आर्थिक समृद्धि बढ़ती है, बल्कि समाज में महिलाओं की आत्मनिर्भरता भी सुनिश्चित होती है।

एमआईईटी कुमाऊं के प्रबंध निदेशक डॉ. बी. एस. बिष्ट ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) के सहयोग से आयोजित किया गया। सम्मेलन में कृषि, जीवन विज्ञान, रसायन विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी से जुड़े शोधकताओं ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। सम्मेलन में 35 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर एमआईईटी के कार्यकारी निदेशक डॉ. तरुण कुमार सक्सेना, एसीआईसी देवभूमि फाउंडेशन के सीईओ डॉ. कमल रावत, मीडिया हेड अजय चौधरी, अखिल गौतम, मनोज अग्रवाल, तुषार ठाकुर, सह-समन्वयक वात्सल्य शर्मा, सोनम भंडारी, चरनजीत सिंह, नेहा रौतेला, प्रिंसिपल नर्सिंग उषा पॉल, प्रिंसिपल शेफाली, हेमा नेगी, तारादत्त तिवारी, विमला, आकांशा और ललिता का विशेष सहयोग रहा।

संपादकीय

रॉक गार्डन पर अदूरदर्शितापूर्ण फैसला

कला के संरक्षण के लिये नीति-नियंताओं से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। बहुत संभव है कि यह संरक्षण दैनिक जीवन में किसी तरह की विसंगति पैदा करे, लेकिन भावी पीढ़ियों को अतीत के कला सौंदर्य से रूबरू कराना हर समाज का दायित्व होता है। कला संरक्षण की प्रासंगिकता का प्रश्न पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद फिर सामने उत्पन्न हुआ है, जिसमें सड़क को चौड़ा करने तथा पार्किंग के विस्तार के लिये रॉक गार्डन की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रकरण विरासत के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच संतुलन को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। निस्संदेह, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित निर्णय न केवल रॉक गार्डन के निमार्ता नेक चंद की कलात्मक विरासत के एक हिस्से को मिटा देता है, बल्कि एक परेशान करने वाली मिसाल भी स्थापित करता है। जो बताता है कि कि नया भारत विकास के नाम पर अपनी सांस्कृतिक व वन विरासत के साथ कैसा व्यवहार करता है। निस्संदेह, इस तथ्य को लेकर दो राय नहीं हो सकती है कि रॉक गार्डन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को एक विशिष्ट पहचान दी है। नेकचंद की इस विरासत ने दुनिया को बेकार और अनुपयोगी चीजों को नया स्वरूप देने की एक नई दृष्टि प्रदान की है। दशकों से रॉक गार्डन रचनात्मक मानवीय कला दृष्टि के प्रमाण के रूप में खड़ा है कि कैसे सकारात्मक सोच के साथ कचरे को आश्चर्यजनक कृति में तब्दील किया जा सकता है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि नेकचंद की इस अद्भुत कला से प्रेरित होकर देश-दुनिया के विभिन्न भागों में रॉक गार्डन की प्रतिकृति बनाने की भी प्रेरणा भी मिली। नेकचंद के जाने के बाद भी रॉक गार्डन कलात्मकता के एक जीवंत प्रमाण के रूप में विद्यमान है। ऐसे में समाज व प्रशासन का नैतिक दायित्व बनता है कि इस सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण किया जाए। यही वजह है कि सिटी ब्यूटीफुल के तमाम जिम्मेदार, सजग व संभ्रांत लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिये आगे आए हैं। यह विडंबना कही जाएगी हम अपनी समृद्ध और कलात्मक विरासत के एक हिस्से को सड़क निर्माण और प्रदूषण बढ़ाने वाले वाहनों के उपयोग के लिये बनायी जा रही पार्किंग के लिये खो देंगे। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि ध्वस्त की गई दीवार रॉक गार्डन में नेक चंद द्वारा बनायी गई मूल संरचना का हिस्सा नहीं थी। दीवार को ध्वस्त करने पर बचाव के लिये दिए जाने वाले तर्क तर्कशीलता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। यदि यह तर्क स्वीकार भी कर लिया जाता है तो भविष्य में इस दलील के आधार पर इसके अन्य हिस्सों के अस्तित्व पर संकट मंडरा सकता है। निस्संदेह, किसी संरचना या सांस्कृतिक प्रतीक के महत्व को उसके ढांचे के रूप में नहीं बल्कि उसके साथ लोगों के सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव के रूप में देखा जाना चाहिए। वास्तव में इस दीवार को तोड़ने के लिये दी जा रही दलीलों की तार्किकता कई स्तरों पर त्रुटिपूर्ण ही है। सबसे पहले, उच्च न्यायालय परिसर के आसपास यातायात की जो भीड़ उत्पन्न होती है, वह खराब प्रबंधन की देन है। इसमें रॉक गार्डन की संरचना की उपस्थिति की कोई भूमिका नहीं है। सही मायनों में बेहतर सार्वजनिक परिवहन और शटल सेवाओं जैसे टिकाऊ विकल्पों की अनदेखी की गई है। इसके साथ उच्च न्यायालय द्वारा केस सूचियों के व्यवस्थित पुनर्गठन से भी यातायात संबंधी चिंताओं को दूर करते हुए अदालत परिसर में दैनिक उपस्थिति को कम किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन द्वारा दीवार को दूसरी जगह बनवाने और फिर पेड़ लगाने का वायदा पारिस्थितिकीय तंत्र के अपरिवर्तनीय नुकसान की भरपाई नहीं करता है। चंडीगढ़ की प्रसिद्ध पेड़ों की विरासत पहले ही अपनी आभा खोती जा रही है। ऐसे में सदियों पुराने पेड़ों को हटाना इसके पारिस्थितिकीय संतुलन के मद्देनजर एक आत्मघाती कदम ही हो सकता है। निस्संदेह, अदालतों को न्याय का संरक्षक माना जाता है। यदि वे सार्वजनिक विरासत और पर्यावरण की रक्षा नहीं करेंगी तो कौन करेगा?

उनकी भी सोचें जिनसे किसी ने हमदर्दी नहीं जतायी

अगला दशक व्यर्थ गया, जिसमें रोजाना बेगुनाहों की हत्याएं होती रहीं। हमारे उत्तर-पश्चिमी पड़ोसी ने स्थिति का जमकर फायदा उठाया, चरमपंथ और आतंकवादी आंदोलन की आड़ में छद्म युद्ध चला दिया। पंजाब को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। पाकिस्तान 1948, 1965 और 1971 में बड़ी लड़ाइयां हार चुका था,वह बदला लेने की ताक में था और यह मौका हमने तश्तरी में रखकर दे दिया (1965 में भी पंजाब ने ही युद्ध का खमियाजा भुगता, क्योंकि ज्यादातर लड़ाई यहीं तक सीमित रही)। पंजाब में हालात फिर कभी पहले जैसे नहीं रहे और चुनाव होने तक, लगभग एक दशक राष्ट्रपति शासन रहा। जनता की मांग के बावजूद, पंजाब के लिए कोई वित्तीय पैकेज या विशेष विकास कार्यक्रम नहीं दिया गया, ताकि बेगुनाह लोगों के दशकों झेले आघातों की भरपाई हो पाती।

पंजाब से युवाओं के पश्चिमी देशों की ओर पलायन की कई लहर चलीं। बेहतर भविष्य की तलाश में वे विदेश गये क्योंकि यहां रोजगार के माकूल अवसर नहीं। ऐसे में वैध-अवैध पलायन जारी रहा। अमेरिका का इन लोगों को बेड़ियों में जकड़ना कुछ ज्यादा ही आसान रहा लेकिन देश में विदेशी मुद्रा लाने वाले इन अप्रवासियों का अपमानजनक निर्वासन और उस पर देश में कोई प्रतिक्रिया व्यक्त न करना चिंताजनक है।

पंजाब– पांच दरियाओं की धरती,यूनानी जिसे पेंटापोटामिया (इसका अर्थ भी वही है) पुकारते थे। वह धरा जो प्राचीन काल में सिंधु घाटी सभ्यता, ऋग्वेद और महाभारत की रही। इसी भूमि पर सिकंदर ने झेलम के तट पर पोरस से युद्ध किया, बाबर ने इब्राहिम लोदी से युद्ध किया, एंग्लो-सिख युद्ध यहीं लड़े गए झ पंजाब जैसी भूमि के उदाहरण कम ही हैं, जिसने सदियों तक आक्रमण, तबाही और लूटपाट झेली हो।

हम शुरूआत करते हैं 1947 के बाद से, यानी वह घड़ी जो एक शानदार युग की सुबह होने वाली थी। यह प्रभात शेष भारत में खुशी और धूप की तरह खिली, सिवाय पंजाब और बंगाल सूबों के। जो विभाजन हुआ, वह काफी हद तक पंजाब और बंगाल का था। अंग्रेजों द्वारा खींची गई और कांग्रेस नेतृत्व , गांधी और जिन्ना द्वारा स्वीकार की गई एक काल्पनिक रेखा ने पंजाब को बांट दिया। यह पंजाब के शरीर और आत्मा के टुकड़े करना था। इसने अपने पीछे हत्या, बलात्कार और तबाही की सुनामी छोड़ी। ऐसा रक्तपात पहले कभी नहीं हुआ और संभवतः इतिहास का विशालतम जबरन पलायन।

यह बड़ी उथल-पुथल कदाचित 1950 के दशक के शुरू में पश्चिमी दुनिया की ओर शुरू पलायन की पहली लहर के अंतर्निहित मुख्य कारणों में से एक थी। शुरू में, यह मामूली थी, अधिकांशतः यूके और उसके बाद कनाडा की तरफ। दो विश्व युद्धों में इस इलाके का योगदान बहुत बड़ा था, और लौटकर आए फौजी यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व से कहानियां व अनुभव सुनाते थे। मनुष्य सदा बेहतर जिंदगी तलाशता रहा, और जब घर पर मौके निराशाजनक हों, तो वह बाहर की ओर देखता है।

यहां देश में, पंजाबी जीवट धीरे-धीरे तारी हुई और अच्छे नेतृत्व और प्रशासन की मदद से, हमने बिखरे टुकड़े सहेजे और विभाजन की भयावहता पर काबू पाया और लगभग सामान्य जीवन जीने लगे। कुछ दशकों तक लगा कि हम समृद्धि-शांति की राह पर हैं। परंतु यह मृगतृष्णा साबित हुई और राजनीतिक-प्रशासनिक व्यवस्था में खामियां उभरने लगीं। पहले से बंटे पंजाब में और विभाजन की मांग की गई जो अंततः सफल हुई। अकाली सिख वर्चस्व वाला राज्य चाहते थे, वहीं पहाड़ी लोगों ने अपने लिए सुरक्षित सूबा मांगा, ठीक यही हरियाणा के लोगों ने किया। संयुक्त पंजाब को तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में बांट दिया। चंडीगढ़, जिसे लाहौर के स्थान पर बतौर आधुनिक राजधानी विकसित किया गया था, वह भी जाती रही।

विभाजन से पूर्व के पंजाब सूबे के पांच प्रशासनिक संभाग थे झ जलंधर (अब जालंधर), लाहौर, दिल्ली, मुल्तान और रावलपिंडी। इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में सराहा गया, लेकिन असल में इसने पंजाब के पतन की शुरूआत की क्योंकि लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था और पतनशील नेतृत्व ने अफरातफरी पैदा की। पहाड़ और उनके जंगल व जलीय स्रोत हिमाचल में वहीं राष्ट्रीय राजधानी की निकटता, इसके फायदे और यमुना किनारे की भूमि हरियाणा में चले गए। इस क्षेत्र का नाम बदलकर अब ह्वलघु आबह्व कर दिया जाना चाहिए क्योंकि यह अब ह्वपंज-आबह्व कहलवाने लायक नहीं रहा। अधिकांश विकास सूंचकाकों में ये तीनों राज्य फिसड्डियों में आते हैं। लोकतंत्र में वोट संख्या का महत्व होता है, जाहिर है संसद में 80 सीटों वाले राज्य की आवाज और उपस्थिति 10 या 13 सीटों वाले राज्य की तुलना में कहीं ज्यादा है।

धीरे-धीरे युवाओं का कट्टरपंथीकरण होता गया और धर्म के नाम पर हिंसक आंदोलन के नये नारे देने वाला उग्रवादी नेतृत्व उभरा। इसके पीछे कई किस्म के नेताओं के हाथ-दिमाग थे, हालात बनते गए और हिंसा बढ़ती गई, उधर शासन की शक्ति बढ़ती गई। यह सब ऑपरेशन ब्लू स्टार त्रासदी और इंदिरा गांधी की हत्या का कारण बना, जिसके बाद भारत भर में सिखों का कत्लेआम हुआ व समय रहते उस पर अंकुश नहीं लगाया।

अगला दशक व्यर्थ गया, जिसमें रोजाना बेगुनाहों की हत्याएं होती रहीं। हमारे उत्तर-पश्चिमी पड़ोसी ने स्थिति का जमकर फायदा उठाया, चरमपंथ और आतंकवादी आंदोलन की आड़ में छद्म युद्ध चला दिया। पंजाब को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। पाकिस्तान 1948, 1965 और 1971 में बड़ी लड़ाइयां हार चुका था,वह बदला लेने की ताक में था और यह मौका हमने तश्तरी में रखकर दे दिया (1965 में भी पंजाब ने ही युद्ध का खमियाजा भुगता, क्योंकि ज्यादातर लड़ाई यहीं तक सीमित रही)। पंजाब में हालात फिर कभी पहले जैसे नहीं रहे और चुनाव होने तक, लगभग एक दशक राष्ट्रपति शासन रहा।

जनता की मांग के बावजूद, पंजाब के लिए कोई वित्तीय पैकेज या विशेष विकास कार्यक्रम नहीं दिया गया, ताकि बेगुनाह लोगों के दशकों झेले आघातों की भरपाई हो पाती। सनद रहे कि दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वी तटों वाले प्रायद्वीप के विपरीत, पंजाब गैर-समुद्र तटीय राज्य है, व्यापार की एकमात्र राह उत्तर-पश्चिम और मध्य एशिया की तरफ खुलती है। किंतु यह रास्ता भी बंद हो गया और खोलने की अपीलें अनसुनी रहीं। इस घटनाक्रम ने 1980 के दशक में पलायन की दूसरी और ज्यादा बड़ी लहर को जन्म दिया। राहत और रोजगार पाने की आस में पश्चिमी देशों का रुख किया।

फिलहाल, तीसरी लहर जारी है क्योंकि युवा शिक्षा और रोजगार के लिए बेहतर मुल्कों में भविष्य देख रहे हैं। मैं इसे तीसरी लहर कहता हूं क्योंकि इसमें अब वे युवा शामिल हैं जिन्हें विरासत में कर्ज में डूबा राज्य मिला (पंजाब पर लगभग 4 लाख करोड़ रुपये का ऋण है) और उसके पास अवसर या उन्हें बनाने वाली शिक्षा नदारद है। इंटरनेट जागरूकता लाया, और आगे आकांक्षा को जगाया है। युवा पश्चिमी दुनिया का जीवन और सुख पाना चाहते हैं। उन्हें यहां यह सब नहीं मिलता और न ही इसे बनाने के साधन और माहौल हैं। पंजाब से लोग वैध-अवैध पलायन कर रहे हैं। राजनेता, पुलिस और ट्रैवल एजेंटों का गठजोड़ खुलेआम चल रहा है,ढेरों पैसे दिए जा रहे हैं। इसके लिए जमीन बेची जाती हैं, कर्ज लिए जाते हैं और रिश्तेदारों से रकम जुटाते हैं। अंग्रेजी सिखाने वाले कोचिंग सेंटर खुले, वहां भी पैसे ऐंठे गए। यह सब खुलेआम चलता रहा व गांवों, कस्बों और सत्ता के गलियारों में, इसे आम बात मान लिया गया। किंतु, पंजाब की इस लूट को रोकने को कोई कदम नहीं उठाया गया।

अब, अमेरिका के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर सफाया शुरू हो गया। उन्होंने अवैध अप्रवासियों को इतने अपमानजनक तरीके से निर्वासित करना शुरू किया कि कोई भी स्वाभिमानी देश इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। अप्रवासियों को जकड़कर सैन्य विमानों में लाया जा रहा है, हाथ-पैर जंजीरों में बंधे होते हैं और बिना पगड़ी के भेजे जा रहे हैं। स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी का गुमान करने वाले देश का लोगों को बेड़ियों में जकड़ना कुछ ज्यादा ही आसान रहा। अमेरिकी स्वतंत्रता की सैद्धांतिक घोषणा- ह्वहम इन सत्यों को स्वयंसिद्ध मानते हैं, कि सभी मनुष्य समान बने हैं, कि उन्हें उनके निमार्ता द्वारा कुछ अविभाज्य अधिकार दिए गए हैं, जिनमें जीवन, आजादी और खुशी की खोज शामिल हैह्न, का अब क्या औचित्य रहा।

जहां तक मैं जानता हूं, वापस आए लोगों के वास्ते कोई पुनर्वास समिति नहीं है। कोई विरोध दर्ज नहीं किया , कोई एतराज नहीं जताया गया। वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम द्वारा उपलब्ध कराए आंकड़ों के अनुसार, भारत विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता है झ सालाना 100 बिलियन डॉलर से अधिक। ये लगभग 9 लाख करोड़ रुपये बनते हैं, जबकि 2023-24 में सकल जीएसटी संग्रहण लगभग 20 लाख करोड़ रुपये था। यकीनन, शासन से अप्रवासी कुछ तो सम्मान और परवाह पाने के पात्र हैं। अन्यथा, हम केवल उम्मीद पाल सकते हैं कि लड़ाकू चरमपंथी विचार और बेरोजगार युवाओं के विषाक्त मिश्रण वाला माहौल फिर पैदा न हो।

महाशिवरात्रि- 26 फरवरी 2025 पर विशेष

शिवरात्रि है शिव से साक्षात्कार का महापर्व

आदि देव महादेव शिव सभी देवताओं में सर्वोच्च हैं, महानतम हैं, दुःखों को हरने एवं पापों का नाश करने वाले हैं। वे कल्याणकारी हैं तो संहारकर्ता भी हैं। वे आशुतोष है तो भोले शंकर भी है, एक ओर जन-जन के आदर्श है तो दूसरी ओर साधकों के साधक। भगवान शिव भोले भण्डारी है और जग का कल्याण करने वाले हैं। भगवान शिव आदिदेव है, देवों के देव है, महादेव हैं। सत्यं शिवं सुन्दरम् के प्रतीक शिव और उनकी रात्रि, जन-जन के जागरण की महाशिवरात्रि प्रतिवर्ष फाल्गुण मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनायी जाती है, जो शिवत्व का जन्म दिवस है। यह शिव से पार्वती के मिलन की रात्रि का सुअवसर है। इसी दिन निशीथ अर्धरात्रि में शिवलिंग का प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिये यह पुनीत पर्व सम्पूर्ण देश एवं दुनिया में उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाता है। यह पर्व सांस्कृतिक एवं धार्मिक चेतना की ज्योति किरण है, जो शिव से एकाएक होने की चरम साधना का उत्कर्ष है। इससे जीवन एवं जगत में प्रसन्नता, गति, संगति, सौहार्द, ऊर्जा, आत्मशुद्धि एवं नवप्रेरणा का प्रकाश परिव्याप्त होता है। यह पर्व जीवन के श्रेष्ठ एवं मंगलकारी व्रतों, संकल्पों तथा विचारों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

शिवरात्रि जागृति का पर्व है। जिसमें आत्मा का शिव से मिलना होता है। यह आत्म स्वरूप को जानने की रात्रि है। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का दुर्लभ आध्यात्मिक अनुभव है। यह स्वयं के भीतर जाकर अथवा अंतश्चेतना की गहराइयों में उतरकर आत्म साक्षात्कार करने का प्रयोग है। यह आत्मयुद्ध की प्रेरणा है, क्योंकि स्वयं को जीत लेना ही जीवन की सच्ची जीत है, शिवत्व की प्राप्ति है। काल के इस क्षण की सार्थकता शिवमय हो जाने में है। शक्ति माया नहीं है, मिथ्या नहीं है, प्रपंच नहीं है। इसके विपरीत शक्ति सत्य है। जीव और जगत भी सत्य है। सभी तत्वतः सत्य हैं। सभी शिवमय हैं। शिवरात्रि भोगवादी मनोवृत्ति के विरुद्ध एक प्रेरणा है, संयम की, त्याग की, भक्ति की, संतुलन की। सुविधाओं के बीच रहने वालों के लिये सोचने का अवसर है कि वे आवश्यक जरूरतों के साथ जीते हैं या जरूरतों से ज्यादा आवश्यकताओं की मांग करते हैं। इस शिवभक्ति एवं उपवास की यात्रा में हर व्यक्ति में अहंकार नहीं, बल्कि शिशुभाव जागता है। क्रोध नहीं, क्षमा शोभती है। कष्टों में मन का विचलन नहीं, सहने का धैर्य रहता है। यह तपस्या स्वयं के बदलाव की एक प्रक्रिया है। यह प्रदर्शन नहीं, आत्मा के अभ्युदय की प्रेरणा है। इसमें भौतिक परिणाम पाने की महत्वाकांक्षा नहीं, सभी चाहों का संन्यास है।

प्रयागराज में महाकुंभ का समापन महाशिवरात्रि के पवित्र एवं चमत्कारी स्नान के साथ होगा। ग्रहों और नक्षत्रों के विशेष संयोग के चलते इस बार की शिवरात्रि बेहद पुण्यदायक बताई जा रही है। प्रयागराज महाकुंभ में तो इसका महत्व और भी कई गुना बढ़ गया है। महाकुंभ में महाशिवरात्रि पर बेहतर विशेष संयोग बन रहे है। इस बार सूर्य का चुंबकीय प्रभाव

बहुत ही दिव्य है। ऐसा दैवीय संयोग सैकड़ो सालों के बाद बन रहा है। इस बार की महाशिवरात्रि पर चतुर्ग्रहीय योग बन रहा है। इसमें शिवयोग भी शामिल है। महाशिवरात्रि पर शिवयोग बेहद फलदायक और कल्याणकारी होता। महाकुंभ विश्व के सबसे बड़े, प्राचीन और धार्मिक उत्सवों में एक है। शिव शक्ति के प्रतीक ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ काल में हुआ था। शिव पुराण के अनुसार सृष्टि के आरंभ में ब्रह्मा ने इसी दिन रुद्र रूपी शिव को उत्पन्न किया था। शिव एवं हिमालय पुत्री पार्वती का विवाह भी इसी दिन हुआ था। अतः यह शिव एवं शक्ति के पूर्ण समरस होने की रात्रि भी है। वे सृष्टि के सर्जक हैं। वे मनुष्य जीवन के ही नहीं, सृष्टि के निमार्ता, पालनहार एवं पोषक हैं। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई। सृष्टि के कल्याण हेतु जीर्ण-शीर्ण वस्तुओं का विनाश आवश्यक है। इस विनाश में ही निर्माण के बीज छुपे हुए हैं। इसलिये शिव संहारकर्ता के रूप में निर्माण एवं नव-जीवन के प्रेरक भी है। सृष्टि पर जब कभी कोई संकट पड़ा तो उसके समाधान के लिये वे सबसे आगे रहे। जब भी कोई संकट देवताओं एवं असुरों पर पड़ा तो उन्होंने शिव को ही याद किया और शिव ने उनकी रक्षा की। समुद्र-मंथन में देवता और राक्षस दोनों ही लगे हुए थे। सभी अमृत चाहते थे, अमृत मिला भी लेकिन उससे पहले हलाहल विष निकला जिसकी गर्मी, ताप एवं संकट ने सभी को व्याकुल कर दिया एवं संकट में डाल दिया, विष ऐसा की पूरी सृष्टि का नाश कर दें, प्रश्न था कौन ग्रहण करें इस विष को। भोलेनाथ को याद किया गया गया। वे उपस्थित हुए और इस विष को ग्रहण कर सृष्टि के सम्मुख उपस्थित संकट से रक्षा की। उन्होंने इस विष को कंठ तक ही रखा और वे नीलकंठ कहलाये। इसी प्रकार गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिये भोले बाबा ने ही सहयोग किया। क्योंकि गंगा के प्रचंड दबाव और प्रवाह को पृथ्वी कैसे सहन करें, इस समस्या के समाधान के लिये शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को समाहित किया और फिर अनुकूल गति के साथ गंगा का प्रवाह उनकी जटाओं से हुआ। ऐसे अनेक सृष्टि से जुड़े संकट और उसके विकास से जुड़ी घटनाएं हैं जिनके लिये शिव ने अपनी शक्तियों, तप और साधना का प्रयोग करके दुनिया को नव-जीवन प्रदान किया। शिव का अर्थ ही कल्याण है, वही शंकर है, और वही रुद्र भी है। शंकर में शं का अर्थ कल्याण है और कर का अर्थ करने वाला। रुद्र में रु का अर्थ दुःख और द्र का अर्थ हरना- हटाना। इस प्रकार रुद्र का अर्थ हुआ, दुःख को दूर करने वाले अथवा कल्याण करने वाले। भोलेनाथ भाव के भूखे हैं, कोई भी उन्हें सच्ची श्रद्धा, आस्था और प्रेम के पुष्प अर्पित कर अपनी मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना कर सकता है। दिखावे, ढोंग एवं आडम्बर से मुक्त विद्वान-अनपढ़, धनी-निर्धन कोई भी अपनी सुविधा तथा सामर्थ्य से उनकी पूजा और अर्चना कर सकता है। शिव न काठ में रहता है, न पत्थर में, न मिट्टी की मूर्ति में, न मन्दिर की भव्यता में, वे तो भावों में निवास करते हैं। यह पर्व महाकाल शिव की आराधना का महापर्व है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पूजा एवं अभिषेक करने पर उपासक को समस्त तीर्थों के स्नान का फल प्राप्त होता है। शिवरात्रि का व्रत करने वाले इस लोक के समस्त भोगों को भोगकर अंत में शिवलोक में जाते हैं। शिव को बिल्वपत्र, धतूरे के पुष्प तथा प्रसाद में भांग अति प्रिय हैं। लौकिक दृष्टि से दूध, दही, घी, शकर, शहद- इन पाँच अमृतों (पंचामृत) का पूजन में उपयोग करने का विधान है। महामृत्युंजय मंत्र शिव आराधना का महामंत्र है। शिवरात्रि वह समय है जो पारलौकिक, मानसिक एवं भौतिक तीनों प्रकार की व्यथाओं, संतापों, पाशों से मुक्त कर देता है। शिव की रात शरीर, मन और आत्मा को ऐसी शान्ति प्रदान करती है जिससे शिव तत्व की प्राप्ति सम्भव हो पाती है। लौकिक जगत में लिंग का सामान्य अर्थ चिह्न होता है जिससे पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसक लिंग की पहचान होती है। शिव लिंग लौकिक के परे है। इस कारण एक लिंगी है। आत्मा है। शिव संहारक हैं। वे पापों के संहारक हैं। शिव की गोद में पहुंचकर हर व्यक्ति भय-ताप से मुक्त हो जाता है। शिव ने संसार और संन्यास दोनों को जीया है। उन्होंने जीवन को नई और परिपूर्ण शैली दी। पृथ्वी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति की जीवन में आवश्यकता और उपयोगिता का प्रशिक्षण दिया। कला, साहित्य, शिल्प, मनोविज्ञान, विज्ञान, पराविज्ञान और शिक्षा के साथ साधना के मानक निश्चित किए। सबको काम, अर्थ, धर्म, मोक्ष की पुरुषार्थ चतुष्टयी की सार्थकता सिखलाई। वे भारतीय जीवन-दर्शन के पुरोधा हैं। लेकिन हम इतने भोले हैं कि अपने शंकर को नहीं समझ पाए, उनको समझना, जानना एवं आत्मसात करना हमारे लिये स्वाभिमान और आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला अनुभव सिद्ध हो सकता है। मानवीय जीवन के सभी आयाम शिव से ही पूर्णत्व को पाते हैं।

पीएम ने बटन दबाकर जारी की जिले के 2.48 लाख किसानों की सम्मान निधि

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के जरिए पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी की। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय गो अनुसंधान केंद्र में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के 2.48 लाख किसानों के खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से दो-दो हजार रुपये के हिसाब से 49.60 करोड़ रुपये की धनराशि भेजी गई है। कार्यक्रम का भाजपा सांसद हेमा मालिनी, जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह, विवि के कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार मंदान, रालोद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. यशपाल बघेल, रालोद जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप जलाकर शुभारंभ किया। सांसद ने कहा कि जिले के अन्नदाता को पीएम किसान निधि काफी मददगार साबित हो रही है। उप कृषि निदेशक राजीव कुमार ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त का किसानों को बेसब्री से इंतजार था, उनका यह इंतजार आज पूरा हो गया है। जिला उद्यान अधिकारी मनोज चतुर्वेदी, निदेशक प्रसार डॉ. अतुल सक्सेना, कृषि वैज्ञानिक डॉ. वाईके शर्मा, डॉ. बृजमोहन, डॉ. रविंद्र कुमार राजपूत, डॉ. नंदराम राजपूत आदि लोग मौजूद रहे।

जिले में आवासीय कॉलोनी विकसित करेगा प्राधिकरण, बैठक में हुई चर्चा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

हापुड़। हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण की 72 वीं बोर्ड बैठक सोमवार को मेरठ में मंडलायुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में हुई, जिसमें विकास कार्यों के 22 प्रस्तावों पर चर्चा हुई। इस दौरान आनंद विहार आवासीय योजना में अर्द्धनिर्मित 64 एचआईजी और 152 एमआईजी भवनों के निर्माण को लेकर भी अधिकारियों ने चर्चा की गई। जिसमें इन फ्लैटों का निर्माण कार्य पूरा कराने के लिए नए बिल्डर्स का ई निलामी के जरिए चयन करने का प्रस्ताव रखा गया। वहीं, मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण नई प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत हरिपुर आवासीय योजना को विकसित करने जैसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई।

बैठक में डीएम प्रेरणा शर्मा, प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. नितिन गौड़ भी मौजूद रहे। प्राधिकरण के प्रभारी सचिव प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रस्ताव संख्या 15 में आनंद विहार आवासीय योजना में अर्द्धनिर्मित भवन का प्रस्ताव रहा। प्राधिकरण पुराने ठेकेदार को बकाया भुगतान करके नए बिल्डर्स को ई-नीलामी के जरिए काम सौंपेगा। यह बिल्डर फ्लैट का निर्माण करेंगे। इसके अलावा आनंद विहार आवासीय योजना के ब्लॉक-के में भूखंड संख्या जीएच-3 की भूमि व ब्लाक-डी में भूखंड संख्या-ओपी-1 के 6045 वर्ग मीटर क्षेत्रफल को सब डिवाइड किया जाएगा। प्रस्ताव संख्या छह में महायोजना-2031 में जोनल प्लान तैयार करने को लेकर चर्चा हुई, जिसमें जिले को अलग-अलग जोन में बांटकर उनका विकास किस प्रकार से होगा, इसकी रूपरेखा पर बात हुई है। प्रवीण गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को सभी प्रस्तावों को लेकर स्थिति साफ हो सकेगी।

गढ़-ब्रजघाट के लिए एजेंसी होगी नामित

अमृत 2 योजना के अंतर्गत प्राधिकरण की गढ़-ब्रजघाट महायोजना-2031 तैयार करने के लिए एजेंसी को नामित करने का प्रस्ताव रखा गया। जिससे कि हापुड़, धौलाना, पिलखुवा के बाद गढ़-ब्रजघाट के विकास खाका भी प्राधिकरण तैयार कर सकेगा।

औद्योगिक इकाई लगाने के लिए रखे भू-परिवर्तन के प्रस्ताव --

जिले में नई औद्योगिक इकाइयां लग सके। इसके लिए बैठक में सात प्रस्ताव रखे गए, जिसमें से ग्राम दोयमी, ग्राम धनौरा, ग्राम शाहपुर जट्ट, धौलाना के ग्राम परसोन, ग्राम कैली के दो, गढ़ के गांव बांगर के प्रस्ताव शामिल थे। बोर्ड बैठक से प्रस्तावों को स्वीकृति मिलने के बाद इन्हें शासन से स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। भू-परिवर्तन के बाद यह जमीन कृषि से अकृषि हो सकेंगी।

संक्षिप्त समाचार

शिव जयंती के अवसर पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने निकाली शिव रैली

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद।ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वाधान में शिव जयंती के अवसर पर ब्रह्मा कुमारी शाहबाद की ओर से एक रैली का आयोजन किया गया जिसमें सभी नगर वासियों को शिव संदेश दिया गया। जिसमें बताया गया कि शिव ही परमात्मा है तथा शिव का ही जब धरा पर जन्म होता है तो शिव जयंती के रूप में मनाते हैं। रैली बजरंग चौक स्थित सेंटर से शुरू होकर बजरंग चौक, मौहल्ला बरनवाल, रामलीला मैदान, अस्थल मंदिर, कोतवाली, पुराना पोस्ट ऑफिस होती हुई सेंटर पर ही जाकर समाप्त हुई ।जहां लोगों को प्रसाद का वितरण भी कराया गया। रैली में समस्त बीके भाई बहन सम्मिलित हुए, जिसमें सेंटर रिचार्ज बीके प्रीती, बीके मोनिका निधि, बीके अरुण, रवि, अरुण गुप्ता, बेनीराम , चंद्रपाल सिंह , एआरपी अतुल कुमार शिवांकर, ओमप्रकाश, शिखा गुप्ताकल्पना,सोमवती,लक्ष्मी, मोहित पांडेय,गीता देवी, शोभा, गायत्री,सुनीता,सरोज ,प्रेमलता,लीलाधर, मुन्नी देवी,युक्ति,अनीता, मीनाक्षी आदि उपस्थित रहे।

मारपीट के मामले में चार लोगों पर मुकदमा दर्ज

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद,रामपुर।नगर के मोहल्ला हकीमान की रहने वाले मौहम्मद असलम की पत्नी रुखसाना ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि बीती 19 फरवरी को समय करीब रात 9.30 बजे उसका बेटा मौहम्मद अशरफ अपना ई-रिक्शा लेकर आ रहा था तभी विजय,दीपक ,आकाश, अमन उसके बेटे मौहम्मद अशरफ से बोले हमें भी ई-रिक्शा से लेकर चलों इस पर उसके बेटे अशरफ ने बैठाने से मना कर दिया इसी बात पर सभी लोगों ने मोहम्मद अशरफ के साथ गाली गलोच करने लगे जब मोहम्मद अशरफ ने गाली देने से मना किया तो मोहम्मद अशरफ को लाठी-डण्डो से मारना पीटना शुरू कर दिया अमन व दीपक ने ईटो से मोहम्मद अशरफ के सिर में मारा जिससे अशरफ के सिर में काफी चोट आयी है। तथा उक्त लोगो ने जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर उपरोक्त लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की है।

मारपीट व गाली गलौज करने पर दो भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

उत्तर प्रदेश रामपुर सैफनी।। मामला थाना क्षेत्र के चौकोनी गांव से जुड़ा है, पीड़ित पिता भोजराज सिंह निवासी ग्राम चौकोनी ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि सोमवार सुबह 10 बजे उसका बेटा अमन घर के सामने मन्दिर निर्माण के लिए टेक्टर ट्राली में ईंटे भर कर ला रहा था, तभी रास्ते पर रोजगार सेवक सत्यवीर यादव व टैना उर्फ सुरेश यादव निवासी ग्राम चौकोनी ने उसके परिवार को मारने पीटने पर उतारू हो गये व गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे, पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया गया है। सिंह राही ,योगेश भदोरिया एडवोकेट, नरेंद्र कुमार, विक्रम सिंह कश्यप एडवोकेट,शिव वर्धन सिंह चौहान, श्लोक ठाकुर आदि लोग मौजूद थे।

बीएससी की छात्रा को घर में घुसकर जिंदा जलाया....

मैनपुरी - कुरावली में 13 दिसंबर 2017 को बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा को घर में घुसकर जिंदा जलाने की घटना में सोमवार को अदालत से फैसला आया। तीन आरोपियों को एडीजे विशेष पॉक्सो जितेंद्र मिश्रा की कोर्ट से दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। वहीं, एक महिला आरोपी को साक्ष्यों के अभाव में दोष मुक्त कर दिया गया। आरोपियों पर गैंगरेप का भी आरोप था। मगर, वह साक्ष्यों के अभाव में सिद्ध नहीं हो सका। वारदात 13 दिसंबर 2017 की है। बीएससी प्रथम वर्ष की 18 वर्षीय छात्रा शाम को अपने घर में कमरे में टीवी देख रही थी। तभी कस्बा कुरावली के आशीष गुप्ता उर्फ पकौड़ी पुत्र सुनील गुप्ता व सचिन गुप्ता पुत्र राम मिस्टर गुप्ता और पंचम सिंह उर्फ पंछी पुत्र गोविंद सिंह निवासी महाजनान, कुरावली कमरे में घुसे और बोतल से केरोसिन उड़ेलकर छात्रा को जला दिया था। चीख पुकार पर छात्रा के परिजन व गांव वाले जुटे। आनन-फानन में आग बुझाकर जिला अस्पताल ले गए। करीब 40 फीसदी तक झुलसी छात्रा को वहां से मेडिकल कॉलेज सैफई रेफर कर दिया था।

वृंदावन में एक पार्टी के जिलाध्यक्ष पर यौन उत्पीड़न का आरोप

मथुरा। वृंदावन में महाराष्ट्र की रहने वाली एक तलाकशुदा महिला ने एक पार्टी के जिलाध्यक्ष पर यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है। सोमवार को महिला ने कोतवाली पहुंचकर मामले की शिकायत की तो पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। महिला का आरोप है कि वह अपने दो बच्चों के साथ वृंदावन आई थीं। एक कार्यकर्ता ने उनकी मुलाकात जिलाध्यक्ष से करवाई, जिन्होंने उन्हें पार्टी संगठन में कई पदों की जिम्मेदारी भी सौंपी। महिला का आरोप है कि जिलाध्यक्ष ने पहले शादी का झांसा दिया। जब मना किया तो उसकी मांग में सिंदूर भर दिया। नेता ने दो माह तक उनका शारीरिक शोषण किया। अब धोखा देकर छोड़ दिया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

महाकुंभ का अंतिम स्नान आज, लखनऊ से खाली गईं रोडवेज बसें

लखनऊ। महाकुंभ का अंतिम स्नान 26 फरवरी को होना है। अंतिम दिन स्नान के लिए लोगों ने बसों से जाने में रुचि नहीं दिखाई। ट्रेनों में इसकी तुलना में भीड़ रही।

आलमबाग बस स्टेशन पर पहले की तरह भीड़ नहीं है। यहां से प्रयागराज जाने वाले यात्रियों की संख्या में कमी देखी गई। महाकुंभ के लिए मंगलवार को दोपहर 12 बजे तक दर्जनों रोडवेज बसें रवाना हुईं लेकिन, ज्यादातर बसों में सीटें खाली रहीं। बस संचालकों ने बताया कि जितने यात्री नहीं, उससे ज्यादा तो बसें लगा दी गईं हैं।

प्रयागराज महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए बीते सप्ताह राजधानी में रोडवेज बसों की संख्या बढ़ा दी गई। लखनऊ मंडल के अलावा, कानपुर, सीतापुर, गोंडा, लखीमपुर व अन्य जिलों की बसें लखनऊ भेज दिया गया। लेकिन, अब बस स्टेशनों पर सामान्य भीड़ हो रही है। मंगलवार को आलमबाग के साथ ही कैसरबाग, अवध बस स्टेशन का जायजा लिया गया। यहां की स्थिति भी सामान्य रही।

आलमबाग बस स्टेशन रोडवेज संचालकों ने बताया कि महाकुंभ के लिए गोंडा की बसें यहां लगाई गईं हैं, लेकिन एक घंटे से अधिक समय हो गया, बस में आधी सीटें भी नहीं भरी।

यह कैसी मुस्तैदी, खाट पर खर्राटे भरते रहे दरोगा जी

मथुरा। गांव करनावल में दुल्हन और बरातियों की पिटाई के बाद अधिकारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से गांव में पुलिस बल तैनात कर रखा है। शनिवार की सुबह से ही आधा दर्जन पुलिस कर्मी पीड़ित परिवार के घर से कुछ दूरी पर बने मंदिर में डेरा जमाए हैं। गांव पहुंचे एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार ने पुलिस बल को तैनात किया। ताकि पुनः गांव में कोई वारदात न हो। घटना के तीसरे दिन ही पुलिस की मुस्तैदी इतनी सुस्त हो गई कि ड्यूटी पर तैनात एक दरोगा जी मंदिर के एक कोने में पड़ी खाट पर खर्राटे लेते रहे। यह हाल तो तब है जब यहां शिफ्ट में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जा रही है। यदि इन पुलिस कर्मियों को नियमित रूप से यहां तैनात कर दिया जाता तो वह किस प्रकार अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे।

विवाहिता ने संदिग्ध हालात में विषाक्त पदार्थ खाकर दी जान

मथुरा। कोसीकलां में लालाराम मार्ग स्थित मायके में रह रही एक विवाहिता ने संदिग्ध हालात में विषाक्त पदार्थ खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजन ने ससुरालीजनों पर विवाहित के उत्पीड़न का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार ऑफिसर्स कॉलोनी निवासी मोनू की अपनी पत्नी गुनगुन (26) से 4-5 दिन पहले लड़ाई हो गई थी। इसके बाद गुनगुन अपने मायके में आकर रहने लगी। रविवार की रात में पति मोनू और ससुर देवीलाल गुनगुन को लेने लालाराम मार्ग स्थित मायके पहुंचे। जहां दोनों पक्षों में विवाद होने के बाद वह लौट आए। सोमवार की दोपहर में एक बजे के करीब गुनगुन ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। जिससे हालत बिगड़ गई तो उनकी बहन सोनिया ने परिजनों के सहयोग से उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। विवाहिता के दो छोटे बच्चे हैं। सोनिया ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह ने बताया कि तहरीर मिलेगी तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

व्रन्दावन में पहले मां से बनाए संबंध अब बेटी के पीछे पड़ा

मथुरा। वृंदावन की धर्म की नगरी में एक मामला सामने आया है। एक युवक ने पहले महिला से संबंध बनाए और अब उसकी बेटी के पीछे पड़ गया है। जब इस बात का विरोध किया तो दोनों से मारपीट की। महिला ने वृंदावन थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि वह अपने पति के साथ वृंदावन में रहती है, लेकिन उसका पति कमाने में असमर्थ है। इसलिए वह अपनी बेटी के साथ मजदूरी करती है और अपना पेट पालती है। इस बीच उसकी मुलाकात राधाकुंड निवासी उदयवीर नाम के एक युवक से हुई। वह नगर निगम में कूड़ा उठाने का काम करता है। युवक उनकी देखरेख करने लगा। वह पति-पत्नी की तरह रहने लगे, लेकिन अब उसकी निगाह उनकी नाबालिग बेटी पर पड़ी तो वह बेटी से जबरदस्ती संबंध बनाने की कोशिश की। इस बात की जानकारी होने पर विरोध किया तो दोनों के साथ मारपीट की। इंस्पेक्टर रवि त्यागी का कहना है कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

यूपी विधानसभा: नहीं बढ़ाया जाएगा शिक्षामित्रों का मानदेय

2017 में 3500 से बढ़ाकर किया गया था 10 हजार

लखनऊ । यूपी विधानसभा में चल रहे सत्र के दौरान सरकार ने साफ किया है कि शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाया नहीं जाएगी। इस मामले में सरकार और विपक्ष में तीखी भिड़ंत हुई।

विधानसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान शिक्षामित्रों के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच नोंकझोंक हुई। एक बार आरोप- प्रत्यारोप शुरू हुए तो अगले ही पल ठहाके भी लगे। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि फिलहाल शिक्षामित्रों का मानदेय 2017 से पहले 3500 था, जिसे भाजपा सरकार ने बढ़ाकर 10 हजार कर दिया है। अभी मानदेय बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

दरअसल, सपा विधायक राकेश कुमार वर्मा ने सवाल उठाया कि शिक्षामित्रों का मानदेय काफी कम है। महंगाई को देखते हुए इनका मानदेय बढाया जाए और इन्हें नियमित करने की दिशा में भी कदम बढाया जाए। इसी तरह बच्चों के लिए भोजन बनाने वाली रसोइयां का मानदेय भी बढाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री के कुत्ते को टहलाने वाले व्यक्ति का मानदेय भी शिक्षामित्रों से ज्यादा है। इस पर एक विधायक ने टिप्पणी की कि शिक्षामित्रों की तुलना कुत्ते से करना गलत है। इसी बात को लेकर दोनों तरफ से नोंकझोंक होने लगी।

आरोप- प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गई। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दोनों पक्षों को समझाबुझाकर शांति कराया। इसके बाद बेसिक शिक्षा मंत्री ने जवाब दिया। इसी तरह सपा विधायक समरपाल सिंह ने सवाल किया कि बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में सीबीएसई एवं आईसीएसई बोर्ड की तरह अंग्रेजी पढ़ाने के लिए सरकार की क्या योजना है? इसके जवाब में बेसिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि विभाग के स्कूलों में अंग्रेजी एक विषय के रूप में पढ़ाई जाती है। इस दौरान सत्ता पक्ष के विधायकों ने चुटकी ली कि एक तरह सपा के लोग अंग्रेजी का विरोध करते हैं और दूसरी तरफ अंग्रेजी पढ़ाने के लिए बेचैन हैं।

जल्द ही बनेंगे तटबंध- स्वतंत्र देव- विधानसभा में सपा विधायक स्वामी ओमवेश के सवाल का जवाब देते हुए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि जहां लोगों को बाढ़ से बचाने के लिए सर्वे कार्य किया गया है, वहां जल्द ही तटबंध बनाए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि विधायक ने गंगा नदी की विभिषिका से लोगों को बचाने के लिए दिए गए प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा गया है। वहां से मंजूरी मिलते ही तटबंध पर कार्य शुरू कराया जाएगा।

अधिवक्ताओं के लिए मुआवजे की व्यवस्था- खन्ना- संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि एडवोकेट प्रोटेक्शन अधिनियम का मामला राज्य विधि आयोग में है। अधिवक्ता कल्याण निधि का गठन किया गया है। अधिवक्ता के निधन पर आश्रित को पांच लाख का मुआवजा दिया जाता है। वह सपा विधायक अरमान खान के अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने और एडवोकेट प्रोटेक्शन अधिनियम के प्रावधन संबंधी सवाल का जवाब दे रहे थे।

गौतीर्थ तुलसी तपोवन गौशाला के सहायतार्थ पुराण मनीषी श्री कौशिक जी महाराज ने पंचम दिवस श्रद्धालुओं को कराया शिव महापुराण कथा का रसपान*

भगवान शिव की पूजा करने से मिलती है भक्ति

मैनपुरी। शहर के देवी रोड स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में आयोजित गौतीर्थ तुलसी तपोवन गौशाला के सहायतार्थ आयोजित शिव महापुराण कथा का पंचम दिवस पुराण मनीषी पूज्य श्री कौशिक जी महाराज के पावन सानिध्य में कथा परीक्षित डॉक्टर कौशलेंद्र दीक्षित व उनकी धर्मपत्नी शुभा दीक्षित एवं यजमान श्याम बाबू मिश्रा व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कल्पना मिश्रा ने मंत्रोच्चारण के बीच भगवान की पूजा अर्चना की।

पुराण मनीषी पूज्य श्री कौशिक जी महाराज ने भगवान महादेव की महिमा का बखान करते हुए कहा कि महाशिवरात्रि का पावन पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा, इस पावन पर्व पर भगवान शिव की श्रद्धा भाव से पूजा करने से भवन शंकर अपने भक्तों पर सदैव कृपा बनाए रखते है। उनके भक्तों पर आए कष्टों को भोले बाबा मात्र 1 लोटा जल चढ़ाने मात्र से प्रसन्न हो कर उनके कष्टों को दूर कर देते है।

उन्होंने कहा कि शिवरात्रि के पावन अवसर पर आप सबको शिव महापुराण सुनने अवसर भगवान भोलेनाथ की कृपा के ही कारण संभव हुआ।

शिवरात्रि के पर्व पर भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का अवसर है इसलिए सभी श्रद्धालू श्रद्धाभाव से मदिरों में पहुंच कर भगवान भोलेनाथ को एक लोटा जल, बेलपत्र, धतूरा, फूल आदि चढ़ावें तो उनके सारे कष्ट, पाप आदि क्षण भर में कट जाएंगे।

उन्होंने कहा भगवान शिव की पूजा करने से भक्ति और मुक्ति मिलती है। भगवान की भक्ति और मुक्ति पाने का यही सबसे सरल माध्यम है।

कथा के दौरान महाराज श्री ने भगवान शिव की पूजा किस प्रकार करने तथा भगवान शिव को क्या क्या चढ़ाने से क्या क्या लाभ होता है इसके बारे में विस्तार से वर्णन किया।

कथा के दौरान कौशिक जी महाराज के भजनों पर श्रद्धालू भगवान शिव की भक्ति में झूमते नजर आए।

कथा के विश्राम पर परीक्षित डॉक्टर कौशलेंद्र दीक्षित व उनकी धर्मपत्नी शुभा दीक्षित, एवं यजमान श्याम बाबू मिश्रा व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कल्पना मिश्रा कथा आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ संजीव मिश्रा वैद्य जी, पंडित रामदेव शास्त्री, अभिषेक तिवारी, विमल पांडेय, राधारानी दुबे आदि ने भगवान शिव की आरती की। कथा का संचालन पंडित रामदेव शास्त्री ने किया।

कथा में प्रशांत मिश्रा, नीरज बैजल, पंकज गुप्ता, मीडिया प्रभारी आकाश तिवारी, सर्वेश तिवारी, विपुल चौहान, देवांश चौहान, प्रमोद त्रिपाठी, रामखिलाड़ी यादव, श्रीमती राधा गुप्ता, श्रीमती कल्पना मिश्रा, पंकज, श्रद्धा, अनीता राजपूत, आचार्य राममोहन, गोविंद गुप्ता, देवकीनंदन, गिरजेश लोधी सभासद, बजरंग सिंह जादौन, डॉ वी के मिश्रा आदि बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

बहू और बेटी में नहीं करना चाहिए कोई अंतर - आचार्य प्रदीप सुंदर

बिछवा/मैनपुरी क्षेत्र के ग्राम सहारा में स्थित मनकामेश्वर मंदिर पर चल रही श्री राम कथा के पांचवें दिन की कथा में बोलते हुए कथावाचक प्रदीप सुंदर जी महाराज ने भगवान श्री राम और माता सीता के विवाह की कथा का वर्णन किया उन्होंने सीता स्वयंवर की कथा सुनाते हुए कहा कि राजा जनक ने स्वयंवर में शर्त रखी थी कि जो धनुष को उठा लेगा उसी के साथ सीता जी का विवाह होगा अनेकों राजा महाराजाओं ने धनुष को उठाने का प्रयास किया लेकिन किसी ने धनुष को हिला भी नहीं पाया तब जनक जी ने कहा कि हमें लगता है पृथ्वी वीरों से खाली हो गई है जिस पर लक्ष्मण जी ने क्रोध में कुछ कठोर वचन बोले भगवान श्री राम ने अपने गुरु की आज्ञा लेकर धनुष को उठाकर जैसे ही प्रत्यंचा चढ़ानी चाही तो धनुष टूट गया धनुष टूटते ही भगवान श्री राम और सीता माता का विवाह हो गया आगे उन्होंने कहा कि हमें अपनी बहू और बेटी में अंतर नहीं करना चाहिए अगर सास अपनी बहू को बेटी माने और बहू अपनी सास को मां माने तो हमारे घरों में सास बहू का झगड़ा ही मिट जाएगा बहु को भी अपने सास ससुर और पति की सेवा को ही परम धर्म मानना चाहिए जिसकी शिक्षा में श्री राम कथा से मिलती है माता कौशल्या और सीता जी का चरित्र इसका प्रमाण है इस मौके पर डॉ नरेश सिंह चौहान, निर्मला चौहान, सुमित कुमार चौहान एडवोकेट, सुरेश सिंह चौहान एडवोकेट, इंजीनियर धर्मवीर

शहजाद नदी पर गैवियन वाल का निर्माण कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण

नदी में जल के भराव हेतु चौड़ाई में टॉवाल बनाने के निर्देश

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर। नगर के सौंदर्य को लेकर जिलाधिकारी श्री अक्षय त्रिपाठी बेहत संजीदा हैं, जिसके तहत उन्होंने नगर क्षेत्र में अनेकों विकासपरक प्रोजेक्ट प्रारंभ कराये हैं, जिसके अंतर्गत शहजाद नदी की तलहटी में गैवियन वॉल का निर्माण कराया जा रहा है, जो लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। इसके बाद सुंदरीकरण का कार्य भी कराया जाएगा, जिसके पूर्ण होने पर शहजाद नदी एक नए रुप में नजय आयेगी।

उक्त कार्य का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी श्री अक्षय त्रिपाठी ने आज सोमवार को शहनाज नदी का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए नदी की चौड़ाई पर 1.5 फीट की टॉ-

वाल बनाने के निर्देश दिये, ताकि नदी में पानी का भराव हो सके और गोविन्द सागर बांध के गेट खुलने पर किसी भी प्रकार की क्षति को रोका जा सके।

ि नरीक्षण के दौरान बताया गया कि निर्माण कार्य के तहत दो सीढ़ी नुमा वाल बनकर तैयार हो गई है, तीसरी वाल के लिए मिट्टी का भराव किया जा रहा है। इसके बाद सुंदरीकरण का कार्य किया जाएगा। इस कार्य का मुख्य उद्देश्य शहजाद नदी से कटान को रोकना है, जिसके लिए यह पत्थरों की दीवार बनाई जा रही। गेवियन वाल के बन जाने से नदी का सौंदर्य बढ़ेगा और लोगों को टहले व बैठने के लिए मनोरम वातावरण उपलब्ध होआ, साथ ही लोग सीधे इस पुल से दूसरे पुल तक आवागमन कर सकेंगे।

जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पालिका परिषद द्वारा शहजाद नदी का 40 लाख रुपये से सुंदरीकरण कराया जा रहा है, जिसके अंतर्गत गेवियन वाल (जाली लगाकर पत्थर की दीवार) बनाई जा रही है। यह नदी की तलहटी से तीन मीटर ऊंचाई व 4.6 मीटर चौड़ाई और इस पुल से दूसरे पुल तक 205 मीटर लंबाई में बनाई जा रही है। बताया जा रहा है कि इसका कार्य मार्च तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

इस अवर पर नगर पालिका परिषद से कर निर्धारण अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद, सहायक अभियंता आशीष दूरभार एवं अन्य सम्बंधित उपस्थित रहे।

तनावमुक्त रहकर परीक्षा दें परीक्षार्थी, विशेषज्ञों की लें सलाहः जिलाधिकारी

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा आयोजित हाईस्कूल/इण्टरमीडिएट परीक्षा प्रथम दिवस सकुशन व नकलविहीन सम्पन्न हुई, परीक्षा के प्रथम दिन आज 49 परीक्षा केन्द्रों पर हाईस्कूल एवं इण्टर के हिन्दी विषयक की परीक्षा हुई, जिसमें हाईस्कूल के कुल पंजीकृत 19597 परीक्षार्थियों में से 18373 (93.75 प्रतिशत) तथा इण्टर में कुल पंजीकृत 16713 में 16061 (96.09 प्रतिशत) परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।

परीक्षा को नकलविहीन व सुचितापूर्ण सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी श्री अक्षय त्रिपाठी ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में स्थापित कण्ट्रोल रुम का बारीकी से निरीक्षण किया। मौके पर कण्ट्रोल रुम प्रभारी उप जिला मजिस्ट्रेट मनीष कुमार और जिला विद्यालय निरीक्षक मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों के संचालन को देखा। उन्होंने परीक्षा कक्षों में सी0सी0टी0वी0 कैमरे, वॉयस रिकॉर्डर व राउटर आदि व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि परीक्षा को नकलविहीन एवं पारदर्शी बनाये रखने के लिए केन्द्रों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरे, वॉयस रिकॉर्डर, साफ-सफाई, परीक्षार्थियों के बैठने की उचित व्यवस्था, पेयजल एवं शौचालय आदि की व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त रखें। परीक्षा केंद्रों के कक्षों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था रखें, इसके साथ ही कण्ट्रोल रुम से लगातार निगरानी करें। उन्होंने यह भी निर्देश कि बोर्ड परीक्षा में सभी अधिकारी सम्वेदनशील रहकर अपने दायित्वों को पूर्ण करें। साथ ही नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न कराये जाने हेतु प्रश्न पत्रों की सुरक्षा पर कड़ी निगरानी रखते हुए शासन द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। इसके साथ ही जिलाधिकारी के निर्देशन में गठित 6 सचल दलों ने प्रत्येक परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया, इसके साथ ही कण्ट्रोल रुम से लगातार सम्पर्क बनाये रखा।

जिलाधिकारी ने सभी सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों का भ्रमण करते रहें, सुरक्षा कर्मियों के अलावा शस्त्र केंद्रों पर अंदर ले जाना वर्जित है, परीक्षा केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन, कैलकुलेटर आदि कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पूर्णतया प्रतिबंधित रखें, उन्होंने कहा कि जो परीक्षा संपन्न कराने के लिए बोर्ड द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं उसी के अनुसार परीक्षा को सकुशल संपन्न कराना है।

जिलाधिकारी ने सभी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए तनावमुक्त रहने की सलाह दी, उन्होंने कहा कि तनाव मुक्त रहने के लिए विशेषज्ञों की सलाह मानें, परिवारीजन बच्चों का उत्साहवर्द्धन करें, उनसे बातचीत करें और पौष्टिक भोजन करायें।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा के लिए 7 जोनल मजिस्ट्रेट, 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 49 स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है, इसके अलावा जनपद स्तर पर 6 सचल दलों का गठन भी किया गया है, जिसमें जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रणवीर सिंह, वित्त एवं लेखाधिकारी घनश्याम, एबीएसए बिरधा गौरव, अएबीएसए जखौरा भुवनेन्दु अरजरिया, एबीएसए मडावरा नरेश के स्थान पर संदीप कुमार वर्मा द्वारा आज उक्त सचल दलों का नेतृत्व किया गया।

धर्मनगरी के साधू-संत मंदाकिनी में करेंगे अमृत शाही स्नान

चित्रकूटः महाशिवरात्रि के पावन महापर्व एवं अमृत महाकुंभ के पुण्यतम सुयोग पर धर्मनगरी के संत महात्मा बुधवार को मां मंदाकिनी गंगा, रामघाट में शाही स्नान करेंगे।

विरक्त संत मण्डल के आह्वान एवं श्री मां मंदाकिनी सेवा ट्रस्ट के संयोजन में आयोजित प्रभु श्रीराम की तपोभूमि एवं मां मंदाकिनी में नागा साधू-संतों के शाही स्नान की यहा? नयी परंपरा का शुभारंभ माना जा रहा है। जिसमें तीर्थक्षेत्र के समस्त संत, महंत, साधू महात्मा सम्मिलित होंगे। विरक्त संत मण्डल के सचिव डॉ मदनगोपाल दास महराज ने बताया कि 26 फरवरी को प्रातः 7 बजे से चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय से अमृत शाही स्नान के लिए संत समाज की भव्य यात्रा का शुभारंभ होगा। यह शाही यात्रा जानकीकुण्ड, पुरानी लंका तिराहा, रामघाट टैक्सी स्टैंड होते हुए आरती स्थल रामघाट (उ.प्र.) पहुंचेगी। जहां संत सामूहिक स्नान कर महाराजाधिराज मत्तगजेन्द्रनाथ भगवान का जलाभिषेक करेंगे। मीडिया प्रमुख अर्चन ने बताया कि शाही स्नान के बाद नगर परिषद पार्क बस स्टैंड चित्रकूट (म.प्र.) में विशाल संत सभा का आयोजन किया जाएगा।

आज से होगा 52वें राष्ट्रीय रामायण मेले का शुभारंभ

चित्रकूट ब्यूरोः 52वें राष्ट्रीय रामायण मेले का शुभारंभ आज महाशिवरात्रि पर्व पर होगा। मप्र शासन की मंत्री प्रतिमा बागरी मेले का शुभारंभ करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगद्गुरु स्वामी बालगोविन्दाचार्य महराज करेगें।

राष्ट्रीय रामायण मेला के कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत करवरिया व महामामंत्री करुणाशंकर द्विवेदी ने बताया कि वर्ष 1960 में समाजवादी चिंतक डॉ राममनोहर लोहिया ने इसकी परिकल्पना की थी। उन्होंने इसके चार उद्देश्य आनंद, दृष्टिबोध, रस संचार और हिन्दुस्तानी को बढ़ावा निर्धारित किया था। वर्ष 1973 से यह आयोजन समिति की ओर से कराया जा रहा है। 52वें मेले का शुभारंभ 26 फरवरी से दो मार्च तक पांच दिवसीय होगा। इस भव्य आयोजन का शुभारंभ मप्र शासन की मंत्री प्रतिमा बागरी करेंगी। अध्यक्षता जगद्गुरु स्वामी बालगोविन्दाचार्य महराज जवालीपुरम पीठाधीश्वर पराम्बा धाम जबलपुर करेंगें। जिसमें सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के निदेशक डॉ बीके जैन के अलावा संत, महंत, मनीषी, मानस मर्मज्ञ, विद्वान मंच की शोभा बढ़ाएंगें।

महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत मंडलायुक्त ने डीएम-एसपी के साथ किया मेला क्षेत्र का भ्रमण

चित्रकूट ब्यूरोः प्रयागराज महाकुङ्भ के अङ्गतिम शाही स्नान व महाशिवरात्रि पर्व के ल्र्लृष्टिगत मङ्गलवार को चित्रकूट धाम मङ्डल बाङ्गल्ली आयुक्त ने प्रशासनिक अधिकारियोङ्ग के साथ मेला क्षेत्र के रामघाट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओङ्ग का जायजा लिया। साथ ही ड्यूटि पर तैनात सुरक्षा कर्मियोङ्ग को आवश्यक ल्लिशा-निर्ल्लेश ल्लिए।

मंगालवार को चित्रकूट धाम मङ्डल बाङ्गल्ली आयुक्त अजीत कुमार ने जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिङ्गह के साथ प्रयागराज महाकुङ्भ व महाशिवरात्रि मेले को ल्र्लेखते हुए रामघाट पर व्यवस्थाओङ्ग का जायजा लिया। निरीक्षण के ल्लौरान मङ्डलायुक्त ने श्रद्धालुओङ्ग के लिए की गई सुविधाओङ्ग को ल्र्लेखते हुए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषल्र्ल कर्वी को निर्ल्लेशित किया कि मेला क्षेत्र के रामघाट, परिक्रमा मार्ग सहित महत्वपूर्ण स्थानोङ्ग पर साफ-सफाई की व्यवस्था बनी रहनी चाहिए। उन्होङ्गने पुलिस अधीक्षक से कहा कि सुरक्षा

व्यवस्था मेङ्ग किसी प्रकार की समस्या नहीङ्ग आनी चाहिए। इस ल्लौरान मङ्डलायुट)ि ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के साथ भगवान मत्तगजेन्द्रनाथ मङ्ल्लिरि मेङ्ग भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाल्र्ल लिया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवङ्ग राजस्व उमेश चङ्द्र निगम, अधिशासी अधिकारी कर्वी लालजी याल्लवि सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूल्र्ल रहे।

ऑनलाइन लेन देन के प्रति जागरूक करेगा वित्तीय साक्षरता रथ

चित्रकूट ब्यूरोः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राप्त निदेशों के क्रम में पूरे भारत वर्ष में 24 से 28 फरवरी तक वित्तीय साक्षरता सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद में अग्रणी जिला प्रबंधक के दिशा-निर्देशन में इण्डियन बैंक एवं आर्यावर्त बैंक द्वारा वित्तीय साक्षरता रथ कलेक्टरेट से रवाना किया गया।

अपर जिलाधिकारी राजेश चैरसिया एवं अपर उप जिलाधिकारी राकेश पाठक ने वित्तीय साक्षरता रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर अग्रणी जिला प्रबंधक अनुराग शर्मा ने बताया कि यह जागरुकता रथ तीन दिनों तक जनपद के विभिन्न ब्लॉक एवं तहसीलों से गुजरते हुए आमजनमानस को डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया व ऑनलाइन लेन-देन का सावधानी पूर्वक उपयोग करने के लिए जागरूक करेगा। साथ ही इसके माध्यम से ग्रामीणों की शंकाओं का समाधान करते हुए उन्हें विभिन्न सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान कर शत-प्रतिशत आच्छादन सुनिश्चित किया जायेगा। इसके अलावा पूरे सप्ताह के दौरान कई अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से महिला लाभार्थियों को बैंकिंग प्रणाली को और अधिक स्मार्ट तरीके से उपयोग किये जाने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया जाएगा।

परीक्षा देने में समस्या आने पर हेल्पलाइन में करें सम्पर्क

चित्रकूटः जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा आयोजित वर्ष-2025 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों से अपील की कि परीक्षा का तनाव न लेते हुए सहज होकर परीक्षा में सम्मिलित हो। कहा कि यदि विद्यालय द्वारा किसी परीक्षार्थी को प्रवेश पत्र नहीं दिया जा रहा है या विषय, वर्ग एवं जेंडर के त्रुटिपूर्ण अंकन हो जाने के कारण परीक्षा में सम्मिलित होने में विद्यालय या किसी अन्य स्तर से बाधा उत्पन्न की जा रही है या कोई अन्य समस्या आ रही है, तो परिषद कार्यालय में संचालित हेल्पलाइन नंबर 18001805310 एवं 18001805312 पर संपर्क कर आपकी समस्या समाधान कराए। बताया कि यदि किसी परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से रोकने में किसी संस्था या व्यक्ति के संलिप्त एवं दोषी पाए जाने पर परिषद द्वारा दृष्टांतजनक कार्यवाही की जाएगी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

चित्रकूट ब्यूरोः उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त कार्य योजना के अनुक्रम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश राकेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अपर जिला जज नीलू मैनवाल ने जिला कारागार का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन कर बंदियों को जागरूक किया गया।

निरीक्षण के दौरान सचिव ने जिला कारागार अस्पताल में भर्ती बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्या के बारे में जानकारी। उन्होंने बीमार बंदियों के समुचित उपचार व मानसिक रूप से बीमार बंदियों की विशेष देखभाल के लिए चिकित्सकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जिला कारागार की पाकशाला का भी निरीक्षण किया गया। जिसमें मीनू के अनुसार भोजन तैयार होते पाया गया। बेरिक नम्बर 21 का निरीक्षण कर निरूद्ध 18 से 21 वर्ष के बाल बन्दियों से वार्ता की। इस दौरान सचिव ने कहा कि आप लोग किसी गलती के कारण यहां निरूद्ध हैं। जेल में निरूद्ध रहते हुये आप सभी शिक्षा पर विशेष ध्यान देकर स्वयं को योग्य बना लें ताकि जेल से रिहा होने के बाद आप समाज में नई पहचान बनाकर एक सम्मान की जिन्दगी जी सकें। बताया कि किसी बन्दी को किसी भी प्रकार की समस्या हो तो पराविधिक स्वयं सेवक को अवगत कराकर अपनी समस्या के समाधान के लिए जेल अधीक्षक के माध्यस से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अवगत करा सकते हैं।

उन्होंने 70 वर्ष या 70 वर्ष से अधिक के बन्दियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा उनके हितार्थ शासन एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। बताया कि यदि किसी के मुकदमें की पैरवी करने के लिए उनके पास वकील नहीं तो ऐसी स्थिति में जेल में अवस्थापित लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से सम्पर्क कर अधिवक्ता प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रदेश स्तर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन कर जरूरतमन्द लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने जेल में निरुद्ध ऐसे बन्दी जिनकी जमानतें हो गयी है, रिहाई शेष है, उन बन्दियों से वार्ता कर रिहाई के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही किये जाने पर बल दिया।

इस मौके पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम अंजलिका प्रियदर्शिनी, प्रभारी जेल अधीक्षक रजनीश सिंह, मुख्य न्याय रक्षक गया प्रसाद निषाद, सहायक न्याय रक्षक योगेन्द्र सिंह सहित अन्य जेल सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे।

श्री श्री 1008 राधा कृष्ण साहू समाज मंदिर पर शिवरात्रि पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम

अखण्ड रामायण पाठ, हवन, अभिषेक के साथ होगा विशाल प्रसाद वितरण

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर। सनातन धर्म में महाशिवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है। यह पर्व देवों के देव महादेव को समर्पित होता है। इस शुभ अवसर पर भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत रखा जाता है। भगवान शिव की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

इसी क्रम में गांधी नगर नई बस्ती स्थित श्री श्री 1008 राधा कृष्ण साहू समाज मंदिर पर फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि मनाई जाती है। इस साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 25 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व के एक दिन पूर्व मंगलवार को 25 को सुबह 11 बजे से अखण्ड रामायण पाठ का शुभारंभ रामप्रसाद राजपूत द्वारा किया गया। 26 फरवरी को अखण्ड रामायण पाठ का समापन व हवन, शिव अभिषेक के बाद विशाल प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही श्री श्री 1008 श्रीराम सेवा समिति ग्राम टोडा द्वारा अखण्ड रामायण पाठ में भाग लेंगे।

इस अवसर पर पं. शिवम चौबे, पं राहुल चौबे, पं.राहुल चौबे पं. सत्यम चौबे, पं. प्रवीण दुबे महाराजजी, पं.विष्णु मिश्रा, पं. प्रमोद चौबे, राजेश दीक्षित, रामप्रसाद राजपूत, भानु प्रताप लोधी (राहुल),राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, विनय जोशी टेलर, पत्रकार देवेंद्र साहू, हरिओम साहू कैलगुआ रॉड वाले, कपूर चंद्र साहू पाय वाले, पप्पू साहू जाखलौन वाले, रिंकू साहू मड़बाड़ी, अशोक साहू प्रबधंक, छोटेलाल साहू जिला टैक्सी एसोसिएशन अध्यक्ष, शंकर लाल शर्मा, दीपांशु, लकी, राजा, हर्ष, आंशिक, मोनिका, स्वति, बंसिका, प्रताप साहू, शिवराज साहू गदयाना, मयंक साहू, विवेक तिवारी, सुनील कुशवाहा, इमरत साहू, अभिषेक साहू, एवं समस्त समिति के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

रोज आरती समिति के सदस्यों को श्रीराम जी मूर्ति चिन्ह देकर किया जाएगा सम्मानित

सनातन धर्म में महाशिवरात्रि पर्व पर गांधी नगर नई बस्ती स्थित श्री श्री 1008 राधा कृष्ण साहू समाज मंदिर में हर रोज वर्षों से आरती करने वाले एक दर्जन से अधिक सदस्यों को श्री राम चंद की बाल मूर्ति की स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।

ललितपुर स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होगी फोटो एवं निबंध प्रतियोगिता : एडीएम

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री अंकुर श्रीवास्तव ने जनपदवासियों को अवगत कराया है कि 01 मार्च 2025 ह्यह्यललितपुर स्थापना दिवसह्लह्ल के अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से ललितपुर की सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास और प्राकृतिक संपदा पर आधारित फाटोग्राफी एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

उक्त प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्हाट्सएप नम्बर 9454345035, 9454512385 एवं ईमेल आईडी ्रि'३स्त्र@ॅ'्रु.ङ्क जारी की गई है, जिस पर जनपद में निवासरत आम नागरिकों से ललितपुर की सृास्कतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास, प्राकृतिक सम्पदा आदि से सम्बंधित फोटोग्राफ्स एवं निबंध आमंत्रित किये गए हैं, जनपद का कोई भी नागरिकों को उक्त कृतियों के साथ अपना नाम, पता, मोबाइल

नम्बर व अन्य व्यक्तिगत विवरण भेजना अनिवार्य है। उत्कृष्ट फोटो व निबंध को जिला प्रशासन द्वारा पुरस्कृत भी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 2 दिवसीय ललितपुर महोत्सव की शुरूआत पूर्व संध्या 28 फरवरी की शाम दीपोत्सव से होगी, इस अवसर पर सभी जनपदवासी अपने-अपने घरों में 5-5 दीप जलायेंगे और शाम को तुवन प्रांगण में दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और समस्त सरकारी भवनों पर भी आकर्षक रोशनी की जायेगी। 1 मार्च को सुबह 11 बजे से कल्याण सिंह सभागार में जनपद घोषित होने के बाद से अब तक किये गये विकास कार्यों, जनपद के इतिहास, प्राकृतिक व पर्यटन सम्पदा को प्रदर्शित करने वाली चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। साथ ही सम्मान समारोह आयोजित होगा।

इसके साथ ही 24 फरवरी से 1 मार्च तक जनपद के समस्त परिषदीय विद्यालयों में गोष्ठियों व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को जनपद के ऐतिहासिक, पुरातात्विक धरोहरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जायेगी।

लोकसभा अध्यक्ष ने किया पूर्व विधायक प्रभु लाल करसोलिया जी की मूर्ति का अनावरण

हाड़ौती के विकास और आत्मनिर्भरता की यात्रा में हम सभी को सहभागी बनना होगा - बिरला

ब्यरो -एनपीटी

बून्दी, 25 फरवरी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को करवर में पूर्व विधायक प्रभु लाल करसोलिया जी की मूर्ति का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने 6.92 करोड़ रुपये की लागत से 95 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

बिरला ने करसोलिया जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज और देश की सेवा में समर्पित कर दिया। वे गरीब, वंचित और पिछड़े वर्गों के लिए संघर्ष और जनसेवा का पर्याय थे। उनका जीवन दशार्ता है कि लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी छोटे गाँव से क्यों न हो, अपनी मेहनत और ईमानदारी से नेतृत्व की ऊँचाइयों तक पहुँच सकता है। उन्होंने कहा कि करसोलिया जी ने राजनीति को जनकल्याण का माध्यम बनाया। वे सदैव जनता के हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत रहे। बिरला ने कहा कि करसोलिया जी ने संसाधनों की कमी के बावजूद जनता की सेवा को अपना सर्वोच्च कर्तव्य माना और अपने अंतिम समय तक इसी संकल्प के साथ कार्य करते रहे।

करवर और हाड़ौती के विकास को मिलेगी नई दिशा

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र के बुनियादी विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। पिछले वर्षों में जिन कार्यों की उपेक्षा हुई, उन्हें अब तेजी से पूरा किया जा रहा है। करवर की 12 पंचायतों में 180 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का निर्माण कार्य जारी है। उन गाँवों को भी सड़कों से जोड़ा जाएगा, जो वर्षों से विकास से वंचित थे। क्षेत्र में बिजली तंत्र को सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे बिजली आपूर्ति सुचारु रूप से संचालित होगी और निकट भविष्य में किसानों को दिन में भी बिजली मिल सकेगी।

शिक्षा से ही जीवन स्तर में आएगा बदलाव

उन्होंने कहा कि सभी सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूलों, जहाँ विज्ञान विषय उपलब्ध हो, वहाँ 10 लाख रुपये की लागत से अटल टिंकरिंग लैब स्थापित की जाएगी। आगामी दो वर्षों में विद्यालयों में कंप्यूटर लैब और इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे गाँवों के बच्चों को भी आधुनिक तकनीक से जुड़ने का अवसर मिलेगा। मिडिल स्कूलों में भी कंप्यूटर शिक्षा को लागू करने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक में 60 लाख रुपये की लागत से महिला प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ महिलाएँ सिलाई, कढ़ाई और अन्य स्वरोजगार प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

कृषि क्षेत्र में सुधार से बढ़ेगी किसानों की उपज

बिरला ने कहा कि क्षेत्र के असिंचित इलाकों को सिंचाई सुविधा देने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है। हर खेत तक पानी पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे किसानों को अपनी उपज बढ़ाने में सहायता मिलेगी। साथ ही, क्षेत्र को एफ्छढ (ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट) से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि जल समस्या का स्थायी समाधान हो।

करसोलिया जी के सपनों को साकार करने का संकल्प

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि करसोलिया जी का सपना था कि यह क्षेत्र आत्मनिर्भर और विकसित बने। आज उनकी स्मृति में किए जा रहे विकास कार्य इसी संकल्प का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। हम सभी को मिलकर इस क्षेत्र को विकास के नए शिखर तक ले जाना है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे भी इस विकास यात्रा में सहभागी बनें और अपने गाँव, अपने क्षेत्र के उत्थान में योगदान दें। करसोलिया जी की मूर्ति सिर्फ.एक प्रतिमा नहीं, बल्कि जनसेवा और संघर्ष की प्रेरणा है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव समाज सेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि प्रभुलाल करसोलिया जी ने क्षेत्र का नेतृत्व किया और गाँव-गाँव में विकास की अलख जगाई। वे सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों के माध्यम से हमेशा समाज के बीच सक्रिय रहे। उन्होंने सामूहिक विवाहों का आयोजन कर समाजहित में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। अपने इन प्रयासों के कारण वे हर परिवार के दिल में बसे हुए थे और हर घर में प्रिय थे। हम सभी के मन में उनकी स्मृतियाँ सदैव जीवंत रहेंगी।

कार्यक्रम में धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व विधायक नरेंद्र नागर, बून्दी जिलाध?यक्ष रामेश?वर मीणा, पूर्व विधायक चन?द्रकांता मेघवाल, नैनवां प्रधान पदम नागर, पूर्व जिला प्रमुख राकेश बोयत, जिला परिषद सदस?य शक्ति सिंह आशावत, कन?हैयालाल मीणा, मंडल अध्यक्ष रेखराज मीणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश जिंदल, करवर पंचायत प्रशासक दीपकला नागर, उप सरपंच पंकज दाधीच सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जिले में 23 परीक्षा केन्द्रों पर होगी अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) 2024

19757 परीक्षार्थी होंगे परीक्षा में शामिल

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी, 25 फरवरी। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर की ओर से आयोजित अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) 2024 बून्दी जिले में 23 परीक्षा केन्द्रों पर 27 व 28 फरवरी को आयोजित होगी। परीक्षा के लिए जिला स्तर पर 21 तथा तालेडा में 2 केन्द्र बनाए गए हैं।

परीक्षा समन्वयक व अतिरिक्त जिला कलक्टर सुदर्शन सिंह तोमर ने बताया कि 27 फरवरी को प्रथम पारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे (लेवल प्रथम कक्षा 1 से 5) एवं द्वितीय पारी अपरान्ह 3 बजे से सायं 5.30 बजे (लेवल द्वितीय कक्षा 6 से 8) तथा 28 फरवरी को तृतीय पारी प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 12.30 बजे (लेवल द्वितीय कक्षा 6 से 8) तक आयोजित होगी, जिसमें कुल 19757 परीक्षार्थी भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि जिले में परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर केन्द्र पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए है। सुरक्षा की दृष्टि से परीक्षा के दौरान निरीक्षण हेतु 05 केन्द्र पर 01 जोनल अधिकारी एवं प्रत्येक 10 परीक्षा केन्द्र पर एरिया अधिकारी नियुक्त किए गए है तथा प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त पुलिस बल की नियुक्ति की गई हैं। प्रत्येक 03 केन्द्रों पर एक फ्लाईंग क म ा ओ.एम.आर.कोर्डिनेटर दल नियुक्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक केन्द्र पर अनाधिकृत,डमी व्यक्तियों, अनुपस्थित अभ्यर्थियों, अनुचित साधनों विधि विरूद्ध क्रिया कलापों इत्यादि के साक्ष्य संग्रहण हेतु परीक्षा केन्द्र के प्रत्येक कक्ष, बरामदा, प्रवेश द्वार, पर सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाये गये है। परीक्षार्थी का परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश परीक्षा प्रारम्भ होने के 01 घण्टे पूर्व तक ही अनुमत होगा।

जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि सम्पूर्ण पुलिस व्यवस्था को कॉर्डिनेट करने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा को जिला स्तर पर पुलिस नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए सहायतार्थ एक अन्य अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 04 पुलिस निरीक्षकों सहित लगभग 250 पुलिस अधिकारियों/कार्मिकों का जाप्ता परीक्षा केन्द्रों पर विशेष निगरानी व सुरक्षा के लिए नियोजित किया गया है। साथ ही साईबर सेल को सक्रिय करते हुए सीसीटीवी कैमरों, मेटल डिटेक्टर इत्यादि आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण की एडवांस व्यवस्था की गई है। परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु कानून व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन तथा नकल विरोधी सख्त कदम उठाने पर विशेष जोर दिया गया है।

जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अक्षय गोदारा ने बताया कि सम्पूर्ण परीक्षा प्रक्रिया की गोपनीयता, शुचिया एवं सुरक्षा को लेकर व्यक्तिशः मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि परीक्षा केन्द्र पर प्रश?न पत्रों की गोपनीयता के मद्देनजर केन्द्राधीक्षक के अलावा अन्य किसी व्यक्ति, अधिकारी, अभ्यर्थी इत्यादि को मोबाइल लेकर प्रवेश करने की अनुमति नही होगी। केन्द्राधीक्षक को भी आयोग के निदेर्शानुसार केवल कीपैड मोबाईल अनुमत होगा।

उन्होंने बताया कि परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग किए जाने पर राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम 2022 के अनुसार न्यूनतम 10 वर्ष किन्तु आजीवन कारावास तक के दण्ड एवं न्यूनतम 10 लाख रुपए जो 10 करोड रुपए तक हो सकता है, तक जुमार्ने का प्रावधान है। ऐसे परीक्षार्थी को भर्ती परीक्षा देने से वर्जित भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना के तहत आवासहीन पात्र परिवारों को 1.20 लाख का अनुदान

बजट 2025-26 में विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू समुदायों के सशक्तीकरण एवं उत्थान की दृष्टि से 'दादूदयाल घुमन्तू सशक्तीकरण योजना' प्रारम्भ करने की हुई घोषणा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल तिजारा, 25 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा विमुक्त, घुमन्तु एवं अघुमन्तु समुदाय के आवासहीन परिवारों को स्थायी आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री घुमन्तु आवास योजना के तहत 1.20 लाख रुपए तक का अनुदान प्रदान किया जा रहा है। राज्य सरकार ने बजट 2025-26 में विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू समुदायों के सशक्तीकरण एवं उत्थान की दृष्टि से 'दादूदयाल घुमन्तू सशक्तीकरण योजना' प्रारम्भ करने की घोषणा भी की। जिसके तहत इस पर 60 करोड़ (साठ करोड़) रुपये का व्यय प्रस्तावित है। इसी के साथ, ऐसे परिवारों को आश्रय उपलब्ध कराने हेतु आगामी वर्ष में 25 हजार (पच्चीस हजार) पट्टे वितरित किया जाना भी प्रस्तावित है।

समाज कल्याण अधिकारी गजराज सिंह यादव ने बताया कि बजट घोषणा 2024-25 की अनुपालना में यह योजना लागू की गई है, जिसके अंतर्गत वे परिवार लाभान्वित होंगे जो अब तक स्थायी आश्रय से वंचित हैं और शहरी या ग्रामीण क्षेत्रों की झुग्गी बस्तियों में अस्थायी तंबुओं, झोपड़ियों, कच्चे आदि में रह रहे हैं। इन बस्तियों में स्वच्छता, पेयजल, सीवरेज, बिजली, सड़क और सार्वजनिक शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। योजना के तहत उन आवासहीन परिवारों को लाभान्वित किया जाएगा, जिन्हें पहले से पट्टे वितरित किए गए हैं।

ऐसे परिवार जन आधार के माध्यम से ई-मित्र पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्धघुमन्तु जाति प्रमाण-पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी भूखंड आवंटन का पट्टा एवं अन्य निर्धारित दस्तावेज, मूल निवास प्रमाण-पत्र, वार्षिक आय प्रमाण-पत्र आवश्यक है।सहायक निदेशक ने बताया कि आवेदक को नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर यह घोषणा करनी होगी कि राज्य में कहीं पर भी उसका स्वयं का दूसरा मकान नहीं है और सरकार से प्राप्त सहायता से बना मकान 20 वर्षों तक विक्रय नहीं किया जाएगा।

दूसरी पैदल ध्वज यात्रा खैरथल से खाटू श्याम जाएगी

खैरथल। फाल्गुनी मेले पर श्री श्याम सखा मण्डल समिति खैरथल मंडी की अगुवाई में दूसरी पैदल ध्वज यात्रा खैरथल से खाटू श्याम जाएगी। समिति के संरक्षक रोहितास सैन ने बताया कि श्री श्याम फाल्गुन मेले पर ये यात्रा छः मार्च को खैरथल मंडी के सीताराम मंदिर चालीस फुटा से रवाना होगी। ये 23 वीं पैदल ध्वज यात्रा है।

समिति के श्याम सेवक मनोज स्वामी ने बताया यात्रा की सभी तैयारियां कर ली गई है भव्य निशान गांजे-बाजे के साथ ले जाकर एकादशी के दिन निशान खाटू मंदिर मे अर्पित कर दिया जाएगा खैरथल से सैंकड़ो श्याम भक्त पैदल यात्रा कर खाटू पहंचेगे ,सभी के रहने खाने पीने की व्यवस्था समिति की ओर से रहेगी

96 साल की दादी का जटिल मोतियाबिन्द ऑपरेशन बूंदी मे, बडे शहरो की तकनीक अब बूंदी मे

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी, शहर के खोजा गेट रोड स्थित अग्रवाल आई एंड स्किन हॉस्पिटल मे एक 96 वर्ष की महिला का जटिल मोतियाबिन्द ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन करने वाले नेत्र विशेषज्ञ व फेको सर्जन डॉ. संजय गुप्ता ने बताया कि इस उम्र मे मोतियाबिन्द ऑपरेशन अपने आप मे एक अत्यंत जटिल प्रक्रिया है क्योकि इस उम्र मे मोतियाबिन्द बहुत कठोर व कडक हो जाता है। साथ ही इस मरीज की आंखो की पुतली भी मात्र 4 मिलीमीटर चौडी थी जिसमे से 10 मिलीमीटर के मोतियाबिन्द को निकालना बहुत मुश्किल था। इसके लिए गुप्ता प्यूपिल एक्सपांडर रिंग डालकर पुतली की साईज 6 मिलीमीटर की गई और फेकोइमल्सिफिकेशन तकनीक से बिना टांके ऑपरेशन किया गया। अगला चैलेंज इस ऑपरेशन मे यह था कि इतनी ज्यादा उम्र होने के कारण आंख की कॉर्निया मे कोशिकाए बहुत कमजोर थी और वो फेकोइमल्सिफिकेशन तकनीक मे निकलने वाली उष्मा से खराब व नष्ट होने का खतरा था, इसलिए विस्कॉट तकनीक का सहारा लिया गया और कोशिकाओ को बचाया गया। इस ऑपरेशन मे फोल्डेबल इंट्राऑक्युलर लेंस लगाया गया और जब दादी जी को अगले दिन अच्छा दिखाई दिया तो उन्होने ईश्वर का लाख लाख धन्यवाद दिया। ये बूंदी जिले का संभवतः पहला ऐसा मोतियाबिन्द ऑपरेशन होगा जो इतनी अधिक उम्र के रोगी मे हुआ है। अधिकतर ऐसे केसेज को जयपुर दिल्ली जैसे बडे शहरो मे भेजना पडता है क्योकि ऐसे ऑपरेशन मे जटिलता व आंख खराब होने की संभावना ज्यादा होती है। लेकिन अग्रवाल आई एंड स्किन हॉस्पिटल मे नवीनतम तकनीक व डॉ. संजय गुप्ता के अनुभव व दक्षता से सभी जटिल नेत्र रोगो का ईलाज सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

खैरथल में महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर भगवान शंकर की निकली बारात व झांकीया महाशिव रात्रि पर्व आज

खैरथल। शहर में धूमधाम से आज महाशिवरात्रि मनाई जाएगी। महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर मंगलवार को भगवान शंकर की भव्य बारात व झांकी निकाली गई। यह बारात अलग-अलग जगहों का भ्रमण करते हुए कैलाश पर्वत स्थित शिव मंदिर पर लौटी। इस दौरान गाजे-बाजे के साथ निकाली झांकी को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। बरात शहर में भ्रमण के दौरान शिवभक्तों ने प्रसादी कर खुशियां मनाई।कलाकारों ने भगवान शिंव की बरात नगर भ्रमण के शिव के भजनो पर जोरदार प्रस्तुति दी भ्रमण के समय बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारे से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

शिवमंदिर पुजारी इंदर कुमार ठाकरोली ने बताया बरात के वापस शिव मंदिर कैलाश पर्वत मंदिर आने के बाद शिव-पार्वती का विवाह संपन्न करवाया गया। सुबह पंच अमृत अभिषेक, आरती,भजन,प्रसादी का आयोजन होगा शिव मेला आयोजन होगा महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है। इस दिन माता पार्वती और भगवान शिव शादी के बंधन में बंधे थे। इसलिए इस दिन माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा अर्चना करने से व्यक्ति को सुख और सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

बाल विवाह रोकथाम, बाल संरक्षण एवं यस टू स्कूल अभियान पर संवाद सत्र आयोजित

ब्यरो -एनपीटी

बून्दी, 25 फरवरी। जिले में आगामी अक्षय तृतीया पर बाल विवाह होने की संभावना को देखते हुए बाल विवाह रोकथाम, बाल संरक्षण तथा शिक्षा के महत्व को लेकर मंगलवार को जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग एवं चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से बूंदी उपखंड में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ के साथ एक प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण संवाद सत्र का आयोजन किया। सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई हुकम चंद जाजोरिया ने बताया कि जिसमें बाल विवाह रोकथाम, बाल संरक्षण और यस टू स्कूल अभियान पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा, शिक्षा और विकास के विषय में चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं अभियानों पर विस्तृत चर्चा व विचार-विमर्श किया गया।

बाल विवाह रोकथाम

इस सत्र में बाल संरक्षण अधिकारी गोविंद कुमार गौतम ने बाल विवाह के कारणों, उनके खतरों और इससे होने वाली सामाजिक-आर्थिक समस्याओं पर चर्चा करते हुए सभी सहभागियों ने बच्चों को शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से इस कुप्रथा से मुक्त करने के महत्व पर जोर दिया। साथ ही, इस दिशा में चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों, सरकारी योजनाओं और कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी साझा की गई।

बाल संरक्षण

ओ डब्लू दीपिका वशिष्ठ ने बताया कि बच्चों का संरक्षण समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इस कार्यक्रम में बाल संरक्षण के अधिकारों और कानूनों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही बच्चों के मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक विकास के लिए सुरक्षित माहौल बनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। बाल श्रम, शोषण और दुर्व्यवहार जैसे गंभीर मुद्दों पर बात करते हुए इसके निवारण के उपायों को साझा किया गया।

एक्शन एड यूनिसेफ के जिला समन्वयक जहीर आलम ने यस टू स्कूल अभियान के तहत बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने और स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के प्रयासों की भी चर्चा की गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को स्कूल भेजने और उनकी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए समाज में जागरूकता फैलाना है ताकि वह अपना भविष्य संवार सके और समाज में सकारात्मक योगदान दे सके। इस अभियान के तहत बच्चों के लिए स्कूलों में नामांकन बढ़ाने और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि को जागृत करने के लिए कई उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही, बच्चों की पढ़ाई में आर्थिक समर्थन देने के लिए कई योजनाओं का विवरण भी साझा किया गया।

पालनहार योजना व स्पॉन्सरशिप योजना की दी जानकारी

संरक्षण अधिकारी गोविंद कुमार गौतम ने पालनहार व स्पॉन्सरशिप योजनाओं की जानकारी दी इन योजनाओं के तहत बच्चों के पालन-पोषण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह योजनाएं उन बच्चों के लिए है जिनके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है या वे किसी कारणवश उनकी देखभाल नहीं कर पा रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है ताकि बच्चों का समुचित पालन-पोषण और शिक्षा सुनिश्चित हो सके।

चाइल्ड हेल्प लाइन की जानकारी

परिता शर्मा और मुकेश गोस्वामी ने चाइल्ड हेल्प लाइन (1098) के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा है, जिसका उद्देश्य बच्चों को तत्काल सहायता और सुरक्षा प्रदान करना है। यह सेवा विशेष रूप से उन बच्चों के लिए है जो किसी प्रकार के संकट या खतरे में होते हैं, जैसे कि बाल शोषण, बाल श्रम, बाल विवाह, मानसिक या शारीरिक उत्पीड़न, या अपहरण जैसी घटनाओं का सामना कर रहे होते हैं। यह एक अत्यधिक प्रभावी और विश्वसनीय संसाधन है जो बच्चों को संकट की स्थिति में मदद प्रदान करता है।

महाशिवरात्रि का त्यौहार आज, मंदिरों में तैयारियां पूर्ण

बोल कम के जयकरों के साथ हरिद्वार से डाक कांवडियों का आगमन शुरू, जलाभिषेक के लिए कमेटियों ने किए उचित इंतजाम

एनपीटी संवाददाता

शामली। महाशिवरात्रि का त्यौहार आज पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा जिसके लिए मंदिरों में तैयारियां भी लगभग पूर्ण कर ली गयी है। श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग बैरीकेटिंग की व्यवस्था की गयी है ताकि श्रद्धालुओं को भगवान के जलाभिषेक के लिए परेशानियों का सामना न करना पडे। दूसरी ओर हरिद्वार से कांवडियों का सिलसिला भी तेज हो गया है। मंगलवार को डाक कांवडियों के आने का सिलसिला जारी रहा। बोल बम के जयकारे लगातार गूंजते रहे। जानकारी के अनुसार फाल्गुन मास की महाशिवरात्रि का त्यौहार आज पूरे जिले में उल्लास एवं भक्ति भावना के साथ मनाया जाएगा जिसे लेकर मंदिर कमेटियों द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। मंदिरों में भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए महिला एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग बैरिकेटिंग की व्यवस्था की गयी है ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानियों का सामना न करना पडे। शहर के मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम, सिद्धपीठ गुलजारी वाला मंदिर, भाकूवाला मंदिर, सदाशिव मंदिर रेलपार, सतीवाला मंदिर, शिवमूर्ति सुभाष चौंक, शिवमूर्ति गांधी चौंक सहित विभिन्न मंदिरों में व्यवस्थाएं की गयी है। बुधवार सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। शहर के मंदिर भाकूवाला में महाशिवरात्रि पर्व पर महाकाल की पालकी यात्रा भी निकाली जाएगी जिसके लिए तैयारियां की जा रही है। दूसरी ओर हरिद्वार से कांवड में गंगाजल लेकर आने वाले शिवभक्तों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। पैदल कांवडियों के साथ-साथ डाक कांवडियों का आगमन भी तेज हो गया है। मंगलवार को बडी संख्या में डाक कांवडिये बोल बम के जयकारे लगाते हुए शहर से गुजरे। इसके अलावा पैदल कांवडिये भी तेजी से अपने गतंव्यों की ओर बढते चले जा रहे हैं। बहुत से शिवभक्त अपने-अपने शिवालयों में पहुंच भी चुके हैं जहां वे भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे।

जनता पर 400 से 1000 प्रतिशत टैक्स का भार डालना उचित नहीं: अरविन्द संगल

चेयरमैन ने डीएम से की मामले का संज्ञान लेने व सभासदों से सलाह करने की मांग

एनपीटी संवाददाता

शामली। नगर पालिका चेयरमैन अरविन्द संगल ने पालिका के अधिशासी अधिकारी पर आनन फानन में स्वकर निर्धारण प्रणाली के तहत टैक्स की नई दरें निर्धारित कर जनता पर 400 से 1000 प्रतिशत तक ज्यादा भार डालने के संबंध में डीएम से मामले का संज्ञान लेने व टैक्स लागू करने से पूर्व वार्ड सभासदों से सलाह मशविरा किए जाने की मांग की है।

मंगलवार को नगर पालिका चेयरमैन अरविन्द संगल वार्ड सभासदों के साथ डीएम अरविन्द कुमार चौहान से मिले। चेयरमैन ने बताया कि नगर पालिका में अधिशासी अधिकारी की अभी नई नियुक्ति हुई है, अधिशासी अधिकारी ने कार्यभार ग्रहण करने के कुछ दिन बाद ही आनन फानन में स्वकर निर्धारण प्रणाली के तहत टैक्स की नई दरें प्रस्तावित करायी है जो शामली में पूर्व में जनता द्वारा देय टैक्स की दरों से 400 से 1000 प्रतिशत तक ज्यादा भार डालते हुए आम जनमानस को प्रभावित करेगी। जिन पर पहले टैक्स 500 रुपये था उन पर स्वकर निर्धारण प्रणाली के बाद 2 हजार से 5 हजार रुपये तक टैक्स लगेगा। अधिशासी अधिकारी को शामली में पिछले 60-70 सालों से चले आ रहे टैक्स सिस्टम और वहां के टैक्स निर्धारण की पूरी जानकारी नहीं थी, जल्दबाजी में उनके द्वारा यह निर्णय लिया गया है। चेयरमैन ने कहा कि पालिका के सभासदों ने अधिशासी अधिकारी को इसके संबंध में अपने सुझाव भी दिए थे लेकिन उन पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। जब कोई सरकार टैक्स बढाती है तो वह केवल 5 से 10 प्रतिशत ही वृद्धि करती है लेकिन आम जन मानस पर 400 से 1000 प्रतिशत तक टैक्स में वृद्धि किया जाना सही नहीं है। उन्होंने डीएम से अनुरोध किया कि जनता को इस भारी टैक्स वृद्धि से मुक्ति दिलाने के लिए अधिशासी अधिकारी को निर्देश जारी किए जाएं कि वह जनता द्वारा चुने गए वार्ड सभासदों से विचार विमर्श करके टैक्स की दर निर्धारित करें, साथ ही जनता से आपत्ति भी मांगी जाए। डीएम ने चेयरमैन को इस संबंध में आश्वासन दिया है। इस मौके पर सभासद हाजी साजिद, सभासद अरविन्द खटीक, अजय निर्वाल उर्फ बोबी, सभासद प्रतिनिधि संजय उपाध्याय, मनोज कुमार, हसीन अंसारी, तोहिद रहमानी, रामनिवास सैनी, विनोद तोमर, रोबिन गर्ग उपस्थित रहे।

खेत पर किसान का गोली लगा शव मिलने से हडकंप

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा, पुरमाफी गांव का मामला

किसान की मौत से परिवार में कोहराम मचा, पुलिस जता रही आत्महत्या की आशंका

एनपीटी संवाददाता

शामली। झिंझाना क्षेत्र के गांव पुरमाफी में पचास वर्षीय किसान का संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगा शव खेत में मिला। घटना की सूचना परिजनों द्वारा पुलिस को दी गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। किसान की हत्या से परिजनों में कोहराम मच गया।वहीं पुलिस किसान द्वारा आत्महत्या की आशंका जता रही है। मंगलवार की सुबह क्षेत्र के गांव पुरमाफी में किसान का गोली लगा शव खेत में पडा मिला जिससे गांव में सनसनी फैल गई। मृतक की शिनाख्त गांव के ही 50 वर्षीय आजाद पुत्र महावीर सिंह के रूप में हुई। किसान की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही झिंझाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में ले लिया। बताया जाता है कि मृतक आजाद सिंह शराब पीने का आदी था जिस कारण उस पर काफी कर्ज भी हो गया था। किसान के पास लगभग 15 बीघा भूमि है, दो माह पूर्व उसने अपनी दो बीघा जमीन बेच दी थी जिसको लेकर वह काफी परेशान चल रहा था। सूचना पर सीओ कैराना श्याम सिंह भी मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी ली। सीओ ने बताया कि पुरमाफी निवासी धर्मेन्द्र ने बताया कि उसके भाई आजाद ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। आजाद शराब पीने का आदी था और उस पर कर्ज भी था। सीओ ने बताया कि फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

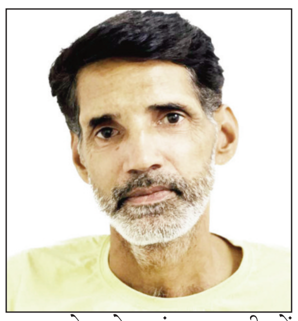

श्री मुनिसुब्रत नाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया

गढीपुख्ता। श्री दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र में जैन धर्म के 20वें तीर्थंकर श्री मुनि सुब्रत नाथ भगवान का मोक्ष कल्याण का महोत्सव धूमधाम से मनाया गया ।प्रात: काल श्रद्धालुओं ने विधि विधान से अभिषेक शांति धारा की। विधि विधान से पूजन पाठ किया गया। निर्वाण कांड का पाठ पढकर भगवान को मोक्ष कल्याणक का लाडू समर्पित किया गया। मुनिसुब्रत नाथ भगवान की आरती एवं चालीसा का पाठ किया गया। इस अवसर पर नीरज जैन सुदेश जैन दीपक जैन अजय जैन मुकेश जैन ऋषभ जैन संभव जैन ममता जैन रेखा जैन संगीता जैन स्मिता जैन शिखा जैन दिशा जैन ऋतु जैन नीलम जैन आदि अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी का आरोप

पेस्टीसाइड दुकान संचालक ने युवक के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

एनपीटी संवाददाता

शामली। शहर के करनाल रोड पर पेस्टीसाइड दुकान संचालक ने पेस्टीसाइड कंपनी के एक कर्मचारी पर एक लाख रुपये वापस न करने व मांगने पर गाली गलौच व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। टीचर कालोनी निवासी अर्जुन ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उसकी करनाल रोड पर पेस्टीसाइड की दुकान है। उसकी दुकान पर किसी पेस्टीसाइड कंपनी में काम करने वाले अंकित का काफी आना जाना था। एक दिन अंकित उसके पास आया तथा कहा कि उसकी मां की तबीयत बहुत ज्यादा खराब है और उसे एक लाख रुपये की सख्त जरूरत है। वह दो-तीन माह में उसके पैसे वापस लौटा देगा। उसने अंकित पर भरोसा करके उसे एक लाख रुपये की नकदी दे दी। अर्जुन का आरोप है कि तीन वर्ष बीतने के बाद भी अंकित ने उसके पैसे वापस नही लौटाए। जब वह उसके घर जाता है तो उसके माता-पिता जल्द रकम वापस लौटने का आश्वासन देते हैं लेकिन आज तक रकम वापस नहीं की गयी। जब वह अंकित को माता- पिता या भाई को फोन कर पैसे की मांग करता है तो वे उसके साथ गाली गलौच व जान से मारने की धमकी देते हैं। पीडित अर्जुन ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अंकित पुत्र धर्मबीर सिंह निवासी गांव हौसंगपुर थाना झिंझाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

संक्षेप समाचार :

पिंडौरा गांव की समस्याओं के समाधान की मांग

शामली। मंगलवार को भाकियू महिला विंग की जिलाध्यक्ष कविता चौधरी ने कलेक्ट्रेट में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उन्होंने किसान दिवस में गांव पिंडौरा की कई समस्याओं को लेकर प्रार्थना पत्र दिया था लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। उन्होंने कहा कि गांव पिंडौरा स्थित तालाब में गंदगी के कारण पानी खराब होने से लोगों में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां फैल रही हैं, इसलिए तालाब की जल्द से जल्द सफाई कराई जाए, पिंडौरा में कच्चे रास्ते पर खंडजा लगाया जाए, पिंडौरा निवासी सत्तार पिछले तीन–चार सालों से बिजली के कनेक्शन के लिए विद्युत विभाग के चक्कर काट रहा है, सत्तार ने रसीद भी कटवा रखी है लेकिन अभी तक उसे कोई कनेक्शन नहीं मिला है। गांव सांपला में 11 हजारी लाइन को लेकर भी प्रार्थना पत्र दिया गया था, यह लाइन बल्ली के खंबे पर मकान के ऊपर से गुजर रही है जिससे हादसों का डर बना रहता है।

मोहन जोहड की साफ सफाई कराने की मांग

शामली। मोहन जोहड सेवा संस्थान झिंझाना के पदाधिकारियों ने मंगलवार को तहसील ऊन में डीएम को संबोधित एक प्रार्थना पत्र एसडीएम निधि भारद्वाज को देते हुए बताया कि झिंझाना में काफी पुराना धाम मोहन जोहड महाभारत कालीन के नाम से प्रसिद्ध है। इस धाम की पूर्व चेयरमैन सफाई, पानी व बिजली की व्यवस्था सुचारू रूप से कराते रहे हैं लेकिन बार बार अनुरोध करने के बावजूद भी वर्तमान चेयरमैन द्वारा धाम की साफ सफाई, पानी व बिजली की व्यवस्था पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार को महाशिवरात्रि का त्यौहार भी है। उन्होंने डीएम से धाम में सफाई, पानी व बिजली की व्यवस्था जल्द कराने की मांग की।

शामली के बच्चों का भुवनेश्वर खेलों में शानदार प्रदर्शन

शामली। एकल अभियान अभ्युदय यूथ क्लब द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेलकूद में शामली जनपद के बच्चों ने भुवनेश्वर में शानदार प्रदर्शन किया है। मंगलवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने विजेता बच्चों व प्रशिक्षकों को पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष राजकुमार वर्मा ने बताया कि भुवनेश्वर में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में शामली अंचल के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते जीत हासिल की। उन्होंने सभी बच्चों को जीत की बधाई दी। इस मौके पर जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष वैभव गोयल, पीयूष वर्मा, आकाश गुप्ता, गौरव रुहेला, अंकित जैन आदि भी मौजूद रहे।

इनवर्टर–बैटरे ले जाकर नहीं दिए रुपये, दी तहरीर

कैराना। दुकानदार से इनवर्टर व बैटरे ले जाने के बाद युवक ने रुपये नहीं दिए। मामले में कोतवाली में तहरीर दी गई। गांव जहानपुरा निवासी नफीस ने कोतवाली में तहरीर दी कि मोहल्ला आलकलां में उसकी दुकान स्थित है। कांधला निवासी युवक ने उससे इनवर्टर व बैटरे उधार लिए थे। इसके बाद उसे एक लाख 10500 रुपये नहीं दिए गए। रुपये मांगने पर आरोपी ने उसके साथ अभद्रता करते हुए धमकी दी। मामले में पीड़ित ने कार्रवाई की मांग की है।

विधायक अशरफ अली खान ने प्रदूषित कृष्णा नदी का मामला विधानसभा में उठाया

एनपीटी संवाददाता

जलालाबाद। थाना भवन विधायक अशरफ अली खान ने किसी समय क्षेत्र की जीवनरेखा कही जाने वाली कृष्णा नदी में प्रवाहित प्रदूषित जल का मामला विधानसभा में नियम 301 के तहत उठाया, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। थानाभवन विधायक अशरफ अली खान ने विधानसभा में बताया कि कृष्णा नदी जनपद सहारनपुर, शामली और बागपत से होकर गुजरती है। जनपद शामली के चंदेनामाल, दखोड़ी जमालपुर, दभेडी, गौसगढ़, आदि दर्जनों गांवों नदी के किनारे बसे हैं। लगातार बढ़ रहे प्रदूषण के कारण इन गांवों के लोग लगातार गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। दूषित जल के कारण ग्रामीणों में कैंसर और चर्म रोग जैसी घातक बीमारियां फैल रही हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि कृष्णा नदी में गिर रहे प्रदूषित जल को रोकने के लिए तुरंत ठोस कदम उठाए जाएं।

विधायक ने कहा कि सहारनपुर क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों और नालों से आ रहे कैमिकल युक्त गंदे पानी के कारण नदी का पानी जहरीला हो रहा है। इससे न केवल किसानों की खेती प्रभावित हो रही है, बल्कि मवेशियों को भी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। विधानसभा में इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद क्षेत्र के लोगों को उम्मीद जगी है कि सरकार जल्द ही कृष्णा नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए प्रभावी कदम उठाएगी। ग्रामीणों ने विधायक के प्रयासों की सराहना की है।

भजनों के माध्यम से डाला राष्ट्र सेवा व यज्ञ की महिमा पर प्रकाश

एनपीटी संवाददाता

शामली। आर्य समाज मंदिर द्वारा आयोजित ऋषिबोध उत्सव के तीसरे दिन राजेश धीमान के आवास पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर यज्ञ का भी आयोजन हुआ। यज्ञ के ब्रहमा आर्य समाज के पुरोहित आदित्य आचार्य ने यज्ञ संपन्न कराया। आर्य विद्वान सुमित्र अंगिरस ने भजनों के माध्यम से राष्ट्रसेवा व यज्ञ की महिमा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन सचिन आर्य ने किया। इस मौके पर प्रधान राजपाल आग्र, यज्ञ प्रभारी सुंदर आर्य, विनोद आग्र, नरेन्द्र, राजीव, सतपाल, स्त्री समाज की संरक्षक संतोष आर्या, प्रधान सुनीता, मंत्री मिथलेश आर्या, मोनिका, आर्य विद्या सभा की प्रधान डा. मीरा वर्मा, पूनम, राजकुमारी, मंजू आदि भी मौजूद रहे।

मलिक हास्पिटल का पूर्व मंत्री ने किया शुभारंभ

एनपीटी संवाददाता

जलालाबाद। कस्बे के दिल्ली-सहारनपुर रोड स्थित मलिक हास्पिटल का शुभारम्भ पूर्व कैबिनेटठ मंत्री सुरेश राणा द्वारा फीता काटकर किया इस अवसर पर उन्होने कहा कि उक्त हास्पिटल के खुलने से क्षेत्र को एक अच्छी मैडिकल सुविधा मिल सकेगी पचास हजार की आबादी वाले कस्बा जलालाबाद मे अस्पताल के खुलने पर उन्होने खुशी जताई व क्षेत्र के लोगो को समय पर अच्छा व सस्ता ईलाज देने के लिए अस्पताल के लोगो से अपनी इच्छा जताई जिससे क्षेत्र के गरीब लोगो को भी अस्पताल का लाभ मिल सके। अस्पताल के संचालको ने सभी का आभार जताते हुए क्षेत्र के लोगो को भरोसा दिया कि उनका प्रयास रहेगा कि लोगो को उनके अस्पताल में एक अच्छा व सस्ता ईलाज मिल सके। इस अवसर पर उन्होने मोदी सरकार की स्वास्थय व चिकित्सा के क्षेत्र मे क्रान्तिकारी परिवर्तन व उत्तर प्रदेश मे एम बी बी एस की बडे स्तर पर सीटे बढाने व प्रत्येक जिले मे मैडिकल कालेज की सौगात का जिक्र किया जिससे आने वाले सालो मे उत्तरप्रदेश से अनुभवी योग्य डाक्टर मिलने की बात कही जिससे प्रदेश के हर नागरिक को चिकित्सा आसानी से उपलब्ध होगी। मोदी सरकार व देश के स्वास्थय मंत्री जयप्रकाश नडडा का उन्होने विशेष तौर से आभार व्यक्त किया। इस दौरान चेयरमैन जहीर मलिक मौजूद रहे।

मिट्टी परीक्षण के बाद सीमा पर लगेंगे पिलर

मेरठ में बैठक के बाद यूपी–हरियाणा सीमा विवाद के हल करने की कवायद

रूड़की की आईटी कंपनी को पिलर लगाने के लिए किया नामित

एनपीटी संवाददाता

कैराना। मेरठ में बैठक के बाद यूपी–हरियाणा भूमि सीमा विवाद के हल की कवायद शुरू की गई है। इसके तहत सीमा पर पिलर लगाने के लिए रूड़की की आईटी कंपनी को नामित किया गया है। पहले सीमा पर मिट्टी का परीक्षण कराया जाएगा, जिसके बाद कंपनी पिलर का निर्माण कराकर लगाएगी। 1974 से यूपी और हरियाणा के किसानों के बीच सीमा पर स्थित भूमि को लेकर विवाद चला आ रहा है। इसका मुख्य कारण यमुना की बदलती जलधारा है। जलधारा बदलने के साथ ही सीमा पर लगे पिलर भी नष्ट हो गए या फिर पानी में बह गए। शासन ने सीमा विवाद के मामले में कमिश्नर मेरठ को नोडल अधिकारी बनाया है। तीन दिन पूर्व कमिश्नर ने शामली, सहारनपुर, बागपत, गौतमबुद्धनगर और अलीगढ़ के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की थी। उन्होंने विवाद सुलझाने के लिए अभिलेखों के बारे में जानकारी की थी। निर्देशित किया था कि सीमा से सटे गांवों के अभिलेख जुटाए जाएं, ताकि सर्वे आफ इंडिया के निर्देशन में सीमा पर पिलर लगाने का कार्य पूरा कराया जा सके। बताते हैं कि दोनों राज्यों की सीमा 200 किलोमीटर से अधिक लंबी है। जहां यूपी प्रशासन की ओर से अपने खर्च पर 1200 पिलर लगाए जाएंगे। रूड़की की आईटी कंपनी को नामित किया गया है। कंपनी द्वारा पिलर बनाने से पूर्व सीमा पर मिट्टी जांच कराने के लिए कहा गया है। पहले मिट्टी की जांच होगी, जिसके आधार पर पिलर की ऊंचाई व मोटाई के साथ उनका निर्माण किया जाएगा। माना जा रहा है कि शीघ्र ही जिले के 16 राजस्व गांवों से लगती सीमा पर मिट्टी की जांच का कार्य शुरू होगा।

स्वामित्व की लड़ाई में किसानों में होता रहा टकराव

यमुना नदी का प्रवाह समय–समय पर यूपी की ओर होता रहा है। इसी के चलते यूपी के किसानों की भूमि नदी की जलधारा से हरियाणा की ओर चली गई। 1974 में दीक्षित आयोग के गठन के बाद तय हुआ था कि हरियाणा की भूमि यदि यूपी की ओर चली गई या फिर यूपी के किसानों की भूमि हरियाणा की ओर चली गई, तो उसे संबंधित राज्यों के रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए। यूपी के किसानों का आरोप रहा है कि उनकी जमीन हरियाणा की ओर जाने के बाद यूपी के राजस्व रिकॉर्ड से हटा दी गई, लेकिन हरियाणा के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हुई। भूमि के स्वामित्व को लेकर कई बार खूनी संघर्ष, फायरिंग और आगजनी तक हो चुकी है। दोनों प्रदेशों में किसानों पर मुकदमे भी दर्ज होते रहे हैं।

दो बार हो चुका है सर्वे, गाड़े गए थे खूंटे

तीन दशक पूर्व सर्वे आफ इंडिया द्वारा सर्वे किया गया था और सीमा का निर्धारण कर दिया था, ताकि सीमा विवाद का हल निकल सके। लेकिन, जलधारा बदलने के साथ ही सीमांकन पिलर गायब हो गए, तो विवाद पेचीदा हो गया। यह मामला कोर्ट में पहुंचा। कोर्ट ने सर्वे आफ इंडिया को पुनः सर्वे के आदेश दिए। इसके बाद अगस्त 2023 में सर्वे आफ इंडिया की टीम ने फिर से सीमा पर पहुंचकर सर्वे किया था। सीमा का निर्धारण करते हुए अस्थायी रूप से खूंटे गाड़ दिए थे।

पूर्व में मंगाए पिलर हो गए बेकार

यूपी–हरियाणा सीमा पर लगवाने के लिए पूर्व में पिलर मंगवाए गए थे, जिन्हें यमुना ब्रिज के निकट रखवाया गया था। वर्षों से ये पिलर यहीं पर रखे हुए हैं। इनमें अधिकतर पिलर लगे बिना ही बेकार हो गए हैं। अब जो पिलर लगाए जाएंगे, वे पुनः बनकर आएंगे।

इन्होंने कहा–

यूपी–हरियाणा सीमा पर पिलर लगाए जाएंगे। इससे पहले सीमा पर मिट्टी का परीक्षण होगा, ताकि उसके अनुसार पिलरों का निर्माण हो सके। शीघ्र ही परीक्षण का कार्य शुरू होगा।

— **स्वप्निल कुमार यादव,** एसडीएम कैराना

महाशिवरात्रि को लेकर डीएम-एसपी ने किया पैदल मार्च

कैराना। महाशिवरात्रि के पर्व को लेकर डीएम व एसपी ने नगर में पैदल मार्च किया। मंगलवार शाम डीएम अरविंद कुमार चौहान व एसपी रामसेवक गौतम ने पुलिस अमले के साथ कोतवाली से पैदल मार्च प्रारंभ किया। पैदल मार्च नगर के मुख्य मार्ग व चौक बाजार आदि से होकर निकाला गया। इस दौरान क्षेत्रवासियों से सुरक्षा का अहसास कराया गया। उन्होंने क्षेत्रवासियों से महाशिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्वक मनाने और कानून व्यवस्था बरकरार रखने में पुलिसकृप्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति ने माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया, तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस दौरान एएसपी संतोष कुमार, एसडीएम स्वप्निल कुमार यादव, सीओ श्याम सिंह, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

बाइक सवार युवक पर चाकू से हमला घायल –कांधला। बहन को ससुराल छोड़ने आए युवक पर कई लोगों ने मिलकर हमला बोला दिया। आरोप है कि युवक पर चाकू से हमला कर घालय कर दिया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर घटना के संबंध में कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार की शाम को जनपद शामली निवासी शाकिर अपनी बहन को छोड़ने का कांधला आया था। पीड़ित युवक के मुताबिक अपने विवाहिता बहन को मोहल्ला शेखजादगान ससुराल में छोड़कर वापस अपने घर लौट रहा था। तभी मीट मार्केट में जीजा का पड़ोसी जीशान्त ने अपने दो अज्ञात साथियों के साथ मिलकर शाकिर के साथ गाली गलौज करते हुए छाती में चाकू मार दिया। और जेब में रखे पांच हजार की रकम निकालकर फरार हो गया।

7 से 10 मार्च तक होगा शामली महोत्सव का आयोजन

व्यापारियों, उद्यमियों व संस्थानों को मिलेगा अपने उत्पादों के प्रचार का अवसर

एनपीटी संवाददाता

शामली। आगामी 7 मार्च से 10 मार्च तक होने वाले शामली महोत्सव को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। शहर के वीवी पीजी कालेज में होने वाले शामली महोत्सव के दौरान जनपद के व्यापारियों, उद्यमियों एवं संस्थानों को अपने उत्पाद के प्रचार का उचित अवसर मिलेगा।
सीडीओ विनय कुमार तिवारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की पहल पर शामली जनपद में शामली महोत्सव का आयोजन शहर के वीवी पीजी कालेज मैदान में 7 मार्च से 10 मार्च तक किया जाएगा। महोत्सव में जहां एक ओर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, वहीं व्यापारियों, उद्यमियों एवं संस्थानों को भी अपने उत्पाद तथा सेवाओं को जनता के सामने प्रस्तुत करने के लिए उचित मंच भी मिलेगा। महोत्सव को लेकर जिला प्रशासन ने भी तैयारियां प्रारंभ कर दी है। महोत्सव स्थल पर स्टाल, फूड कोर्ट तथा पेवेलियन बनाए जा रहे हैं जिन्हें व्यापारी, उद्यमी निर्धारित शुल्क जमा करके बुक करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि छोटे स्टाल 10 गुना 10 फुट साइज के होंगे तथा बडे पेवेलियन 20 गुना 20 फुट के साइज के बनाए जाएंगे। फूड कोर्ट में स्टाल का साइज 10 गुना 20 फुट का होगा जिसमें किचन के लिए भी स्थान दिया जाएगा। स्टाल, पेवेलियन तथा फूड कोर्ट में स्टाल की बुकिंग के लिए सीडीओ कार्यालय विकास भवन के कमरा नंबर 12 में काउंटर बनाया गया है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 28 फरवरी है।

प्रतिपक्ष नेता के बगैर 12 संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष व सदस्यों के

खाली पदों की नियुक्ति हो रही है प्रभावित- विजय शंकर नायक

एनपीटी, रांची

आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह- पूर्व प्रत्याशी, हटिया विधानसभा विजय शंकर नायक ने महामहिम मुख्य न्यायाधीश झारखण्ड उच्च न्यायालय, रांची को अपने भेजे गये ईमेल ज्ञापन में कहा है कि विपक्ष का नेता घोषित नहीं किये जाने के कारण 12 संवैधानिक संस्थाओं मे अध्यक्ष व सदस्यों के खाली पदों की नियुक्ति नहीं होने पर भाजपा झारखण्ड अध्यक्ष को भी अवमानना याचिका एंव अन्य जनहित याचिकाओं में पार्टी बनाये झारखण्ड उच्च न्यायालय। इन्होंने ईमेल ज्ञापन में आगे कहा है कि झारखण्ड में प्रतिपक्ष का नेता भारतीय जनता पार्टी के द्वारा अब तक घोषणा नहीं किये जाने के कारण लोकायुक्त, सूचना आयोग, मानवाधिकार आयोग एंव अन्य 12 संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष व सदस्यों के खाली पदों की नियुक्ति झारखण्ड सरकार के द्वारा नहीं किया जा रहा है। आज सदन मे झामूमो गठबंधन की सरकार है और विपक्ष में भारतीय जनता पार्टी है। शंकर नायक ने कहा है कि इससे पूर्व भारतीय जनता पार्टी ने विधायक बाबु लाल मरांडी को झारखण्ड विधान सभा में विधायकों एवं भारतीय जनता पार्टी के द्वारा विपक्ष का नेता बनाया गया था। मगर किसी कारणवश वह मामला दलबदल कानुन के अन्तर्गत विवाद में आ गया। जिसकी सुनवाई विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा पांच वर्ष के बाद भी फैसला नहीं सुनाया गया और ना ही भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व, आलाकमान ने कोई अन्य भाजपा के विधायक को विपक्ष का नेता (नहीं) मनोनयन किया। जिस कारण बिना प्रतिपक्ष नेता के बगैर झारखण्ड

विधान सभा चला और दुष्परिणाम यह हुआ कि आज तक झारखण्ड राज्य में झारखण्ड में प्रतिपक्ष का नेता भारतीय जनता पार्टी के द्वारा अब तक घोषणा नहीं किये जाने के कारण लोकायुक्त, सूचना आयोग, मानवाधिकार आयोग समेत लगभग 12 संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष व सदस्यों के खाली पदों की नियुक्ति नहीं हो सकी। जिसके कारण राज्य की आम जनता खासकर राज्य के सदियों से शोषित पीड़ित अधिकार से वंचित अनु० जाति/ जनजाति/ महिलाओ एंव अन्य पीड़ित कमजोर वर्गो को न्याय और लाभ से वंचित होना पड़ा। जिसके लिए झारखण्ड में सबसे ज्यादा भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व, आलाकमान दोषी है। क्योंकि कुछ कुछ संवैधानिक संस्थान के पद ऐसे हैं जिसमें बिना प्रतिपक्ष के नेता के अनुशंसा के बगैर पद में मनोनयन, नियुक्ति कि जा ही नहीं सकती। नायक ने आगे कहा कि महामहिम मुख्य न्यायाधीश, झारखण्ड उच्च न्यायालय आदरणीय एमएस रामचन्द्र राव व जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ से अनुरोध और सादर रुप से निवेदन किया है कि जब तक भाजपा के झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष को अवमानना याचिका, एंव अन्य जनहित याचिकाओं में पार्टी नहीं बनाया जायेगा, तब तक इस याचिका से सम्बन्धित मामलों का निष्पादन नहीं होगा। क्योंकि राज्य की सरकार ने खंडपीठ को यह बता चुकी है कि नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है, मगर जब तक नेता प्रतिपक्ष को लेकर अब तक कोई अधिसूचना जारी नहीं हुई है, जिसके चलते नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रुप नहीं दिया जा रहा है ।

महोदय जब तक नेता प्रतिपक्ष बनाने की दिशा मे भाजपा नेतृत्व पहल नहीं करेगी, तब तक सरकार इसी तरह खंडपीठ को अपना जवाब देती रहेगी और डेट पर डेट मिलता रहेगा और समय पार होता रहेगा और आम जनता अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित होते रहेंगे। नायक ने आगे कहा कि यह तो वही कहावत को इंगित करती है कि ना नौ मन तेल होगा ना राधा नाचेगी ना प्रतिपक्ष नेता का मनोनयन होगा और ना ही इन संवैधानिक संस्थानो के पद भरे जायेंगे। विजय शंकर नायक ने कहा है कि पुनः खंडपीठ से अनुरोध होगा कि जब तक भाजपा अध्यक्ष झारखण्ड को इस केस में पार्टी नहीं बनाया जाता, तब तक समाधान नहीं होगा।

शाहिद इकबाल ने स्वास्थ्य मंत्री से किया पत्रकारों का आयुष्मान कार्ड बनवाने की मांग

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी से रांची सरकारी आवास पर मिलकर झामुमो के पूर्व केन्द्रीय समिति सदस्य शाहिद इकबाल ने आवेदन देकर कहा कि झारखण्ड के विकास में न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की बेहतर भूमिका के साथ-साथ पत्रकारिता की भूमिका भी सराहणीय योग्य है। देश की आजादी से लेकर अलग झारखण्ड राज्य बनाने के आन्दोलन में राज्य के पत्रकारों की सराहनीय भूमिका रही है। राज्य के पत्रकार काफी कम संसाधनों में अपने पारिवारिक जिम्मेदारियों की पूर्ति के साथ-साथ राज्य और देश के विकास में राजनेता और जनता के बीच, प्रशासन और जनता के बीच और न्यायपालिका और जनता के बीच बेहतर संवाद का माध्यम बनते हैं। शाहिद इकबाल ने कहा कि शहरी पत्रकारों के साथ- साथ ग्रामीण पत्रकारों की भूमिका भी काफी उल्लेखनीय है। ज्यादातर

ग्रामीण पत्रकार गैरवैतनिक हैं, उन्हें ना तो उनके संस्थान की ओर से ना ही अन्य किसी माध्यम से आर्थिक सहायता मिलती है, जिससे वे अपने परिवार का गुजारा कर सके। बावजूद इसके ग्रामीण पत्रकार गांव- समाज की समस्याओं, राजनेताओं की सकारात्मक भूमिका से लेकर प्रशासन के कार्यों को जनता के बीच और गरीब जनता की आवाज को सरकार तक पहुंचाने के कार्य में लगातार संघर्षशील है. कांग्रेस पार्टी देश की आजादी के लिए अपनी महती भूमिका निभाई है और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा पार्टी ने झारखण्ड अलग राज्य के निर्माण के लिए लंबी लड़ाई लड़ने वाली पार्टी रही है। ऐसे में पत्रकारों के संघर्ष को ध्यान में रखते हुए उन्हें न्यूनतम सुविधाएं पहुंचाना भी राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। शाहिद इकबाल ने मंत्री से अनुरोध किया है कि राज्य के पत्रकारों को स्वास्थय विभाग की ओर से आयुष्मान भारत का कार्ड बनवाने का आदेश दिया जाए. जिससे वे आयुष्मान भारत कार्ड का इस्तेमाल अपने व अपने परिजनों के इलाज के लिए कर सके।

इससे एक ओर जहां सभी पत्रकार आपके प्रति आभारी रहेंगे। साथ ही साथ आपके इस ऐतिहासिक कदम को पत्रकार जीवनपर्यंत याद रखेंगे। वही स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने आश्वासन दिया कि बहुत जल्द कारवाई की जायेगी।

जनता दरबार में ऑन द स्पॉट कई मामलों का किया गया निष्पादन

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से उनकी समस्याएं सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जायेगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान जमीन से सम्बन्धित, चौकीदार से सम्बन्धित, अबुआ आवास, जॉब कार्ड से सम्बन्धित, मुख्यमंत्री सहायता योजना आदि से सम्बन्धित मामले एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से सम्बन्धित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करे। इसके अलावे उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कारवाई करते हुए एक सप्ताह के अन्दर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

उड़ीसा के कटक में हुई सीनियर नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में पाकुड़ जिला कबड्डी संघ के खिलाड़ी भी हुए शामिल

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), उड़ीसा के कटक में आयोजित 71 वें सीनियर नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में पाकुड़ जिला कबड्डी संघ के खिलाड़ी भीषण यादव का चयन झारखण्ड टीम में हुआ था। प्रतियोगिता में खेल कर लौटे खिलाड़ी भीषण यादव का पाकुड़ जिला कबड्डी संघ के संरक्षक एवं पाकुड़ जिला को सभी खेलों में सशक्त भूमिका निभाने वाले समाजसेवी अम्लान कुसुम सिन्हा ने आशीर्वाद दिया और भविष्य में हमेशा पाकुड़ जिला कबड्डी संघ को हर सम्भव मदद देने

का आश्वासन दिया। जिला खेल कूद पदाधिकारी राहुल कुमार ने भी खिलाड़ी के उज्जवल भविष्य की कामना क। नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता खेल कर लौटे खिलाड़ी भीषण यादव का पाकुड़ जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष जवाहर कुमार सिंह, पूर्व सचिव उमर फारूक, डे-बोर्डिंग कोच संजय कुमार भगत, संस्कार वाटिका आवासीय विद्यालय के निदेशक परमजीत कुमार मिश्रा, भीषण यादव का माला पहनकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया और पाकुड़ जिला कबड्डी संघ का मान बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया गया। उक्त कार्यक्रम में मिथुन शाह, निखिल सिंह अनुराग गोस्वामी सहित खिलाड़ियों में राजवीर, यादव, मोहम्मद इरफान, प्रीति सरदार, पूजा मंडल, ब्यूटी कुमारी, मनाली मंडल, सोनाक्षी कुमारी, सौम्या खातून, अनमोल, प्रिया राय, रितिका मंडल, मोनालिसा शाह, नैतिक राज, जैद खान, मिहिर, सनी, विराट सिंह, विराट जायसवाल सहित दर्जनों कबड्डी खिलाड़ियों ने भीषण यादव को मिठाई खिलाकर स्वागत किया और उनसे खेल के टिप्स लिए ।

अनूठी तकनीकी क्रांति स्काई प्रोजेक्शन पर जीवंत हुआ वीर हनुमान

एनपीटी ब्यूरो

रांची, सोनी सब के पौराणिक धारावाहिक 'वीर हनुमान' का भव्य लॉन्च हुआ। जिसने उज्जैन के आसमान को पहली बार 3डी होलोग्राफिक स्काई प्रोजेक्शन से रोशन कर दिया। श्री राम घाट पर हुए इस शानदार प्रदर्शन ने भगवान हनुमान की कहानी की एक झलक पेश की, जो महाशिवरात्रि के अवसर से पहले शहर के आसमान में दिखाई दी। इस अत्याधुनिक तकनीक और आध्यात्मिक महत्व के अद्वितीय संगम ने वीर हनुमान की भक्ति-प्रधान कथा को बखूबी दशार्या। आरव चौधरी ने कहा, 'उज्जैन में इतने सारे भक्तों के बीच इस शो को लॉन्च करना और इस अनूठी गतिविधि का हिस्सा बनना अविश्वसनीय अनुभव था। माहिर पंधी ने कहा कि उज्जैन के आसमान में हनुमान जी की कहानी को देखना एक अद्भुत और भावनात्मक अनुभव था। आन तिवारी जो बाल हनुमान की भूमिका निभा रहे हैं, ने कहा कि मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। यह जादू जैसा लगा।

फाइलेरिया रोधी दवा सेवन कराने समेत विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति का किया गया समीक्षा

एनपीटी ब्यूरो, पाकुड़ प्रखण्ड सभागार में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू की अध्यक्षता में फाइलेरिया उन्मूलन के ध्यानार्थ पाकुड़ वासियों को फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराये जाने की समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान छूटे हुए लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराने सम्बन्धी आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। ताकि एक भी लोग फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन करने से वंचित न रहे। उन्होंने प्रखण्ड कार्यालय में कार्यरत सभी कर्मचारियों को फाइलेरिया रोधी दवा सेवन करने की

भी ताकीद की। तत्पश्चात सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्ययोजना की क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति को लेकर भी समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान मनरेगा समेत अन्य योजनाओं के अधूरे पड़े कार्यों को यथाशीघ्र कंप्लीट करने की ताकीद की गई। साथ ही कई अहम बिंदुओं पर विचार विमर्श भी किया गया। बैठक में बीपीओ अजीत कुमार टुडू, डीपीआरओ सुकुमार ठाकुर, सहायक अभियंता श्याम दत्त शूकला एवं जमील अख्तर अन्य समेत जूनियर इंजीनियर, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक अन्य मौजूद रहे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय गाड़ी में 10 दिनों से मध्याह्न भोजन बंद,बच्चों व अभिभावकों में आक्रोश

एनपीटी ब्यूरो, लातेहार (झा०खं०), लातेहार के बारियातू प्रखण्ड अन्तर्गत सदर पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय गाड़ी में बीते दस दिनों से छात्र- छात्राओं को मध्याह्न भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। जिसे लेकर मंगलवार को विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन किया। विद्यालय के छात्रों ने बताया कि बीतें दस दिनों से लगातार भोजन व्यवस्था पूरी तरह ठप होने के कारण हम सभी भूखे ही घर लौटने को मजबूर हैं। वही अभिभावकों ने विद्यालय प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि विद्यालय खुलने के बाद शिक्षक आते हैं, बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कर घर चले जाते हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। यहां पढ़ने वाले पांच - छह व सात- आठ वर्ग के बच्चों को न तो हिंदी, न अंग्रेजी, लिखने पढ़ने आती है। शिक्षक बच्चों के प्रति ध्यान ही नहीं देते हैं। आगे बताया कि इसी लापरवाही के कारण बीते दस दिनों से विद्यालय की रसोईया भी भोजन बनाने नहीं आ रही हैं। जिससे मध्याह्न भोजन पूरी तरह से बंद है। विद्यालय में 166 विद्यार्थियों का नामांकन है और यहां केजी-1 से कक्षा 8 तक की पढ़ाई होती है। गांव में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन योजना एक महत्वपूर्ण सहायता है। लेकिन इसके बाधित होने से बच्चों के पोषण और उपस्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इस विद्यालय में चार शिक्षक हैं। उपेंद्र कुमार, प्रधानाध्यापक एवं तीन पारा शिक्षक -सुनील कुमार, ठूठा रविदास और पूर्णिमा कुमारी कार्यरत हैं। इसके बावजूद विद्यालय का स्थिति लाचार है। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शिवराज कुमार गंझू ने बताया कि विद्यालय में दो रसोईया प्रमिला देवी और कविता देवी कार्यरत हैं। जिनका पिछले एक वर्ष से मानदेय नहीं मिला है, जिस कारण वे खाना बनाने से इनकार कर रही हैं। प्रभारी प्रधानाध्यापक सुनील कुमार बाहर से व्यवस्था कर बच्चों को खिला रहे हैं। इस संबंध में प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को पहले ही सूचित किया है। प्रधानाध्यापक उपेंद्र कुमार ने बताया कि मुझे विभाग द्वारा मैट्रिक व इंटर परीक्षा में ड्यूटी पर तैनात किया गया है। मैं विद्यालय का प्रभार सुनील कुमार को सौंपा हूं ।

मैट्रिक में सफल स्टूडेंट्स को पुरस्कार से किया गया सम्मानित

एनपीटी ब्यूरो

मुजफ्फरपुर, मदरसा दारुल मिल्लत रामपुर सघरी बलभद्रपुर, औराई में शिक्षाविद् इम्तियाज अहमद करीमी की अध्यक्षता में मैट्रिक में सफल छात्रों के सम्मान में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए श्री करीमी ने सभी सफल छात्रों एवं छात्राओं को बधाई दी और कहा कि भूखे रहो, पुराने कपड़े पहनो और जमीन बेच दो, लेकिन कड़ी मेहनत करो और कड़ी मेहनत से ही सफलता मिलती है। कोई भेद-भाव नहीं होगा। आप धार्मिक शिक्षा के साथ- साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करे और देश का नाम रोशन करे। इस अवसर पर मदरसा प्लस बिहार के व्यवस्थापक सालेह उमर नदवी ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप जहां भी रहे और जो भी शिक्षा प्राप्त करे, आप धन्य हैं। लेकिन अपनी पहचान और अपनी संस्कृति और

सभ्यता को न भूलें, क्योंकि जो राष्ट्र अपनी सभ्यता और संस्कृति को भूल गया, वह हमेशा के लिए पन्ने से मिट गया। उन्होंने कहा कि दुनिया में तीन ताकतों का राज है। परमाणु शक्ति और ज्ञान की शक्ति और पहले उल्लेखित और दूसरे उल्लेखित शक्ति को शिक्षा के बिना प्राप्त नहीं किया जा सकता है और आज जो शक्ति है वह ज्ञान की शक्ति है। वही मदरसा दारुल मिल्लत के प्रिंसिपल मौलाना निजामुद्दीन ओसामा नदवी ने अपने सम्बोधन में कहा कि तालीम के बिना इल्म बिना कोठरी के मशाल की तरह है, तालीम की कमी तो पूरी हो सकती है। लेकिन तालीम की कमी कभी पूरी नहीं हो सकती, आज आपका सिर किताबों के सामने झुका है तो कल दुनिया के सामने ऊंचा होगा। ज्ञात हो कि एनआईओएस से 10वीं कक्षा में डिस्टिंक्शन अंक प्राप्त करने वाले शाहीन मदरसा प्लस के छात्रों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर दारुल मिल्लत ने मदरसा प्लस बिहार के सभी छात्रों का स्वागत किया। कार्यक्रम में पूरे बिहार से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक शामिल हुए, जिन्होंने इस कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया। कार्यक्रम में शाहीन मदरसा प्लस दारुल मिल्लत के शिक्षक फैज अहमद नदवी ने निजामत के कर्तव्यों का पालन किया, पाठ अजीज मसीहा ने किया, नात रसूल अजीज मुहम्मद मुर्तजा गाया और अजीज अब्दुल रहमान और अजीज हसन उज्जमां ने अंग्रेजी में भाषण दिया। यह कार्यक्रम न केवल अकादमिक उपलब्धियों को पहचानने का अवसर था, बल्कि प्रतिभागियों ने एक-दूसरे की उपलब्धियों का जश्न भी मनाया, जो मदरसा दारुल मुलत की शैक्षिक गुणवत्ता का प्रतिबिंब है। याद रखे कि वर्तमान में मदरसा दारुल मुलत में 11वीं और 12वीं के साथ- साथ नेट की तैयारी विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा कराई जा रही है। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क कर सकते हैं।

रायन इंटरनेशनल स्कूल गाजियाबाद में जैनिथ -2025 मांटेसरी ग्रैजुएशन सेरेमनी एवं वार्षिक उत्सव का आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। रायन इंटरनेशनल स्कूल गाजियाबाद द्वारा 23 फरवरी को दीनदयाल उपाध्याय सभागार में जैनिथ - 2025 'मांटेसरी ग्रेजुएशन सेरेमनी एवं वार्षिक उत्सव' का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं उमंग से दो शो के माध्यम से किया गया। रायन इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ स्कूल्स के संस्थापक डॉ. ए.एफ. पिंटो, प्रबंधन निर्देशिका डॉ. ग्रेस पिंटो के अनुसार विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव में मांटेसरी शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसी संदर्भ में रायन में मांटेसरी ग्रेजुएशन सेरेमनी जैसी अनूठी परंपरा का आयोजन किया जाता है। जिसके अंतर्गत नन्हें मुन्ने बच्चों को उनकी तीन वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने पर 'मांटेसरी ग्रेजुएशन उपाधि द्वारा सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष के वार्षिक उत्सव की मुख्य थीम रूट्स टू ग्रो, विंग्स टू फ्लाई है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभु वंदना, विशेष प्रार्थना, स्वागत गीत के बाद वेलकम टू द रायन ग्रुप' की वीडियो प्रस्तुति कर विद्यालय संबंधित जानकारी दी गई। इसी श्रृंखला में स्वागत भाषण 5 विभिन्न भाषाओं में दिया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथिगण, अभिभावक गण के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सफलता पाने वाले पूर्व रायनाइट उपस्थित रहे। सभी का स्वागत स्कूल बैण्ड, बिद्यार्थी परिषद के सदस्य एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजू शर्मा द्वारा उपस्थित गणमान्य अतिथि गण का स्वागत स्मृति चिह्न एवं नवोदित पौध के साथ ही रायन विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग देकर सभी का स्वागत किया गया। वार्षिक उत्सव की गरिमा बढ़ाने

वाले अतिथिगण में अनुज स्वरूप (आईएफएस, रीजनल पासपोर्ट आफिसर, गाजियाबाद), चारु निगम (कमांडेंट पीएसी (आईपीएस) 47वीं बटालियन पीएसी, गाजियाबाद), कर्नल सुदेश रजोरा (कमांडिंग ऑफिसर 2 दिल्ली गर्ल्स बटालियन), सीताराम शर्मा (जेल सुपरिटेण्डेन्ट (पीसीएस) डिस्ट्रिक्ट जेल गाजियाबाद), डॉ गंगनेश शर्मा (डायरेक्टर, नैशनल सेंटर आफ औररगेंनिक फार्मिंग) डॉ अशोक सिंगला (सीनियर साइंटिफिक आफिसर, फोरेंसिक साइंस लैब, दिल्ली), अमित निगम (डायरेक्टर स्ट्रैटजिक प्रोक्योरमेंट एशिया एंड पैसैफिक क्रिसैनियस मैडिकल केयर हैडक्वाटर बेड हैमबर्ग, जर्मनी), डॉ राजीव नंदी (फांउडर एंड चेयरमैन सुष्टि इंस्टीट्यूट फॉर चाइल्ड एंड एडोलैस मेंटल हैल्थ) नितेश शर्मा (बाइस प्रेसीडेन्ट, लेबर कोर्ट बार एसोसिएशन गाजियाबाद) मोहम्मद फैजल खान (चीफ मैनेजर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया), विकास रार्मा (डायरेक्टर दीनदयाल उपाध्याय सभागार, गाजियाबाद), डॉ चंद्र शेखर (साइंटिफिक आफिसर, नैशनल सेंटर ऑफ औरगेनिक फार्मिंग) डॉ. शबनम अंजुम आरा, (क्लीनिक रजिस्टरार, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडिसिन शमशुद्दीन (हास्पिटल डायरेक्टर, मणिपाल हॉस्पिटल्स), डॉ. आर. के मिश्रा (सीनियर कंसल्टेंट एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, नोयडा), अंकित सिंगला (सीनियर साइंटिफिक आफिसर, फोरेंसिक लैब, दिल्ली), अनुज कुमार (सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्रोरा एंड कस्टम, मिनिस्ट्री आफ कार्डनेन्स, रेवन्यू विभाग), अशोक कौशिक (हिन्द आत्मा, प्रधान संपादक), शुभेंद्र सिंह भदौरिया (वरिष्ठ पत्रकार, हिन्द आत्मा), मनीषा चौधरी (जनरल मैनेजर, रोहन मोटर्स), नीला असवानी, (ड्रेरा डिजाइनर), राजीव शर्मा (वाइस चेयरमैन रामन पीटीए), रीतेश शर्मा (सेक्रेटरी रायन पीटीए, फाउडर एंड चीफ एडीटर, चाणक्य न्यूज एंड मीडिया) संदीप जैन के साथ रायन एल्यूमिनाम एडवोकेट कृतिका बक्शी, मोटीवेशनल स्पीकर गार्गी आर्या, हर्षिता हांडा, सार्थक खण्डेलवाल आदि की उपस्थिति ने शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में मांटेसरी के नन्हे-मुन्ने रायनाइटस को तीन वर्षीय मांटेसरी शिक्षा पूर्ण होने पर उन्हें ग्रेजुएशन डिग्री देकर सम्मानित किया गया। नर्चरिंग ग्लोबल सीटीजन' वीडियो प्रस्तुति में रायन द्वारा छात्रों को नासा, मून, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जाने माने व्यक्तित्वों से वातालाप जैसी गतिविधियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है। साथ ही 'क्लाइमेट चैंपियन' (पर्यावरण संरक्षण के प्रति योगदान), स्पोर्ट्स चैंपियन वीडियो द्वारा विभिन्न खेल गतिविधियों, छात्रों के नये कीर्तिमान को दिखाया गया। हॉल ऑफ फेम में विभिन्न क्षेत्रों में सफलता का परचम लहराने वाले गाजियाबाद रायनाइटस की तस्वीर दिखाई गई। तत्पश्चात 'फस्ट इन मैथ्स' के जोनल और रीजनल विजेताओं को सर्टिफिकेट द्वारा सम्मानित किया गया। यंग एचीवर्स अवार्ड के अंतर्गत कक्षा मांटेसरी से पांचवीं के विद्यार्थियों को शैक्षणिक, सास्कृतिक, खेल आदि मे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैडल, सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

कक्षा 1-9 के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों में चयनित छात्रों को रायन प्रिंस अवार्ड, रायन प्रिंसेस अवार्ड से सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण थीम 'रूट्स टू ग्रो, विंग्स टू फ्लाई' पर आधारित संगीतमय नाटिका 'क्रॉक' की रंगारंग प्रस्तुति की सभी ने सराहना की। जिसमें एक नन्हे टैडपॉल की बार- बार संघर्ष कर अपने लक्ष्य को पाने की रोचक, प्रेरणादायी नृत्य नाटिका ने सभी को प्रभावित किया। म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट प्रस्तुति,' चैंपियन इन एकशन- स्पोर्ट्स परफॉरमेंस में खेलो की नृत्य की बानगी ने सभी को मोहित कर दिया। मांटेसरी एवं प्राइमरी छात्रों द्वारा सामूहिक गान के साथ 'अनेकता में एकता' पर आधारित सामूहिक नृत्य की रंगारंग धूम मचा दी। प्रधानाचार्या अंजु शर्मा ने सभी को संबोधित कर विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी एवं सभी उपस्थित दर्शकों का आभार व्यक्त किया। वार्षिक उत्सव का समापन स्कूल गान, राष्ट्रीय गान से किया गया।

छात्रों के लिए एचसीएल कॉर्पोरेशन नोएडा की औद्योगिक यात्रा का किया आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी स्कूल ने अपने छात्रों के लिए एचसीएल कॉर्पोरेशन, सेक्टर 3, नोएडा की औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया। यह औद्योगिक यात्रा सहायक प्रोफेसर रोहित राणा एवं श्री राजीव ढांढा की देखरेख में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की निदेशक प्रो. (डॉ.) मोनिका सेंगर ने बताया कि औद्योगिक दौरे का उद्देश्य छात्रों को उद्योग के कामकाजी माहौल का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। इससे छात्रों को सिद्धांत और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच अंतर को पाटने में मदद मिलती है।

एसडीजीआई के चांसलर महेंद्र अग्रवालजी के अनुसार इस तरह की औद्योगिक यात्रा सभी छात्रों के लिए सीखने का एक मूल्यवान अनुभव है, जो उन्हें नवीनतम तकनीकी की प्रगति में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रसन्नजीत कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां छात्रों के अनुसंधान और संचार कौशल को बढ़ाने में मदद करती हैं और उन्हें आईटी उद्योग में नवीनतम रुझानों से भी अवगत कराती हैं। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रतन ने छात्रों को इस प्रकार के तकनीकी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन एक संक्षिप्त फीडबैक सत्र के साथ हुआ, जिसमें छात्रों को अपने क्षेत्रों में खोज और नवाचार जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कामाख्या क्रिकेट लीग के सेमीफाइनल में चंडीगढ़ चैंपियंस की शानदार जीत

यूपी अपर और मुंबई मेरिट की विजेता से होगा फाइनल में मुकाबला

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ अंडमान निकोबार के तत्वाधान में चैंपियन स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट द्वारा नोएडा के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट एसोसिएशन में आयोजित कामाख्या क्रिकेट लीग के पहले सेमीफाइनल में चंडीगढ़ चैंपियंस ने दिल्ली हार्ट को 8 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया आज चंडीगढ़ चैंपियन के कप्तान जसमीत सिंह ने टॉस जीता और पहले क्षेत्र आरक्षण करने का फैसला किया जसमीत का फैसला पूरी तरह जसमीत सिंह के फेवर में रहा दिल्ली की टीम के ऊपरी बल्लेबाजों की कमर तोड़ कर रख दी पावर पहले समाप्त होने तक दिल्ली की टीम 6 विकेट पर 36 रन बनाकर जूझ रही थी लेकिन दिल्ली के कप्तान अनीश सिंह 21 और सुमित ने 17 रन बनाकर दिल्ली की टीम का स्कोर निर्धारित 20 ओवर में 86 तक पहुंचा चंडीगढ़ चैंपियन की ओर से अदनान शब्बीर रोहित शर्मा अविनाश कुमार ने दो-दो विकेट तथा जसमीत और अरविंद ने एक-एक विकेट लिया जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी चंडीगढ़ चैंपियन की टीम ने जीत का लक्ष्य 15.5 ओवरों में मात्र दो विकेट होकर प्राप्त कर लिया इसमें अरविंद वर्मा के नॉटआउट 38 अश्विंदर ने 25 और रोहित शर्मा ने 16 रन का योगदान दिया दिल्ली की ओर से एकमात्र विकेट अनुराग को मिला एक खिलाड़ी रन आउट हुआ मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार कारगिल युद्ध के हीरो कर्नल शैलेंद्र के हाथों रोहित शर्मा को दिया गया इस अवसर पर कामाख्या क्रिकेट लीग के अध्यक्ष डॉक्टर शमीम अहमद खान दिल्ली टीम के ऑनर विकास शर्मा हैदराबाद के ओनर खादिर खान फिल्म एक्टर लाइकी गोविंदा फिजियोथैरेपिस्ट डॉक्टर काजल गोयल डायरेक्टर क्रिकेट ऑपरेशन उमर कमाल दिल्ली पुलिस के प्रशिक्षक राकेश पाल के अलावा मैच के अंपायर नूर मोहम्मद और इब्राहिम खान मैच रेफरी जितेंद्र गुप्ता मीडिया प्रभारी परी सरोज और डीसीएम मीडिया ग्रुप की मैनेजिंग डायरेक्टर स्नेहा मौजूद रहीं कामाख्या क्रिकेट लीग का कल दूसरा सेमीफाइनल मुंबई मेरिट और यूपी अपर की टीम के बीच 10:30 बजे से खेला जाएगा।

युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के चौथे दिन युवाओं ने सीसीएसयू का किया भ्रमण

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मेरठ। नेहरू युवा केंद्र माय भारत युवा कार्यक्रम, खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में मेरठ जनपद में चल रहे पांच दिवसीय अंतर-जंपीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के चौथे दिन वाराणसी से आए 27 युवाओं को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ का भ्रमण कराया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान युवाओं को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का अवलोकन कराया गया। सबसे पहले, युवाओं का दल विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग पहुंचा, जहां विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने उन्हें जीव विज्ञान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी।

इसके बाद, युवा ज्वेलरी विभाग पहुंचे, जहां उन्होंने आभूषणों की बनावट, संरचना और निर्माण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात, युवाओं को फाइन आर्ट विभाग का दौरा कराया गया, जहां उन्होंने हाथ से बने स्केच, डिजाइन और लिप्टन आर्ट जैसी कलाओं की जानकारी हासिल की।

कार्यक्रम के अंत में, युवाओं को इतिहास विभाग का भ्रमण भी कराया गया, जहां विभागाध्यक्ष प्रोफेसर के.के. शर्मा ने मेरठ से जुड़ी 1857 की क्रांति और स्थानीय घटनाओं पर विस्तार से जानकारी साझा की।

यह कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी मेरठ, यशवंत यादव और लेखाकार नरेंद्र त्यागी की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजीत यादव, राकेश यादव, विकास मिश्रा, विशाल पटेल, नेहा पटेल, संध्या पटेल, आदर्श जायसवाल सहित वाराणसी के युवा उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गन्ना किसानों के भुगतान सम्बंधित बैठक आहूत

गन्ना किसानों का भुगतान पैराई सत्र से पूर्व कराना सुनिश्चित करें शुगर मिलः जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। जिलाधिकारी कार्यालय, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में किसानों के गन्ना भुगतान के सम्बंध में शुगर मिल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आहूत हुई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने शुगर मिल के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि वे आने वाले पैराई सत्र यानि दीपावली से पूर्व ही गन्ना किसानों को शत–प्रतिशत भुगतान करना सुनिश्चित करें। साथ ही किसानों द्वारा विक्रय के लिए लाये जाने वाले गन्ने की ढुलाई शासन के निर्देशानुसार एवं नियमानुसार ही कराये, यदि ऐसा पाया जाता है तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि गन्ना क्रय केन्द्र पर किसी भी कारण से घटतौली नहीं होनी चाहिए, ऐसा पाया जाने पर उनके खिलाफ कानून कार्यवाही की जायेगी।

बैठक में जिला गन्ना अधिकारी प्रदीप कुमार एवं शुगर मील से प्रतिभाग करने वालों में मुख्य रूप से डीडी कौशिक जीएम(पीआर), सुरेश शर्मा डीजीएम, ए0ए0खान एजीएम, कुलदीप सिंह मैनेजर, विवेक कुमार, एल0डी0शर्मा, के0पी0सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

29 लाख की लागत से वसुंधरा जोन में बनाए जाएंगे पांच कूड़ा घर

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। वसुंधरा जोन की सड़कों पर कूड़ा न फैले इसलिए नगर निगम वसुंधरा जोन में पांच अलग-अलग जगहों पर कूड़ा घर बनवाएगा। यहां करीब 29 लाख की लागत से कूड़ा घर बनाए जाएंगे।

वसुंधरा जोन के निर्माण विभाग के अवर अभियंता संजय गंगवार ने बताया कि यह कूड़ा घर वसुंधरा जोन के अलग-अलग इलाकों में बनाए जाने हैं। उन्होंने बताया कि यह कूड़ाघर साहिबाबाद सब्जी मंडी, साहिबाबाद डिपो, एलिवेटेड रोड नहर के नीचे और इंदिरापुरम थाने के पास बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यहां पर दिनभर जो भी कूड़ा जमा होगा उसे समयानुसार निगम की कूड़ा गाड़ी आकर वहां से कूड़ा ले जाया करेगी। दरअसल, यह ऐसी जगह हैं जहां पहले से ही लोग कूड़ा डालते रहे हैं। कूड़ा घर न होने के बावजूद यहां कूड़े का ढेर लगा रहता है और आए दिन यहां कूड़े में आग लगा दी जाती है। अब कूड़ा घर बनने से कूड़ा सड़क पर नहीं फैलेगा।

आईटीएस डेंटल कॉलेज मनाया राष्ट्रीय ओरल पैथोलॉजी दिवस

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर गाजियाबाद के ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा 25 फरवरी को राष्ट्रीय ओरल पैथोलॉजी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान की डेंटल ओपीडी में आने वाले सभी मरीजों को मौखिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया गया, जिससे उन्हें अपने दांतों को स्वस्थ रखने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से मरीज अपने मुँह की देखभाल करने के तरीकों के बारे में अधिक जान सकें। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के लिये विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। जिसमे हेमटोक्सिलिन और इओसिन पेंसिल, रंगोली प्रतियोगिता, सोप कार्विंग प्रतियोगिता, व क्विज प्रतियोगिता शामिल थी। एमडीएस छात्रों के लिए ह्यह्यमौखिक रोग संबंधी घावों की पहचानह्यह्य पर आधारित एक प्रश्नावली आयोजित की गयी, जहां छात्रों ने सिर और गर्दन पर सामान्य रूप से सामने आने वाले विकृति के विभिन्न निदान को अलग करने की कला सीखी। इसके अलावा बीडीएस तृतीय वर्ष के छात्रों के लिये एक सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विभिन्न मौखिक घावों के रोगजनन को प्रदर्शित करना रहा।

अंत में विजेताओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। आईटीएस कॉलेज नियमित रूप से इस तरह के शिक्षण कार्यक्रम और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस आयोजित कर छात्रों के क्लीनिकल और एकेडमिक ज्ञान को बढ़ाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ मौखिक स्वास्थ्य के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा, वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं कॉलेज के निदेषक-प्रधानाचार्य डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक) 8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक) 8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com

नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं **बैकुंठ मीडिया, 47 बेसमेंट, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद** (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।